जबलपुर सोमवार 12 अक्टूबर 2026 > अश्विन शुक्ल पक्ष, द्वितीया

वर्ष 32 अंक 105 मूल्य₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 34.5°C
न्यूनतम तापमान 20.2 °C
सूर्योदय - 6.06 | सूर्यास्त - 5.48

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

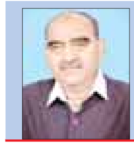
मैहर एवं सतना जिले का जन विश्वास अभियान... ⏩ 4

84 वर्ष के हुये अमिताभ बच्चन.. ⏩ 7

मेरी उम्र 36 वर्ष है...अंतिम शब्द कहकर ... ⏩ 8

नवरात्र का दूसरा दिन

माता ब्रह्मचारिणी

मुलाकात की थी दरकार सीजेआई ने किया इन्कार

नई दिल्ली।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने राहुल गांधी को मिलने का समय देने से इनकार कर दिया है। राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। वह सोमवार को सीजेआई से मिलना चाहते थे। उन्हें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बात करनी थी। सीजेआई ने राहुल गांधी के आधिकारिक ईमेल का जवाब देते हुए यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि जिन मुद्दों पर राहुल गांधी बात करना चाहते हैं, वे पहले से सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। इसलिए इस बारे में अलग से मुलाकात करना उचित नहीं होगा। सीजेआई ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट सरकार के प्रशासनिक कामकाज में सीधे दखल नहीं दे सकता। हालांकि, विपक्षी नेता अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत में याचिका दाखिल कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, विपक्ष की ओर से ऐसी कोई याचिका आती है तो मंगलवार को एसआईआर से जुड़े दूसरे मामलों के साथ उस पर भी सुनवाई हो सकती है। राहुल गांधी ने रविवार को कहा था कि विपक्षी दल सोमवार को सुप्रीम कोर्ट

तक मार्च करेंगे। वे सीजेआई को एक ज्ञापन सौंपेंगे। इसमें एसआईआर प्रक्रिया वापस लेने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जाएगी। मई 2026 में सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के अधिकार को वैध माना था। यानी अदालत ने इस प्रक्रिया को कराने के चुनाव आयोग के अधिकार को बरकरार रखा था। इसके अलावा, मुख्य चुनाव आयुक्त के कुछ फैसलों को चुनौती देने वाली याचिकाएं भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। आरोप है कि ये फैसले दूसरे चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए थे।

भारत ने वेस्टइंडीज को चटाई धूल

नई दिल्ली

अभिषेक शर्मा (69) की तूफानी बल्लेबाजी के बाद अर्शदीप सिंह और नमन धीर की गेंदबाजी के चलते भारतीय टीम ने रविवार को इंदौर में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 223 रन बनाए थे। रांची में खेले गए दूरी टी20 में 250 रन चेज करने वाली वेस्टइंडीज के लिए 224 रन का लक्ष्य आसान लग रहा था। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की और मेहमान टीम को मुकाबला नहीं जीतने दिया। विंडीज टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 209 रन ही बना सकी। लखनऊ और रांची में खेले गए टी20 में टारगेट चेज करने वाली टीम जीती थी। ऐसे में इंदौर में वेस्टइंडीज के कप्तान ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दे दिया। शुरुआती इतनी धीमी थी कि करीब ढाई साल में ऐसा पहली बार हुआ जब भारतीय टीम ने शुरुआती दो ओवरों में कोई बाउंड्री नहीं लगाई। पिछली बार जनवरी 2024 में बेंगलुरू में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 मैच में ऐसा हुआ था। तब से अब तक टीम के 77 मैच हो चुके हैं। दूसरे ही ओवर में बड़ा झटका लगा जब शेमार जोसेफ की 150.8

किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से फेंकी गेंद को फ्लिक करने के प्रयास में संजू सैमसन (3) ने मिडविकेट पर निकोलस पूरन को आसान कैच थमा दिया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों खासकर अभिषेक शर्मा ने आक्रामक रुख अपनाया। होलकर स्टेडियम के छोटे मैदान पर वे इतने आत्मविश्वास में शॉट खेल रहे थे मानो नेट्स पर अभ्यास कर रहे हों। जहां मन चाहा गेंद को बाउंड्री के पार भेज दिया। उन्होंने 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए अपने इरादे जता दिए। मगर अभी मैच में नाटकीय मोड़ आना शेष था। एक विकेट पर 115 रन बनाकर भारतीय टीम विशाल स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी, लेकिन अगली 10 गेंदों में तीन विकेट गंवाते हुए मैच का रुख बदल गया।

राम मंदिर: अब सीईओ-महासचिव की भी तलाशी

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी सामने आने और इसकी जांच में तमाम अनियमितताएं मिलने के बाद श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बड़ा सबक लिया है। अब प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता व गोपनीयता बरती जा रही है। सख्ती ऐसी बरती जा रही कि ट्रस्ट के महासचिव स्वामी गोविंददेव गिरि या मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी गणना कक्ष में निरीक्षण या अन्य कारणों से प्रवेश करते हैं, तो उनकी भी विधिवत तलाशी कराई जाती है।

मैहर जा रही बोलेरो नदी में गिरी, 2 की मौत

सतना। कानपुर से मैहर स्थित मां शारदा के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो बेकाबू होकर झूरी नदी में जा गिरी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। हादसा तड़के करीब 3 बजे हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, चालक को झपकी आने के कारण बोलेरो बेकाबू हो गई। गाड़ी पुल की रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरी।

दिल्ली से चेन्नई जा रहे विमान में लगी आग

नई दिल्ली। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो फ्लाइट की हैदराबाद में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। इस फ्लाइट में एक पैसेंजर का पावर बैंक ब्लास्ट होने से बैग में आग लग गई थी। धुआं निकलता देख यात्रियों ने क्रू को खबर दी। इसके बाद प्लेन को हैदराबाद डायवर्ट कर इमरजेंसी लैंडिग करवाई गई। इंडिगो ने कहा कि आग लगने का पता चलते ही केबिन क्रू ने स्थिति को काबू में कर लिया।

यूपी कांग्रेस कार्यालय में भारी हंगामा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय में आराधना मिश्रा 'मोना' और इमरान मसूद के पदभार ग्रहण कार्यक्रम के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। कार्यक्रम के दौरान अजय राय के साथ एक महिला कांग्रेस नेता द्वारा कथित बदसलूकी किए जाने से उनके समर्थकों में नाराजगी फैल गई। अजय राय नाराज होकर कांग्रेस कार्यालय के बाहर बैठ गए। इस दौरान समर्थकों के बीच हंगामा और धक्कामुक्की हुई और जूते चल गए।

सुरक्षा के नाम पर जनता को परेशान नहीं कर सकते

नई दिल्ली

दिल्ली में सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को विशेष सुनवाई के दौरान कई अहम निर्देश जारी किए। जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने वाले लोगों को कानून में निर्धारित प्रक्रिया के बिना हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए। अदालत ने मेट्रो और रेलवे सेवाओं को सामान्य करने, इंटरनेट बहाल रखने तथा पूरी दिल्ली से बैरिकेड हटाने और नागरिकों की आवाजाही सामान्य करने पर भी जोर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में मेट्रो और ट्रेन सेवाओं से संबंधित आदेशों के कथित उल्लंघन को लेकर दायर अवमानना

दिल्ली में पाबंदियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस भी जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित याचिकाओं पर जवाब और अपने आदेशों के अनुपालन की रिपोर्ट मंगलवार तक दाखिल करने का निर्देश दिया। यह याचिका सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान परिवहन सेवाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट ने बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिए जाने के आरोपों से जुड़ी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं और अन्य संबंधित मामलों को मुख्य मामलों के साथ 13 अक्टूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 32 का भी उल्लेख किया, जिसके तहत मौलिक अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। अदालत ने कहा कि मौलिक अधिकारों की रक्षा करना उसका संवैधानिक दायित्व है।

इंटरनेट बहाली पर अदालत की टिप्पणी

सुनवाई के दौरान दिल्ली में इंटरनेट सेवाओं का मुद्दा भी उठा। पीठ ने शहर में इंटरनेट सुविधा बहाल करने की बात कही। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि इंटरनेट सेवाएं पिछली रात से ही बहाल हैं। अदालत ने इस बयान को रिकॉर्ड पर लेने की बात कही। यह मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण रहा क्योंकि वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने प्रदर्शनकारियों की हिरासत के साथ-साथ मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के निलंबन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के अनुराधा भसीन बनाम भारत संघ मामले का हवाला दिया, जिसमें इंटरनेट प्रतिबंधों से संबंधित कानूनी सिद्धांतों पर विचार किया गया था।

वरिष्ठ वकीलों ने उठाए सवाल

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता शहदान फरासत ने प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर घसीटकर बसों में बैठाने और कुछ लोगों को बसों से बाहर फेंके जाने के आरोपों का मुद्दा उठाया। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही पर लगी पाबंदियों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ऐसा प्रतीत होता है कि नागरिकों के लिए शहर में स्वतंत्र रूप से आना-जाना मुश्किल हो गया है। सुनवाई के दौरान संबंधित वकीलों की ओर से अदालत के सामने पुलिस की कार्रवाई, हिरासत की प्रक्रिया और आम नागरिकों की आवाजाही से जुड़े सवाल रखे गए।

कपिल सिब्बल ने उठाए ये मुद्दे

विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों से जुड़ी याचिकाओं पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलीलें रखीं। उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों को चुनौती देने वाले पक्ष की ओर से अपनी बात रखी। सिब्बल ने आरोप लगाया कि लोगों को ट्रेनों समेत अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध का मुद्दा भी उठाते हुए कहा कि इस संबंध में पहले से मौजूद न्यायिक दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान अदालत के प्रति विश्वास खोने संबंधी सिब्बल की टिप्पणी का भी जिक्र हुआ।

देश में आपातकाल से भी बदतर हालात

सीईसी को बचाने पर केंद्र पर बरसी सीजेपी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से रविवार को से दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस दौरान सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए। आशुतोष रांका ने कहा कि पिछले 72 घंटों में देश में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ है। आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी देश को बचाने और आगे बढ़ाने की है लेकिन वह समझौता कर चुका है। उन्होंने दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा को जिताने के लिए काम कर रहे हैं। आशुतोष रांका ने कहा कि उनकी पार्टी का विरोध मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के खिलाफ था, लेकिन अब यह लड़ाई केंद्र सरकार के खिलाफ होती जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार किसी भी कीमत पर ज्ञानेश कुमार को बचाना चाहती है। रांका ने कहा, मोदी ने यह साफ कर दिया है कि वह कुछ भी करके ज्ञानेश कुमार को बचाएंगे। उन्होंने चुनाव आयोग पर केंद्र के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों के अनुसार काम करने का आरोप भी लगाया। सीजेपी नेता ने दावा किया कि ज्ञानेश कुमार भाजपा को चुनावी लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। वहीं, सौरव दास ने पुलिस द्वारा उनके फोन कब्जे में लेकर सबूत प्लांट किए जाने की आशंका जताई। साथ ही, उन्होंने यह भी आशंका जताई कि पुलिस ने उनके फोन की जांच की है। सौरव दास ने कहा, देश भर में खुली इमरजेंसी जैसी स्थिति है।

बहनें नाराज हुई, तो खैर नहीं : शिवराज

हर सरकार को बनानी पड़ेंगी लाड़ली बहना जैसी योजनाएं

रायसेन। मध्य प्रदेश में शुरू हुई लाड़ली बहना योजना के बाद अब देश की हर सरकार को महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता की योजनाएं बनानी पड़ रही हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन जिले के भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह योजना वर्तमान में मुख्यमंत्री ने जारी रखी है और भविष्य में भी हर सरकार को इसे जारी रखना पड़ेगा, क्योंकि यदि बहनें नाराज हो गईं तो किसी की खैर नहीं है। मध्य प्रदेश की इस पहल के बाद देश के विभिन्न राज्यों में लाड़की बहना और मैया सम्मान योजना जैसे अलग-अलग नामों से महिलाओं को वित्तीय सहायता दी जा रही है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने बचपन के अनुभवों का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने महिलाओं को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहते देखा है। एक-दो हजार रुपये के लिए भी गरीब और निम्न

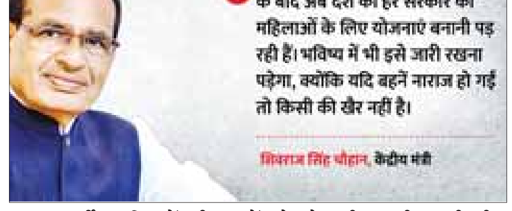

मध्यमवर्गीय परिवारों की बहनों को परेशानी उठानी पड़ती थी। इसी सोच के साथ उन्होंने लाड़ली बहना योजना की नींव रखी थी, ताकि महिलाओं के हाथ में आर्थिक ताकत आ सके। पैसे मिलने के बाद महिलाओं की सामाजिक और पारिवारिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। अब घर में उनका सम्मान बढ़ा है और परिवार के सदस्य भी उनकी राय को महत्व देने लगे हैं।

कूनो में देसी 'चीतों' का दबदबा बढ़ा

यहां मौजूद 54 चीतों में से 38 का जन्म भारत में हुआ

श्योपुर

मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में चीता पुनर्स्थापना परियोजना एक नए पड़ाव की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। यहां भारत में जन्मे चीतों की संख्या विदेशी मूल के चीतों से अधिक हो गई है। खास बात यह है कि कूनो में कम उम्र के चीतों और शावकों की अच्छी-खासी संख्या मौजूद है, जो भविष्य में देश में चीतों की आबादी बढ़ाने की उम्मीद जगाती है। कूनो में मौजूद 54 चीतों में से 38 का जन्म भारत में हुआ है, जबकि 16 चीते नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना से लाए गए थे। यह बदलाव परियोजना के लिए अहम माना जा रहा है।

हालांकि, चीतों की संख्या बढ़ना ही सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं है। उनका स्वस्थ रहना, प्राकृतिक वातावरण में खुद को ढालना और आगे चलकर प्रजनन के जरिए नई पीढ़ी तैयार करना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। कूनो में उम्र के लिहाज से चीतों की स्थिति देखें तो एक साल से कम उम्र के 28 शावक सबसे बड़ा समूह हैं। इसके अलावा, एक से ढाई वर्ष की उम्र के 10 और तीन से छह वर्ष के 16 चीते मौजूद हैं। सामान्य तौर पर ढाई वर्ष की उम्र के बाद चीते को वयस्क माना जाता है। कम उम्र के चीतों की यह संख्या आने वाले वर्षों में परियोजना के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इनके विकास, स्वास्थ्य और प्राकृतिक परिस्थितियों में अनुकूलन पर लगातार नजर रखना जरूरी होगा, ताकि भविष्य में इनकी प्रजनन क्षमता और जीवित रहने की संभावनाओं को बेहतर बनाया जा सके।

विदेशी मूल के 16 चीते भी कूनो में मौजूद

कूनो में विदेशी मूल के 16 चीतों में नामीबिया के तीन, दक्षिण अफ्रीका के सात और बोत्सवाना के छह चीते शामिल हैं। दूसरी ओर, भारत में जन्मे चीतों की संख्या बढ़कर 38 हो चुकी है। इस तरह अब यहां देसी चीतों की संख्या विदेशी मूल के चीतों से अधिक है। चीता पुनर्स्थापना परियोजना का अगला महत्वपूर्ण चरण इस आबादी को लंबे समय तक सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखना होगा। यदि चीतों को अनुकूल वातावरण मिलता है और प्रजनन की प्रक्रिया सफल रहती है, तो कूनो भविष्य में भारत में चीतों की स्थायी आबादी विकसित करने का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

'बिना ड्राइवर' के ट्रेन का परिचालन करेगी अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली

चेन्नई (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु की राजधानी में रेलवे, बंदरगाह, राजमार्ग, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास किया। दिल्ली से यहां पहुंचे पीएम मोदी का हवाई अड्डे पर राज्यपाल आर वी आर्लेकर, मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय, राज्य के मंत्रियों, भाजपा नेताओं और राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व कर रही अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेताओं ने स्वागत

किया। स्वागत करने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी प्रमुख रूप से शामिल रहे। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत मुख्यमंत्री के साथ चेन्नई मेट्रो ट्रेन में सफर करके की। मई में मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा कर रहे थे। दोनों नेताओं ने चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के चरण-दो के पहले 14.64 किलोमीटर लंबे हिस्से के तहत आने वाले पोरूर बाइपास स्टेशन से पूनमल्ली बाइपास स्टेशन तक और वहां से वापस मेट्रो की सवारी की।

नवरात्रि की बैठकी पर उमड़ा आस्था का सैलाब मंदिरों से घरों तक गूंजे माता रानी के जयकारे

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से हुई मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना, भक्तिमय माहौल में शुरू हुई नौ दिवसीय आराधना

शहडोल (स्वतंत्रमत)

शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन बैठकी के शुभ अवसर पर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई। वहीं, विभिन्न स्थानों पर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। घरों, मंदिरों और पूजा पंडालों में माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। नवरात्रि की शुरुआत को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर के विभिन्न मोहल्लों तक लोगों ने पूरे विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुसार मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर आकर्षक पूजा पंडाल सजाए गए, जहां श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर नौ दिनों तक चलने वाली आराधना का शुभारंभ किया। बैठकी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और क्षेत्र की उन्नति की कामना की। नवरात्रि के आगमन से पूरे जिले में धार्मिक उल्लास और उत्सव का माहौल दिखाई दिया। अब आगामी नौ दिनों तक विभिन्न मंदिरों एवं पूजा पंडालों में विशेष पूजन-अर्चन सहित धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

शारदेय नवरात्र के प्रथम दिन हुई मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना

देवी मंदिरों में दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सार्वजनिक पंडालों में स्थापित की गई देवी प्रतिमाएं

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शारदेय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को जिला मुख्यालय उमरिया सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं एवं पुरूष सुबह से हाथो मे जल से भरा पात्र लेकर माता के चरणो में अर्पण करने के लिए निकली। मंदिर प्रबंधन व्दारा मंदिर में बैरीकेटिंग की व्यवस्था की गई थी। भक्तों ने मां के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। जिला मुख्यालय उमरिया सहित बिरसिंहपुर पाली स्थित मां विरासिनी मंदिर, नौरोजाबाद के ऊंचेहरा मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। मंदिरों में पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच वातावरण भक्तिमय बना रहा। वहीं, नगर के रानी दुर्गावती चौक, जय स्तंभ, गांधी चौक, शांति मार्ग, खलेसर, कैम्प सहित विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में देवी प्रतिमाओं की स्थापना की गई। आकर्षक साज-सज्जा और रोशनी से पंडालों को सजाया गया है। श्रद्धालु पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं। नवरात्र के नौ दिनों तक देवी के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। नगर सहित जिलेभर में धार्मिक आयोजनों से भक्तिमय माहौल बना हुआ है। शारदेय नवरात्र के प्रथम दिन जिले में भक्तिमय वातावरण के बीच देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर बिरसिंहपुर पाली स्थित प्रसिद्ध माँ विरासिनी मंदिर पहुंचकर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर घट की स्थापना की तथा दीप ज्योति का प्रज्जवलन किया। कलेक्टर ने नवरात्र के पावन पर्व पर माँ विरासिनी से जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर में नवरात्र के प्रथम दिन श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखने को मिला। जिले के देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने नौरोजाबाद स्थित ऊँचेहरा मंदिर पहुँचकर माँ ज्वालामुखी माता के दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मेरा नाम, मेरी पहचान, मेरा मत, लोकतंत्र में मेरी भागीदारी

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पार्थ जायसवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में

मतदाता सूची में छूटे हुए एवं नवीन पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए पूरे अक्टूबर माह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पात्र नागरिक ऑनलाइन माध्यम से अथवा अपने क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने छूटे हुए पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे इस अभियान में सहभागिता निभाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाता निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन या बीएलओ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जो युवा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं अथवा 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने जा रहे हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन अवश्य करें, ताकि पात्रता के अनुसार उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए आवश्यक है। सभी पात्र नागरिक इस अभियान का लाभ उठाकर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं।

इंटरसेप्टर वाहन से ओवरस्पीडिंग पर कार्यवाही, 17 वाहनों से 18 हजार 500 रुपये का जुर्माना वसूला

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार इंटरसेप्टर वाहन की मदद से ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाते पाए जाने पर तीन वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए 7 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। यातायात प्रभारी के नेतृत्व में की गई कार्यवाही के दौरान अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भी कार्यवाही की गई। हेलमेट नहीं पहनने वाले छह वाहन चालकों तथा तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई।

माँ भटिया वाली सिंहवाहिनी धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन माँ शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के साथ महोत्सव का शुभारंभ, ब्रह्म मुहूर्त से दर्शन के लिए लगीं श्रद्धालुओं की लंबी कतारें

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माँ सिंहवाहिनी शक्तिपीठ भटिया धाम में शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। आदि शक्ति जगत जननी माँ भटिया वाली सिंहवाहिनी के दरबार में सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। माँ शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ नौ दिवसीय नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ हुआ। ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूरा मंदिर परिसर 'जय माँ सिंहवाहिनी' और 'जय माता दी' के जयघोष से गुंजायमान रहा। मंदिर में सुबह छह बजे माता का विशेष श्रृंगार, अभिषेक और आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए। पुजारी द्वारा माता को चुनरी, नारियल और सिंदूर अर्पित कर विधि-विधान से घट स्थापना की गई। प्रथम दिवस पर माँ शैलपुत्री के पूजन के साथ ही दुर्गा सप्तशती पाठ सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुए। नवरात्रि को लेकर मंदिर परिसर को फूल-मालाओं और विद्युत झालरों से आकर्षक रूप से सजाया गया है।

श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था पर विशेष जोर

नवरात्रि मेले को व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संचालित करने के लिए प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा व्यवस्थाएं बनाई गई हैं। जैतपुर तहसीलदार एवं मेला प्रभारी पदमाकर ने ट्रस्ट, सेवा समिति और उपस्थित सदस्यों से चर्चा करते हुए कहा कि माता के दर्शन के लिए आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सहज और सुविधाजनक दर्शन उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने मेले में दुकानों को व्यवस्थित ढंग से लगवाने, पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा साफ-सफाई बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से संचालित की जाएं। वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े कराए जाएं, ताकि आवागमन बाधित न हो। मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र की स्वच्छता, सुरक्षा तथा व्यवस्था बनाए रखने में ट्रस्ट, सेवा समिति और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

देश के विभिन्न प्रांतों से पहुंचते हैं श्रद्धालु

माँ सिंहवाहिनी शक्तिपीठ भटिया धाम की ख्याति मध्यप्रदेश सहित देश के अनेक प्रांतों में फैली हुई है। मान्यता और गहरी आस्था के चलते यहां वर्षभर श्रद्धालुओं का आगमन होता है, जबकि दोनों नवरात्रियों में भक्तों की संख्या विशेष रूप से बढ़ जाती है। श्रद्धालु पैदल यात्रा कर, दंडवत प्रणाम करते हुए और निजी वाहनों से माता के दरबार में पहुंचते हैं। भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना माता रानी अवश्य पूर्ण करती हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह धाम माता सती के शक्तिपीठों से जुड़ी धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना, हवन, भजन-कीर्तन और भंडारे सहित अनेक धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। दोनों नवरात्रियों में जवारा बोने की परंपरा भी निभाई जाती है। मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार जवारा, घी एवं तेल के दीपक और अन्य धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। माँ सिंहवाहिनी को विद्या और शक्ति की आराध्य देवी मानने वाले श्रद्धालुओं की भी यहां बड़ी संख्या में आवाजाही रहती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी परीक्षा में सफलता की कामना लेकर माता के दरबार में पहुंचते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार मन्नत मांगते हैं। भक्तों का मानना है कि माता के दर्शन और पूजा-अर्चना से मन को शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। मंदिर के अध्यक्ष कमलभान सिंह परिहार एवं सेवा समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, पेयजल और बैठने की व्यवस्था की गई है। माँ के भक्त सुरेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि माता के दरबार में दूर-दूर से श्रद्धालु गहरी आस्था के साथ पहुंचते हैं। यहां आकर माता के दर्शन करने से भक्त स्वयं को धन्य महसूस करते हैं। भक्त आशीष त्रिपाठी ने बताया कि कई श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए और दंडवत प्रणाम करते हुए माता के दरबार तक पहुंचते हैं। वहीं विजय कृष्ण मिश्रा ने कहा कि माँ सिंहवाहिनी की ख्याति देश के विभिन्न प्रांतों तक फैली हुई है। विद्यार्थी भी अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की कामना लेकर माता के दरबार में आते हैं। स्थानीय निवासी छक्के लाल गुप्ता ने बताया कि दोनों नवरात्रियों में जवारा बोने की परंपरा विशेष महत्व रखती है। श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। उनके अनुसार, माता के दर्शन मात्र से भक्तों को आत्मिक शांति और संतोष की अनुभूति होती है। नवरात्रि के प्रथम दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ और भक्तिमय वातावरण ने पूरे भटिया धाम को धर्ममय बना दिया। माता के जयकारों के बीच श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर सुख, शांति, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते नजर आए।

केजेएस सीमेंट की कॉन्ट्रैक्टर मीट आयोजित, कंक्रीट मास्टर सीमेंट की खूबियों से कराया अवगत

ठेकेदारों को आधुनिक निर्माण तकनीक की दी गई जानकारी, उपहार वितरण के साथ हुआ कार्यक्रम का समापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

नगर के स्वर्णिम गार्डन में शुक्रवार, 9 अक्टूबर को राय ट्रेडर्स के सौजन्य से केजेएस सीमेंट की कॉन्ट्रैक्टर मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निर्माण क्षेत्र से जुड़े दो दर्जन से अधिक ठेकेदारों ने सहभागिता कर सीमेंट की गुणवत्ता, आधुनिक निर्माण तकनीक और मजबूत एवं टिकाऊ भवन निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस दौरान केजेएस सीमेंट के प्रीमियम उत्पाद 'कंक्रीट मास्टर सीमेंट' की विशेषताओं और उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केजेएस सीमेंट की ओर से रीजनल हेड राजीव सिंह, तकनीकी अधिकारी अंकुश ठाकरे एवं डिपो इंचार्ज निखिल शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वहीं राय ट्रेडर्स के प्रोपराइटर मिथलेश राय, रवि राय, सर्जुन यादव,

पत्रकार केके शुक्ला सहित उमरिया के इंजीनियर खंडेलवाल सहित निर्माण क्षेत्र से जुड़े अन्य लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान केजेएस सीमेंट के तकनीकी अधिकारी अंकुश ठाकरे ने मैहर स्थित केजेएस सीमेंट प्लांट के संबंध में जानकारी देते हुए सीमेंट के विभिन्न ग्रेड, पीपीआर सीमेंट तथा कंक्रीट मास्टर सीमेंट की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य में सीमेंट का चयन भवन की मजबूती, टिकाऊपन और निर्माण की गुणवत्ता के लिहाज से महत्वपूर्ण होता है। इसलिए ठेकेदारों को सीमेंट के प्रकार, उसके उचित उपयोग और निर्माण की तकनीकी बारीकियों की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कंक्रीट मास्टर सीमेंट की खूबियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसका उपयोग भवन के महत्वपूर्ण हिस्सों, जैसे छत की ढलाई, नींव और कॉलम के निर्माण में किया जा सकता है। इन हिस्सों में कंक्रीट की मजबूती और गुणवत्ता का विशेष महत्व होता है। कार्यक्रम में उत्पाद की शुरुआती एवं अंतिम मजबूती, कंक्रीट की गुणवत्ता और निर्माण कार्य में उपयोगिता जैसे पहलुओं पर भी चर्चा की गई।

महाविद्यालय में जिला स्तरीय बास्केटबॉल पुरुष वर्ग प्रतियोगिता का समापन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में विगत 08 एवं 09 अक्टूबर को जिला स्तरीय बास्केटबॉल पुरुष वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाः। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर उत्तम सिंह की अध्यक्षता में किया गया। प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय बुढ़ार, ब्यौहारी, जयसिंहनगर और यूटीडी शहडोल ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय बुढ़ार की टीम विजेता, यूटीडी शहडोल उपविजेता एवं महाविद्यालय

जयसिंहनगर की टीम तीसरे स्थान पर रही। उक्त प्रतियोगिता में चयन समिति सदस्य के रूप में क्रीड़ा अधिकारी सूरज सिंह मरावी कन्या महाविद्यालय शहडोल, डॉक्टर नृपेन्द्र सिंह क्रीड़ा अधिकारी शासकीय महाविद्यालय बुढ़ार, यूटीडी शहडोल से सौरभ जी, खेल प्रशिक्षक प्रेम शंकर माली एवं कीड़ा विभाग के प्राध्यापक संग्राम सिंह उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का सफल संचालन कार्यक्रम के संगठन सचिव डॉक्टर दिलीप कुमार शुक्ला के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उक्त प्रतियोगिता से खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड का नगर पालिका अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। इंदिरा चौक से न्यू बस स्टैंड तक निर्माणाधीन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड का नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल ने 11 अक्टूबर को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क निर्माण की प्रगति का जायजा लिया और कार्य में आ रही बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण में बाधक अतिक्रमण को मौके पर ही हटाया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित तिवारी, उपयंत्री शरद द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। नगर पालिका अध्यक्ष ने अधिकारियों और संविदाकार को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए इसे निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से जल्द राहत मिल सके।

गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के निर्देश- नगर पालिका अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संविदाकार को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप निर्माण कार्य कराने तथा समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 अक्टूबर को बड़ी सौगात के साथ मानपुर विधानसभा क्षेत्र के गुरुवाही पहुंचेंगे

विकास कार्यों के लोकार्पण, भूमिपूजन और हितग्राहियों को लाभ वितरण की तैयारी, स्थानीय समस्याओं के समाधान की उम्मीदें बढ़ीं

मानपुर (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को उमरिया जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे मानपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बांधवगढ़ के समीप स्थित ग्राम पंचायत गुरुवाही पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। माना जा रहा है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात मिलने के साथ ही सरकारी योजनाओं के हितग्राहियों को भी लाभान्वित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री के आगमन की

तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है और कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री का कार्यक्रम मानपुर विकासखंड में ताला मोड़ के पास स्थित ग्राम पंचायत गुरुवाही परिसर में प्रस्तावित है। कार्यक्रम के लिए दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक का समय निर्धारित किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित करते हुए कार्य विभाजन किया गया है, ताकि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहें। हालांकि, कार्यक्रम के अंतिम स्वरूप और घोषणाओं को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। मुख्यमंत्री के इस दौरे को उमरिया जिले के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन, शिलान्यास और लोकार्पण किए जाने की संभावना है। इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने, विकास कार्यों को गति देने और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर रह सकता है।

नई कविता: आधुनिक युग की नई अभिव्यक्ति

हिंदी साहित्य समय के साथ निरंतर विकसित होता रहा है। प्रत्येक युग की कविता में उस समय की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों का प्रभाव दिखाई देता है। आधुनिक युग में समाज में तेजी से परिवर्तन हुए। स्वतंत्रता आंदोलन, औद्योगीकरण, शहरीकरण और बदलते मानवीय संबंधों ने साहित्य को भी प्रभावित किया। इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप हिंदी कविता में एक नई प्रवृत्ति विकसित हुई, जिसे नई कविता कहा जाता है। नई कविता ने जीवन की वास्तविकताओं और मनुष्य की आंतरिक भावनाओं को अभिव्यक्त करने का नया मार्ग प्रस्तुत किया।

नई कविता का अर्थ एवं विकास

नई कविता आधुनिक हिंदी काव्य की एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति है। इसका विकास मुख्य रूप से स्वतंत्रता के आसपास और स्वतंत्रता के बाद के साहित्यिक वातावरण में हुआ। इस कविता में कवियों ने परंपरागत विषयों और अभिव्यक्ति की रूढ़ियों से आगे बढ़कर अपने समय के जीवन को समझने का प्रयास किया। नई कविता का उद्देश्य केवल सुंदर कल्पनाओं का वर्णन करना नहीं, बल्कि मनुष्य के वास्तविक जीवन, उसके संघर्षों, आशाओं, निराशाओं और अनुभवों को सामने लाना भी है।

नई कविता में सामान्य व्यक्ति के जीवन को विशेष महत्व दिया गया। इसमें बदलते समाज, आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक असमानता, अकेलेपन और मानवीय संबंधों में आए बदलावों का चित्रण मिलता है।

नई कविता की प्रमुख विशेषताएँ

यथार्थवादी दृष्टिकोण

नई कविता में जीवन की वास्तविक परिस्थितियों का चित्रण किया जाता है। इसमें गरीबी, बेरोजगारी, शोषण, संघर्ष और सामाजिक विषमता जैसे विषयों को स्थान मिलता है।

व्यक्ति गत अनुभूतियों की अभिव्यक्ति

इसमें मनुष्य के मन की भावनाओं, मानसिक संघर्षों, अकेलेपन, असुरक्षा और जीवन के प्रति उसकी आशाओं को व्यक्त किया जाता है।

सामान्य मनुष्य को महत्व

नई कविता का नायक केवल कोई महान व्यक्ति नहीं, बल्कि सामान्य जीवन जीने वाला व्यक्ति भी है। उसकी छोटी-बड़ी समस्याएँ और अनुभव कविता का विषय बनते हैं।

नवीन भाषा और शैली

नई कविता की भाषा विषय के अनुसार सरल, सहज, बोलचाल की या प्रतीकात्मक हो सकती है। इसमें नए बिंबों, प्रतीकों और अभिव्यक्ति के तरीकों का प्रयोग किया जाता है।

मुक्त छंद का प्रयोग

नई कविता में छंद के पारंपरिक बंधनों से मुक्त होकर भावों को व्यक्त करने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। इससे कवियों को अपने विचार स्वतंत्र रूप से प्रस्तुत करने का अवसर मिला। फिर भी नई कविता की सभी रचनाएँ मुक्त छंद में नहीं हैं।

सामाजिक चेतना

नई कविता समाज में व्याप्त अन्याय, रूढ़ियों और असमानताओं पर प्रश्न उठाती है। यह पाठकों को सामाजिक परिस्थितियों के प्रति जागरूक बनाती है।

आधुनिक जीवन का चित्रण

विज्ञान, तकनीक, शहरी जीवन, बदलती जीवनशैली और मानवीय संबंधों में आए बदलाव भी नई कविता के महत्वपूर्ण विषय हैं।

नई कविता के प्रमुख कवि

अज्ञेय, गजानन माधव मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर सिंह, रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती आधुनिक हिंदी कविता के महत्वपूर्ण रचनाकार हैं। इन कवियों ने अपने-अपने ढंग से आधुनिक मनुष्य के अनुभवों, सामाजिक परिस्थितियों और जीवन की जटिलताओं को अभिव्यक्ति दी।

नई कविता का महत्व

नई कविता ने हिंदी साहित्य को नई दृष्टि और नवीन अभिव्यक्ति प्रदान की। इसने कविता को सामान्य मनुष्य के जीवन से जोड़ा तथा सामाजिक समस्याओं और व्यक्तिगत अनुभूतियों को साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान दिया। नई कविता ने पाठकों को अपने समय, समाज और जीवन की परिस्थितियों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। अंततः कहा जा सकता है कि नई कविता आधुनिक हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें युग की बदलती परिस्थितियों, मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक वास्तविकताओं का सजीव चित्रण मिलता है। नई कविता ने हिंदी काव्य को नए विषय, नई भाषा और नई विचारधारा प्रदान कर उसे अधिक व्यापक एवं प्रभावशाली बनाया।

बच्चों के लिए हिंदी भाषा को सरल कैसे बनाएं

हिंदी हमारी मातृभाषा और देश की प्रमुख भाषाओं में से एक है। बच्चों के लिए हिंदी सीखना तभी आसान होता है जब उसे सरल, रोचक और व्यावहारिक तरीके से सिखाया जाए। यदि बच्चों को कठिन शब्दों और लंबे नियमों के बजाय खेल, कहानी और गतिविधियों के माध्यम से हिंदी सिखाई जाए, तो वे भाषा को जल्दी समझते हैं और उसमें रुचि भी लेते हैं।

हिंदी को सरल बनाने के उपाय

सबसे पहले बच्चों को रोज़मर्रा में बोले जाने वाले सरल शब्द सिखाने चाहिए। जैसे दृ घर, पानी, किताब, स्कूल, मित्र, खेल आदि। कठिन और संस्कृतनिष्ठ शब्दों के स्थान पर सामान्य बोलचाल के शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भाषा सीखने में सहज महसूस करते हैं।

दूसरा, चित्रों और कहानियों का उपयोग करना चाहिए। रंग-बिरंगे चित्र और छोटी-छोटी कहानियाँ बच्चों का ध्यान आकर्षित करती हैं। कहानी सुनाने के बाद उनसे प्रश्न पूछने और कहानी दोहराने के लिए कहना चाहिए। इससे उनकी समझ, शब्दावली और बोलने की क्षमता विकसित होती है।

तीसरा, खेल-खेल में शिक्षा देना सबसे प्रभावी तरीका है। शब्द-पहेली, अक्षर जोड़ो, चित्र पहचानो, कविता सुनाओ और भूमिका निभाने जैसी गतिविधियाँ बच्चों को आनंद के साथ सीखने का अवसर देती हैं। इससे वे बिना किसी दबाव के हिंदी सीखते हैं।

चौथा, बच्चों को प्रतिदिन हिंदी बोलने और पढ़ने का अभ्यास कराना चाहिए। घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर सरल हिंदी में बातचीत करने से भाषा का अभ्यास स्वाभाविक रूप से होता है। साथ ही उन्हें छोटी कहानियाँ, कविताएँ और बाल पत्रिकाएँ पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

पाँचवाँ, आधुनिक तकनीक का उपयोग भी लाभदायक है। बच्चों के लिए उपलब्ध शैक्षिक वीडियो, ऑडियो, मोबाइल ऐप और डिजिटल सामग्री के माध्यम से हिंदी को अधिक रोचक बनाया जा सकता है। इससे बच्चे नई चीज़ें आसानी से सीखते हैं और उनकी रुचि बनी रहती है।

शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका

बच्चों को भाषा सीखने में शिक्षकों और अभिभावकों का विशेष योगदान होता है। उन्हें बच्चों को डाँटने के बजाय प्रोत्साहित करना चाहिए। यदि बच्चा कोई गलती करता है, तो उसे प्रेमपूर्वक सही तरीका समझाना चाहिए। बच्चों की छोटी-छोटी उपलब्धियों की प्रशंसा करने से उनका उत्साह बढ़ता है और वे सीखना कार्य नहीं है। यदि सरल शब्दों, रोचक कहानियों, खेल, चित्रों, नियमित अभ्यास और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए, तो हिंदी सीखना बच्चों के लिए आनंददायक बन सकता है। जब बच्चे खुशी-खुशी भाषा सीखेंगे, तब वे न केवल हिंदी में दक्ष होंगे, बल्कि अपनी संस्कृति और साहित्य से भी गहराई से जुड़ सकेंगे। इसलिए हमें हिंदी शिक्षण को सरल, रचनात्मक और बाल-केंद्रित बनाने का निरंतर प्रयास करना चाहिए।

रजनी परोहा
शिक्षक, बीएमडी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर

हिंदी गद्य : आधुनिक युग में हुआ तेजी से विकास

हिंदी साहित्य में गद्य का विशेष महत्व है। गद्य वह साहित्यिक रूप है, जिसमें विचारों, भावनाओं, घटनाओं और अनुभवों को सामान्य वाक्यों के माध्यम से व्यक्त किया जाता है। आधुनिक युग में गद्य का तेजी से विकास हुआ है। समाज, जीवन और मानवीय अनुभवों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए गद्य की अनेक विधाएँ विकसित हुईं। इन्हें सामान्यतः प्रमुख एवं गौण विधाओं के रूप में समझा जाता है।

गद्य की प्रमुख विधाएँ

कहानी- कहानी गद्य की लोकप्रिय विधा है। इसमें जीवन की किसी घटना, समस्या या अनुभव का संक्षिप्त और रोचक वर्णन होता है। इसके प्रमुख तत्व कथानक, पात्र, संवाद, वातावरण और उद्देश्य हैं।

उपन्यास- उपन्यास गद्य की विस्तृत कथात्मक विधा है। इसमें मानव जीवन, सामाजिक परिस्थितियों, पारिवारिक संबंधों और विभिन्न समस्याओं का विस्तार से चित्रण किया जाता है।

नाटक- नाटक ऐसी साहित्यिक विधा है, जिसे मंच पर अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। इसमें संवाद, पात्र, कथानक और दृश्य महत्वपूर्ण होते हैं।

निबंध- निबंध में किसी विषय पर लेखक अपने विचारों, तर्कों और अनुभवों को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करता है। इसकी भाषा विषय के अनुसार सरल, गंभीर या भावपूर्ण हो सकती है।

गद्य की गौण एवं अन्य विधाएँ

रेखाचित्र- इसमें किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का शब्दों के माध्यम से सजीव चित्रण किया जाता है। इसमें बाहरी रूप के साथ-साथ स्वभाव और विशेषताओं को भी प्रस्तुत किया जाता है।

संस्मरण- लेखक अपने जीवन से जुड़ी घटनाओं, व्यक्तियों और अनुभवों को स्मृति के आधार पर लिखता है। इसमें वास्तविक अनुभवों का विशेष महत्व होता है।

जीवनी- इसमें किसी व्यक्ति के जीवन, उपलब्धियों, संघर्षों और व्यक्तित्व का वर्णन किया जाता है।

आत्मकथा- जब लेखक अपने ही जीवन की घटनाओं, अनुभवों और संघर्षों का वर्णन स्वयं करता है, तो उसे आत्मकथा कहते हैं।

यात्रा-वृत्तांत- इसमें किसी स्थान की यात्रा के अनुभवों, प्राकृतिक दृश्यों, संस्कृति और जनजीवन का वर्णन होता है।

रिपोर्ताज- किसी वास्तविक घटना या परिस्थिति का तथ्यपूर्ण, सजीव और प्रभावशाली वर्णन रिपोर्ताज कहलाता है।

डायरी और पत्र-साहित्य

डायरी में दैनिक अनुभवों तथा विचारों को तिथि के अनुसार लिखा जाता है, जबकि पत्र-साहित्य में पत्रों के माध्यम से भावनाओं और विचारों की अभिव्यक्ति होती है।

अंततः कहा जा सकता है कि गद्य की सभी विधाएँ हिंदी साहित्य को समृद्ध बनाती हैं। प्रमुख विधाएँ जीवन और समाज का व्यापक चित्र प्रस्तुत करती हैं, जबकि अन्य विधाएँ अनुभवों, स्मृतियों और व्यक्तित्वों को विशेष रूप से सामने लाती हैं। इन विधाओं के अध्ययन से भाषा, विचार और अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास होता है।

संस्कृतसाहित्ये प्रकृतिचित्रणम्

संस्कृतसाहित्ये प्रकृतेः महत्वपूर्णं स्थानम् अस्ति। प्रकृतिः अस्माकं जीवनस्य आधारः अस्ति। पर्वताः, नद्यः, वृक्षाः, पुष्पाणि, पक्षिणः, सूर्यः, चन्द्रः च प्रकृतेः भागाः सन्ति। संस्कृतकवयः प्रकृतेः सौन्दर्यस्य वर्णनं सुन्दररीत्या कृतवन्तः।

संस्कृतसाहित्ये प्रकृतेः महत्त्वम

संस्कृतसाहित्ये प्रकृतेः विशेषं महत्त्वम् अस्ति। वेदेषु पृथिव्याः, सूर्यस्य, वायोः तथा जलस्य महत्त्वं वर्णितम् अस्ति। भारतीयसंस्कृतौ पृथिवी माता इति मन्यते। प्रकृतिः अस्मभ्यं भोजनं, जलं तथा शुद्धं वायुं ददाति।

कालिदासस्य काव्येषु प्रकृतिवर्णनम

महाकविः कालिदासः प्रकृतेः सुन्दरं वर्णनं कृतवान्। तस्य ऋतुसंहारम् इति काव्ये षड्ऋतूनां वर्णनम् अस्ति। वसन्तऋतौ वृक्षेषु नवीनानि पत्राणि आगच्छन्ति। पुष्पाणि विकसन्ति तथा पक्षिणः मधुरं कूजन्ति।

कालिदासस्य मेघदूतम् इति काव्ये मेघस्य माध्यमेन पर्वतानां, नदीनां तथा वनानां वर्णनम् अस्ति। रामायणे अपि वनानां, नदीनां तथा पर्वतानां सुन्दरं वर्णनं प्राप्यते।

प्रकृतिः अस्मान् किं शिक्षयति?

प्रकृतिः अस्मभ्यं प्रेम, शान्तिं तथा परोपकारस्य भावनां शिक्षयति। वृक्षाः अस्मभ्यं फलानि छायां च ददति। नद्यः जलं ददति। सूर्यः प्रकाशं ददाति। अतः प्रकृतिः अस्माकं जीवनाय अतीव आवश्यकी अस्ति।

प्रकृतिसंरक्षणम

अद्य वृक्षच्छेदनं तथा जलस्य वायोः च प्रदूषणं वर्धते। एतेन पर्यावरणस्य हानिः भवति। अतः अस्माभिः वृक्षाः रोपणीयाः। जलस्य संरक्षणं करणीयम। अस्माभिः स्वच्छता पालनीया तथा पर्यावरणस्य रक्षा करणीया।

संस्कृतसाहित्ये प्रकृतिचित्रणस्य विशेषं महत्त्वम् अस्ति। संस्कृतकवयः प्रकृतेः सौन्दर्यं सुन्दररीत्या वर्णितवन्तः। प्रकृतिः अस्माकं जीवनस्य अमूल्यं धनम् अस्ति। अतः अस्माभिः प्रकृतेः सम्मानः करणीयः तथा तस्याः संरक्षणं कर्तव्यम।

नियमित अभ्यास से निखरेगी भाषा, बढ़ेंगे परीक्षा में अंक

परीक्षा का नाम सुनते ही विद्यार्थियों को गणित और विज्ञान जैसे विषयों की चिंता होने लगती है। लेकिन हिंदी और अंग्रेज़ी जैसे भाषा विषय भी परीक्षा में कुल प्रतिशत बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन विषयों में अच्छे अंक पाने के लिए रटने से अधिक समझ, अभ्यास और सही अभिव्यक्ति आवश्यक है।

समझकर पढ़ें, केवल याद न करें

कहानी, कविता या गद्यांश पढ़ते समय उसके मुख्य भाव, उद्देश्य और संदेश को समझें। इससे विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में स्पष्ट और प्रभावी ढंग से लिख सकेंगे।

प्रतिदिन पढ़ें और लिखें

भाषा में सुधार के लिए नियमित अभ्यास जरूरी है। प्रतिदिन 20दृ30 मिनट पढ़ने और लिखने की आदत डालें। अनुच्छेद, निबंध, पत्र और अपठित गद्यांश का अभ्यास शब्द-भंडार तथा लेखन क्षमता बढ़ाता है।

व्याकरण को बनाएं अपनी ताकत

हिंदी में संधि, समास, मुहावरे, अलंकार और वाक्य-शुद्धि का अभ्यास करें। अंग्रेज़ी में काल, शब्दों के उचित प्रयोग, वाक्य रचना और व्याकरण के नियमों पर ध्यान दें। उदाहरणों के साथ नियम समझने से गलतियाँ कम होती हैं और अच्छे अंक प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

उत्तर लिखने की कला सीखें

सही उत्तर जानना ही पर्याप्त नहीं, उसे व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करना भी जरूरी है। प्रश्न को ध्यान से पढ़ें, आवश्यकतानुसार शीर्षक और अनुच्छेद बनाएं तथा साफ-सुथरी लिखावट रखें। उत्तर उतना ही लिखें, जितना प्रश्न की मांग हो।

पढ़ने की आदत विकसित करें

किताबें, कहानियाँ और समाचार-पत्र पढ़ने से शब्द-भंडार बढ़ता है तथा विचारों को व्यक्त करने की क्षमता विकसित होती है। नियमित पठन विद्यार्थियों को बेहतर लिखने और प्रभावी ढंग से बोलने में मदद करता है।

गलतियों से सीखें, समय का ध्यान रखें

अपनी वर्तनी, व्याकरण और वाक्य रचना की गलतियों को एक अलग कॉपी में लिखें। साथ ही, निर्धारित समय में नमूना प्रश्नपत्रों और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों को हल करने का अभ्यास करें। इससे लिखने की गति, शुद्धता और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

विद्यार्थियों के लिए संदेश

मेरे शैक्षणिक अनुभव में मैंने पाया है कि प्रत्येक विद्यार्थी में बेहतर करने की क्षमता होती है। जरूरत है सही दिशा, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास की। भाषा को रटने का विषय नहीं, बल्कि अपने विचारों को व्यक्त करने का माध्यम बनाएं।

भाषा पर मजबूत पकड़ न केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने में सहायक है, बल्कि भविष्य में व्यक्तित्व, संवाद-कौशल और आत्मविश्वास को भी निखारती है।

वर्षा पांडेय
प्राचार्य
हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल, सहजपुर, जबलपुर।

हिंदी की रोचक पहेलियां

मैं किताब में रहता हूं,
विद्यालय में मिलता हूं,
जीवन भर साथ चलता हूं।
उत्तर- ज्ञान

मैं वाक्य के अंत में आता हूं,
लेकिन मेरी वजह से पाठक सांस ले पाता है।
उत्तर- पूर्ण विराम

एक घर में रहते हैं अनेक भाई,
कोई स्वर है, कोई व्यंजन कहलाए।
उत्तर- वर्णमाला

मैं शब्द नहीं, फिर भी शब्दों को सुंदर बनाता हूं।
उत्तर- अलंकार

मैं न सोना हूं, न चांदी,
फिर भी अनमोल कहलाता हूं।
उत्तर- ज्ञान

मैं कविता में सजता हूं,
कहानी में बसता हूं,
भाषण में चमकता हूं।
उत्तर- शब्द

मैं जितना छोटा होता हूं,
अर्थ उतना बड़ा देता हूं।
उत्तर- अक्षर

मैं कागज पर जन्म लेता हूं, जुबान पर आकर जीवित हो जाता हूं।
उत्तर- अक्षर

मैं दिखाई नहीं देता, लेकिन भाषा को जीवंत बना देता हूं। मेरे बिना कविता फीकी लगती है।
उत्तर- भाव

योग की आत्मा है संस्कृत

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का विज्ञान है। इसकी जड़ें भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में हैं, जिसका मूल आधार संस्कृत भाषा है। योग से संबंधित अधिकांश ग्रंथ, मंत्र, सूत्र और दर्शन संस्कृत में ही रचे गए हैं। इसलिए योग को उसकी मूल भावना और वैज्ञानिक दृष्टि से समझने के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। आज जब योग विश्वभर में लोकप्रिय हो चुका है, तब संस्कृत भी वैश्विक स्तर पर नई पहचान प्राप्त कर रही है।

योग और संस्कृत का अटूट संबंध- योग की मूल अवधारणाएं पतंजलि के योगसूत्र, भगवद्गीता, उपनिषद, वेद और हठयोग प्रदीपिका जैसे ग्रंथों में संस्कृत भाषा में उपलब्ध हैं। ष्योगश्चित्तवृत्तिनिरोधःष, ष्अभ्यासष् और ष्वैराग्यष् जैसे मूल सिद्धांतों का वास्तविक अर्थ संस्कृत के माध्यम से ही स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है। अनुवाद इनका सामान्य अर्थ तो बता सकते हैं, लेकिन मूल भाव और दर्शन को पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाते।

आसनों और मंत्रों की सही समझ- योग के अधिकांश आसनों के नाम संस्कृत में हैं, जैसे ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, पद्मासन, शवासन आदि। इनके नाम केवल पहचान नहीं, बल्कि उनके उद्देश्य और प्रकृति को भी दर्शाते हैं। इसी प्रकार योगाभ्यास में उच्चारित होने वाले ओम, शांति मंत्र और अन्य वैदिक मंत्र संस्कृत में ही हैं। इनके सही उच्चारण से योगाभ्यास अधिक प्रभावी और आध्यात्मिक बनता है।

योग प्रशिक्षकों के लिए क्यों आवश्यक है संस्कृत? आज भारत के साथ-साथ विदेशों में भी प्रशिक्षित योग शिक्षकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में संस्कृत का ज्ञान योग प्रशिक्षकों के लिए अतिरिक्त योग्यता बन गया है। इससे वे योग के सिद्धांतों को अधिक प्रमाणिक और प्रभावशाली ढंग से समझा और समझा सकते हैं। अनेक योग संस्थान और विश्वविद्यालय भी अपने पाठ्यक्रम में संस्कृत का समावेश कर रहे हैं।

करियर के नए अवसर- योग और संस्कृत का संयुक्त ज्ञान युवाओं के लिए अनेक करियर विकल्प खोलता है। योग प्रशिक्षक, योग शोधकर्ता, आयुर्वेद विशेषज्ञ, संस्कृत शिक्षक, अनुवादक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक तथा भारतीय दर्शन के विशेषज्ञ के रूप में देश-विदेश में रोजगार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के बाद वैश्विक स्तर पर योग विशेषज्ञों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

शब्द पहेली - 9002

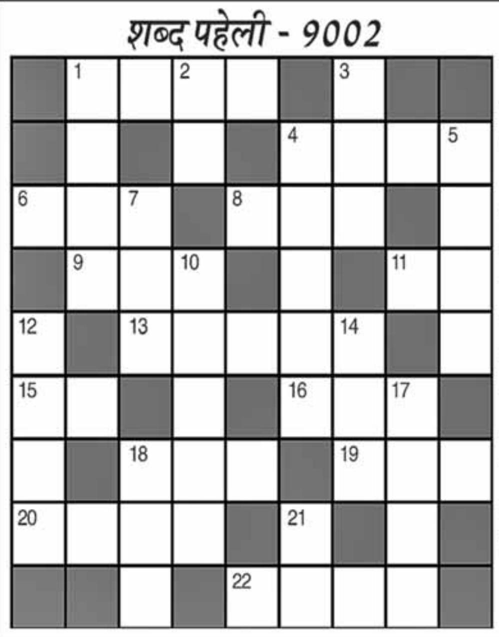

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -9001 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 12 अक्टूबर 2026

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर में विद्यार्थियों से चर्चा

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर एवं पोषण प्रदर्शनी में शामिल हुए डॉ. मोहन यादव

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को नरसिंहपुर स्थित सांदीपनि विद्यालय के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने यहां मौजूद विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने, अपने सपनों को साकार करने और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से कहा कि आपके नेतृत्व में ही वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का भारत है। विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने, लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आपको इतना सुंदर और सुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय मिला है। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी सरकारी विद्यालय में पढ़ाई की है। उस समय स्कूलों में आज जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने अभिभावकों को सांदीपनि विद्यालय अवश्य दिखाएं, ताकि वे भी यहां उपलब्ध बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं को देख सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को सफलता के महत्वपूर्ण सूत्र बताते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की भावना आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार लक्ष्य तय कर पूरी लगन से पढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में आगे बढ़ने की क्षमता है और सही दिशा में किए गए प्रयास सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज के विद्यार्थी शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, नवाचार और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे। विकसित भारत के निर्माण में युवा पीढ़ी का नेतृत्व और योगदान निर्णायक होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि बस सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सहूलियत मिलेगी तथा आवागमन संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का चावरा विद्यापीठ के विद्यार्थियों द्वारा बैंड प्रदर्शन कर और पुष्प भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांदीपनि विद्यालय के नवीन भवन का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं, पुस्तकालय, संगीत कक्ष, प्रयोगशाला सहित अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यालय में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए विकसित की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यालय परिसर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाई गई पोषण प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदाताओं के इस पुण?य कार्य के लिए उत्साहवर्धन किया। स्कूल परिसर में मौजूद वृद्धजनों का सम्मान किया तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों को सामग्री भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके अलावा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 की फीस प्रतिपूर्ति के लिए अशासकीय स्कूलों को संचालकों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में एनसीसी के कैडेट्स हाथों में नशा मुक्ति का संदेश देने वाली तख्तियां लेकर शामिल हुए। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, सांसद चौधरी श्री दर्शन सिंह, विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश, राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संघ श्री कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री रामसनेही पाठक, श्री अभिलाष मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और विद्यार्थी मौजूद थे।

नरसिंहपुर-पिपरिया मार्ग का 540 करोड़ रुपये से होगा उन्नयन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सड़क, जल संरक्षण, पशु पालन सहित पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। सांदीपनि विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण के समय की गुरुकुल परंपरा का आभास कराते हैं। श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता हमें मित्रों का सम्मान करने तथा संबंधों का महत्व समझने की प्रेरणा देती है। सांदीपनि विद्यालयों में सर्वसुविधायुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात नरसिंहपुर में आयोजित सांदीपनि विद्यालय के लोकार्पण और सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि के अंतरण कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर उन्होंने 42 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत प्रदेश के 35 लाख 56 हजार हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से 213.42 करोड़ रुपये की पेंशन राशि अंतरित की। सांदीपनि विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए बस सेवा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में 175 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 31 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। इनमें 80.70 करोड़ रुपये के 10 कार्यों का लोकार्पण तथा 94.44 करोड़ रुपये के 21 कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा। विभिन्न विभागों की योजनाओं के हितग्राहियों को भी हितलाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, सांसदद्वय श्री फग्गन सिंह कुलस्ते एवं चौधरी श्री दर्शन सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश सहित अन्य जनप्रतिनिधि मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने कहा कि पहले विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब शासकीय विद्यालयों में बेहतर भवन, प्रयोगशालाएं और खेल मैदान जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्राथमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर शून्य प्रतिशत तक पहुंचना शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रदेश में 375 से अधिक सांदीपनि विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने मित्रों की कठिनाइयों में सहायता करें और ऐसा करते समय उनके आत्मसम्मान का भी ध्यान रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश करते समय बच्चों की प्रसन्नता और उत्साह देखकर उन्हें अच्छा लगा। विद्यार्थियों की आँखों में दिखाई देने वाली चमक और उनके शब्दों से इस विद्यालय के प्रति उनकी उम्मीदों का पता चलता है। उन्होंने विद्यालय के बच्चों के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराने की पहल का उल्लेख करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंहपुर की पवित्र धरती का उल्लेख करते हुए कहा कि यह क्षेत्र माता त्रिपुर सुंदरी, मां जगदंबा भवानी और मां नर्मदा की कृपा से विशेष महत्व रखता है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय के साथ भारत माता की जय के उद्घोष के बीच नरसिंहपुर की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदिगुरु शंकराचार्य, महर्षि महेश योगी, वीरांगना रानी दुर्गावती और आचार्य रजनीश (ओशो) का उल्लेख करते हुए कहा कि नरसिंहपुर की भूमि का अपना विशिष्ट महत्व है।

मैहर एवं सतना जिले का जन विश्वास अभियान बना राजनैतिक मंच

सतना, स्वतंत्र मत

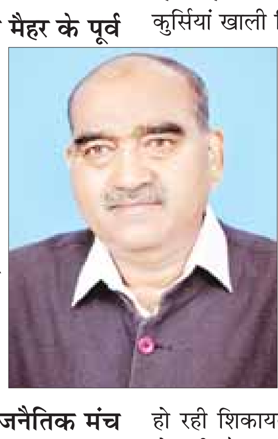

जिला कांग्रेस कमेटी सतना मैहर के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने जिला प्रशासन के द्वारा मैहर जिले के नादन एव सतना जिले के सिंहपुर के पटपर नाथ में लगाए गए जन विश्वास शिविर को जनता के साथ छलावा निरूपित किया है। श्री मिश्रा ने कहा है कि यह शिविर जन मानस के हितग्राही मूलक योजनाओ की समस्याओं के निराकरण हेतु लगाया गया था जो की एक राजनैतिक मंच बनकर रह गया मौके पर किसी भी हितग्राहियों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया केवल उनके आवेदनों पर पेशी कर दी गई और उनके समस्याओं के परीक्षण करने का फरमान सुना दिया गया ।

यहां तक की मैहर जिले के गोबरी एवं भटगमा के हितग्राहियों के आवेदन लेने से भी इनकार किया गया बड़ी हैरानी कि बात यह है कि हितग्राही मूलक योजनाओं के निराकरण के लिए लगाए गए शिविर में हितग्राहियों को सूचना तक नहीं दी गई। जिससे कुर्सियां खाली दिखी एवं बड़े.बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं ।जनमानस के नाम पर कर्मचारी अधिकारी आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पंचायत सचिव रोजगार सहायक एवं अन्य विभागों के अधिकारी ही दिखाई दिए केवल गिनी चुनी जनता ही शिविर में पहुंची ।जनप्रतिनिधियों के भाषण देने में भी विवाद होने लगाए जिले में हो रही गली गली शराब की पैकोरी पर अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया प्रधानमंत्री आवास की अर्जियां लिए लोग शिविर में घूमते रहे सचिवों की हो रही शिकायतों पर केवल परीक्षण कराने की बात हो रही है । पंचायती राज के जनप्रतिनिधि अपनी अर्जियां लिए सालों से घूम रहे हैं कोई कार्रवाई नहीं हो रही । श्री मिश्रा ने कहा कि आखिर सरकार जनमानस को झूठा आश्वासन कब तक देती रहेगी । श्री मिश्रा ने शासन व आयुक्त रीवा से आग्रह किया है कि शिविर में समस्याओं का निराकरण शिविर स्थल पर ही किया जाए हितग्राहियों को एवं आमजन के पास शिविर की सूचना हो जिससे शिविर जनता के साथ मजाक साबित ना हो सके ।

2017 से आवास के लिए भटक रहे गरीब बोले नगर निगम में बिना रिश्वत के नहीं होता काम

वार्ड नंबर 1अमौधा नई बस्ती का मामला कच्चे मकान गिरे पन्नी तानकर जीने को मजबूर परिवार

सतना, स्वतंत्र मत

प्रधानमंत्री आवास योजना गरीबों के पक्के मकान के सपने को साकार करने के लिए हैए लेकिन सतना नगर निगम में यह योजना रिश्वत की भेंट चढ़ गई है। अमौधा नई बस्ती वार्ड नंबर 1 के करीब आधा दर्जन गरीब परिवार 2017 से पीएम आवास के लिए भटक रहे हैं। आरोप है कि नगर निगम में बिना 10 से 20 हजार रुपये रिश्वत दिए फाइल आगे ही नहीं बढ़ती। बारिश में इनके कच्चे मकान गिर चुके हैं और आज भी ये परिवार पन्नी तानकर जिंदगी गुजारने को मजबूर हैं।

जूते घिस गए नहीं मिला आवास-विष्णु अहिरवार

वार्ड.1 नई बस्ती निवासी दिव्यांग विष्णु अहिरवार ने बताया कि 2017 में पीएम आवास के लिए फॉर्म भरा था। नगर निगम के चक्कर लगाते.लगाते जूते टूट गए। वहां बैठे लोग कहते हैं पहले 20,000 रुपये लाओ फिर कंप्यूटर में नाम चढ़ेगा। मेरा कच्चा मकान है बारिश में एक हिस्सा गिर गया था पन्नी लगाकर परिवार के साथ रह रहा हूं। मैं मजदूरी भी नहीं कर पाता अगर आवास मिल जाता तो परिवार सुरक्षित रहता।

पैसा जमा करो तभी मिलेगा आवास-मोनू अहिरवार- मोनू अहिरवार ने बताया कि मेरा भी कच्चा मकान बारिश में गिर गया। पीएम आवास का पैसा मिल जाता तो पक्का मकान बना लेता। 1 साल से नगर निगम के चक्कर काट रहा हूं वहां कहते हैं 10,000 रुपये जमा करो बिना पैसे के आवास नहीं मिलेगा। हम तो बहुत परेशान हो गए हैं।

मिट्टी का मकान गिरा पन्नी में रह रहे हैं -माया अहिरवार- माया अहिरवार ने बताया कि पति लक्ष्मण अहिरवार के नाम से 2017 में फॉर्म भरा था। पति सालों से नगर निगम भटक रहा है लेकिन आज तक लाभ नहीं मिला। मिट्टी का मकान बारिश में गिर गया पन्नी लगाकर बच्चों को पाल रही हूं।

20.25 हजार मांगते हैं-गुड़िया अहिरवार

गुड़िया अहिरवार ने कहा कि बारिश में कच्चा मकान गिरने से घर का सारा सामान बर्बाद हो गया। समय से राशि मिल जाती तो नुकसान नहीं होता। 2017 में फॉर्म जमा किया थाए लेकिन नगर निगम में कहते हैं 20.25 हजार रुपये लाओ फिर फाइल बढ़ेगी। बिना रिश्वत के कोई काम नहीं हो रहा सरकार रिश्वतखोरों को नौकरी से बर्खास्त करे।

गरीब की कोई सुनवाई नहीं- रज्जू अहिरवार- रज्जू अहिरवार ने बताया कि मेरा भी कच्चा घर बारिश में गिर गया था। 2017 में फॉर्म भरा था लेकिन 20,000 रुपये की मांग की जा रही है। कहते हैं पैसा नहीं दोगे तो नाम नहीं चढ़ेगा। हम गरीबों के पास पैसा होता तो खुद पक्का मकान बना लेते।

विद्यार्थियों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)

सेवा संकल्प अभियान के तहत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुघरी में सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री स्कूल बैग एवं अन्य उपयोगी उपहार वितरित कर उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि दिव्येश तिवारी ने बताया कि सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते के प्रयासों से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घुघरी एवं मोहगांव विकासखंड में महाविद्यालय खोलने घोषणा की है। इसकी जानकारी मिलते ही विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर खुशी जताई साथ ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और वर्ष 2047 तक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष सिहारेलाल करचाम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामप्रकाश साहू, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे, मंडल मंत्री मणिकांत चौरसिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष शंभू प्रसाद साहू, अवधेश चौरसिया, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एल.एस. उइके, बीआरसी हर्ष ज्योतिषी एवं विद्यालय प्राचार्या दुलारी सैयाम सहित शिक्षक, विद्यार्थी और पालक उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री यादव ने किया। आयोजन में वरिष्ठ शिक्षक श्यामसुंदर अग्रवाल, सुनील झारिया एवं अभिलाषा पाठक का विशेष सहयोग रहा।

विद्यार्थियों को बांटी सामग्री

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, मंडला में जिला स्तरीय सेवा संकल्प कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराना तथा उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सेवा भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्कूल बैग पाठ्य सामग्री खेलकूद सामग्री एवं प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा, सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग डॉ. अरुण शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी रंजीत गुप्ता, विद्यालय की प्राचार्य कल्पना नामदेव एवं एपीसी मुकेश पांडे सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण पर दिया संदेश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना के कुशल मार्गदर्शन में जिला समन्वयक सुशील बर्मन के नेतृत्व में म.प्र.जन अभियान परिषद् द्वारा चयनित नवांकुर संस्था आदिवासी बैगा विकास समिति एवं धेनु बाड़ी गौरक्षण समिति सेमरखापा के संयुक्त तत्वावधान में सेवा संकल्प अभियान सेवा मेरा योगदान के तहत वृहद पौधारोपण कार्यक्रम धेनु बाड़ी गौशाला प्रांगण में रखा गया।

नर जंगली हाथी कॉलर नंबर 3 का किया गया सफल रेस्क्यू

उमरिया (स्वतंत्रमत) - रविवार 11 अक्टूबर 2026 को क्षेत्र संचालक, बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व, वन संरक्षक, शहडोल, वन मण्डलाधिकारी, उमरिया, उपसंचालक बन्धवगढ़ टाइगर रिजर्व, समेत 80 से अधिक अधिकारियों - कर्माचारियों, 3 वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारियों तथा रेस्क्यू टीम के द्वारा चंदिया परिक्षेत्र के कंपार्टमेंट क्रमांक आर एफ 11 बीट मझगवां से नर जंगली हाथी कॉलर तीन का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। उक्त नर हाथी को कान्हा टाइगर रिजर्व में रेडियो कॉलर पहनाने के बाद विगत वर्ष 9 सितंबर को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मुक्त किया गया था. विगत एक वर्ष तक विभिन्न परिक्षेत्र में भ्रमण करने के बाद दिनांक 2 अक्टूबर 2026 को चंदिया परिक्षेत्र की मझगवां बीट में दाखिल हुआ था। उक्त क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्र लगा हुआ है जहां बार बार हाथी के जाने की स्थिति निर्मित हो रही थी. जिससे ग्रामीणजन एवं हाथी दोनों के लिए अप्रिय स्थिति निर्मित होने की प्रबल संभावना थी। अतः निर्धारित प्रक्रिया एवं सक्षम प्राधिकारी की अनुमति उपरांत उक्त नर जंगली हाथी कॉलर नंबर तीन का आज सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। लगातार एक वर्ष तक कॉलर लगे होने तथा शारीरिक अवस्था में वृद्धि होने से कॉलर में कसावट आ जाने की स्थिति देखी गई थी. रेस्क्यू के दौरान कॉलर को हटाने तथा कॉलर के कसावट से निर्मित घाव की ड्रेसिंग वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा की गई. समस्त सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए नर हाथी कॉलर तीन को रेस्क्यू उपरांत परिवहन की प्रक्रिया प्रचलित है. परिवहन के उपरांत नर हाथी कॉलर नंबर 3 को बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के कल्लवाह रेंज में निर्मित अस्थायी निगरानी क्षेत्र में रखा जाएगा. निगरानी उपरांत वरिष्ठ कार्यालय

खाई में गिरा ऑटो 12 घायल

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। निवास थाना क्षेत्र में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। ग्राम डुंगरिया से नर्मदा स्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरा ऑटो बसगढ़ी घाट के पास अनियंत्रित होकर करीब 25 फीट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में दो बच्चों सहित करीब 12 श्रद्धालु घायल हो गए। इनमें तीन महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बताया जा रहा है बसगढ़ी घाट के पास अचानक ऑटो का ब्रेक फेल हो गए। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ऑटो सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए खाई में गिरे ऑटो से घायलों को बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद सभी घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से निवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

महाविद्यालय में ईएलसी कैम्प

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी कन्या महाविद्यालय मंडला में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन साक्षरता क्लब द्वारा विशेष ईएलसी कैंप का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. एस.पी. धूमकेती के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर का उद्देश्य छात्राओं को निर्वाचन प्रक्रिया मताधिकार और लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी के प्रति जागरूक करना था। ई.एल.सी. कॉर्डिनेटर डॉ. अंजली पण्ड्या द्वारा पात्र छात्राओं के ऑनलाइन प्ररूप-6 भरवाने की प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। अंतर्राष्ट्रीय महिला कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी एवं आत्मा विभाग द्वारा 8 एवं 9 अक्टूबर को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में उपसंचालक कृषि अश्विनी झारिया ने मृदा स्वास्थ्य रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के दुष्परिणाम एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी। उप परियोजना संचालक आत्मा श्रीमती अंजु कोडापे ने भू-दृश्य आधारित प्राकृतिक खेती फसल विविधीकरण मिश्रित खेती एवं जैविक संसाधनों के उपयोग पर प्रकाश डाला। वहीं एफईएस के सौरभ चौधरी ने जल संरक्षण मृदा अपरदन नियंत्रण स्थानीय बीज संरक्षण तथा कृषि-पशुपालन के एकीकरण की जानकारी दी।

शांति समिति की बैठक संपन्न

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। मवई तहसील कार्यालय सभा कक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मवई ग्राम की विभिन्न दुर्गा समितियों ग्रामीणों सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं सम्मानित नागरिकों ने सहभागिता की बैठक में बस स्टैंड मवई बड़ चौराहा राजीव चौक बाजार एवं विभिन्न मोहल्ला समितियों के सदस्यों ने आगामी 9 दिवसीय धार्मिक आयोजन की तैयारियों की जानकारी साझा की और व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव दिए बैठक में थाना प्रभारी मवई तहसीलदार के प्रतिनिधि के रूप में राजस्व निरीक्षक विद्युत विभाग के जेई एवं ग्राम पंचायत सचिव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जागरूकता सत्र आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उदयपुर विकासखंड बीजाडांडी में वन स्टॉप सेंटर द्वारा हब एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, लैंगिक आधारित हिंसा, लिंग जाँच की कानूनी स्थिति, पॉक्सो एक्ट तथा बालक-बालिका में समानता के महत्व की जानकारी दी।

समस्याओं का निराकरण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 5 अक्टूबर को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विशेष शिविर आयोजित किया गया।

जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा डाइट में जिले की परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स रैंकिंग में सुधार के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जिले के सभी 9 विकासखंडों के बीआरसीसी, बीएसी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

निवास में अवैध शराब का कारोबार: गांव-गांव पहुंचा रहे शराब किराना दुकान, पान ठेला और होटल ढाबों में खुलेआम बिक्री

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। नगर निवास और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की कथित खुलेआम बिक्री को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि शराब ठेकेदार से जुड़े लोग मोटरसाइकिलों के माध्यम से गांव-गांव शराब पहुंचा रहे हैं। किराना दुकानों, पान की दुकानों और होटलों तक शराब की उपलब्धता की शिकायतें सामने आ रही हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह केवल आबकारी नियमों के उल्लंघन का मामला नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य परिवारों की आर्थिक स्थिति और क्षेत्र की सामाजिक व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय है। सवाल यह है कि आखिर शराब की इस कथित सप्लाई पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं दिखाई दे रहा है और जिम्मेदार विभाग इस दिशा में क्या कदम उठा रहे हैं एक ओर केंद्र और राज्य सरकारें नशामुक्ति स्वस्थ जीवनशैली और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाती हैं वहीं दूसरी ओर निवास क्षेत्र में शराब की कथित आसान उपलब्धता को लेकर लोगों में नाराजगी है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि शराब का कारोबार केवल निर्धारित दुकानों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि ग्रामीण इलाकों तक इसकी पहुंच बढ़ रही है। मोटरसाइकिलों से शराब की आपूर्ति किए जाने की शिकायतें भी उठाई जा रही हैं। यदि गांवों में इस तरह शराब पहुंचाई जा रही है तो यह जांच का विषय है कि शराब कहां से खरीदी जा रही है उसे किन माध्यमों से पहुंचाया जा रहा है और क्या बिक्री के दौरान निर्धारित नियमों का पालन हो रहा है। आबकारी विभाग और पुलिस की जिम्मेदारी है कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाएं स्थानीय लोगों की शिकायत है कि क्षेत्र में कुछ किराना दुकानों पान दुकानों और होटलों पर भी शराब बेचे जाने की चर्चा है। महाकौशल ट्रेडिंग कंपनी के नाम से संचालित शराब कारोबार को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है लेकिन शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभागों को मौके पर जांच करनी चाहिए।

प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि शराब की बिक्री किन अधिकृत स्थानों पर अनुमन्य है और क्या किसी दुकान होटल या अन्य प्रतिष्ठान पर नियमों के विरुद्ध शराब बेचे जाने की शिकायत मिली है। यदि अवैध बिक्री पाई जाती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं यदि शिकायतें निराधार हैं तो जांच के आधार पर स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए ताकि किसी के विरुद्ध बिना प्रमाण आरोप लगाने के बजाय वास्तविक दोषियों की पहचान हो सके निवास में शराब की दुकान की स्थिति और आसपास मौजूद सार्वजनिक संस्थानों को लेकर भी स्थानीय स्तर पर आपत्ति जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में मॉडल स्कूल, बालक विद्यालय, आईटीआई, दुर्गा मंदिर, गेस्ट हाउस और मुख्य बाजार का तिराहा आसपास के महत्वपूर्ण स्थान हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल भी कथित तौर पर लगभग 50 से 70 मीटर की दूरी पर स्थित है यदि यह दूरी और स्थान संबंधी विवरण सही हैं तो संबंधित विभागों को स्थल निरीक्षण कर लागू नियमों की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर उठने वाली चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सार्वजनिक स्थानों के आसपास कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है शराब की आसान उपलब्धता का सबसे गंभीर असर युवाओं पर पड़ने की आशंका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कम उम्र के लड़के भी शराब के सेवन की ओर आकर्षित हो रहे हैं। नशे की आदत व्यक्ति की पढ़ाई, रोजगार, स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन को प्रभावित कर सकती है। मजदूरी करके परिवार चलाने वाले कई गरीब परिवारों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि मेहनत से कमाई गई राशि यदि नशे में खर्च होती है तो घर का बजट बिगड़ता है और बच्चों की शिक्षा तथा जरूरी जरूरतें प्रभावित होती हैं शराब की लत केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं रहती। इसका असर माता-पिता पत्नी बच्चों और पूरे परिवार पर पड़ता है। घरेलू तनाव, आर्थिक तंगी और सामाजिक विवाद जैसी स्थितियां भी जन्म ले सकती हैं। ऐसे में सवाल केवल शराब की बिक्री का नहीं बल्कि उस सामाजिक वातावरण का है जिसमें अगली पीढ़ी का भविष्य आकार ले रहा है क्षेत्र में शराब के साथ जुआ और सट्टा जैसी गतिविधियों को लेकर भी नागरिकों की चिंता सामने आ रही है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश नहीं लगने से असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ने की आशंका है।

हालांकि, इन गतिविधियों की वास्तविक स्थिति और जिम्मेदार लोगों की भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि समय-समय पर कार्रवाई की खबरें सामने आने के बावजूद समस्याओं पर स्थायी नियंत्रण दिखाई नहीं देता। ऐसे में प्रशासन को केवल छिटपुट कार्यवाही तक सीमित रहने के बजाय नियमित निगरानी शिकायतों की जांच और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कदम उठाने की जरूरत है सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों द्वारा शराब दुकानों को हटाने या उनकी स्थिति की समीक्षा की मांग किए जाने की बात भी सामने आ रही है। इस संबंध में प्रशासन को शिकायतों का परीक्षण कर नियमों के अनुरूप निर्णय लेना चाहिए निवास के सामने खड़ा यह सवाल केवल शराब की बिक्री तक सीमित नहीं है बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहुंचे खिलाड़ी

मण्डला/नारायणगंज। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आयोजित विभागीय संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा में किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर नारायणगंज क्षेत्र की खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए ग्राम मानिकसरा की दुर्गा चक्रवर्ती, नारायणगंज की शकुंतला ठाकुर अंजलि, दीप्ति बरकड़े सहित अन्य खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 12 अक्टूबर को झाबुआ में किया जाएगा जहां ये खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने में ब्लॉक समन्वयक करुणा मर्सकोले द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं पीटीआई सुश्री सुजीता यादव का भी विशेष योगदान रहा है। खिलाड़ियों के चयन पर सांदीपनि स्कूल की प्राचार्य श्रीमती संगीता गुप्ता, स्नेहलता पंद्रो, रश्मि उइके, सोनू गुप्ता, मंगल सिंह पंद्रो क्रीड़ा अधिकारी, लीला पंद्रो, नविता विसेन, अवध पटेल, उषा उलाडी, पप्पू ठाकुर, शिवानी सिंगरौली, अयोध्या सिंह पटेल, लोक राम मार्को, लता पंद्रो सहित समस्त विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी।

अग्रसेन जयंती पर हुए सामाजिक धार्मिक कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अग्रवाल पंचायत मंडला एवं नवयुवक मंडल व महिला मंडल के द्वारा अग्रसेन जयंती के अवसर पर विभिन्न सामाजिक धार्मिक रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विगत एक सप्ताह तक आयोजित किए गए कार्यक्रमों में सामाजिकजनों ने उत्साह से भाग लिया। वहीं रविवार को वाहन रैली, महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा आनंद मेला, खेलकूद प्रतियोगिताएं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रतिभा सम्मान समारोह सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज की एकजुटता आपसी सौहार्द और सामाजिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। रविवार की सुबह अग्रवाल समाज द्वारा नवीन प्रेस के पास से वाहन रैली निकाली गई रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची रास्ते में जगह-जगह सामाजिक बंधुओं ने रैली का स्वागत किया। अग्रसेन तिराहा पर भगवान महाराजा अग्रसेन की आरती एवं पूजा-अर्चना का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान समाज के लोगों ने सुख-समृद्धि और समाज की उन्नति कामना की महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को स्मरण किया गया अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आनंद मेले का आयोजन भी आकर्षण रहा मेले में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों पर तरह-तरह के पकवान और खाद्य सामग्री उपलब्ध रही जिनका स्वाद लेने के लिए समाज के नागरिक बड़ी संख्या में पहुंचे। अग्रवाल समाज द्वारा सप्ताहभर के कार्यक्रमों में बच्चों की प्रतिभा को निखारने पर भी विशेष ध्यान दिया गया बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गई नृत्य सहित अन्य प्रस्तुतियां में बच्चों ने दी।

अग्रवाल समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया।

सिद्धेश्वर धाम में अनुष्ठान सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के सुरंगदेवरी स्थित सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र श्री सिद्धेश्वर धाम में आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की पितृमोक्ष अमावस्या और शनिवार के संयोग पर हवन-पूजन एवं विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में न केवल जिले से बल्कि दूर-दराज के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और धर्म लाभ अर्जित किया जानकारी अनुसार सिद्धेश्वर धाम के साईं भक्त पंडित ललित नारायण मिश्रा के सानिध्य में सुबह 6 बजे से ही धाम में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला आरंभ हो गया था। यह भव्य आयोजन सुरंगदेवरी स्थित श्री सिद्धेश्वर धाम दरबार में किया गया। शनिवार के विशेष संयोग में कष्ट निवारण के लिए किए गए इस विशेष अनुष्ठान के विधिवत समापन के बाद श्री हनुमान जी महाराज की महाआरती की गई।

सरकार नहीं चाहती 27 प्रतिशत आरक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ओबीसी वर्ग की बैठक आयोजित की गई जिसमें सामाजिक लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। हाईकोर्ट ने 52 प्रतिशत ओबीसी आबादी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए मना करते हुए सरकार के पक्ष को खारिज कर दिया। वही ओबीसी समाज ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान ओबीसी प्रगतिशील मोर्चा के जिला अध्यक्ष सीबी पटेल ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार नहीं चाहती थी कि किसी भी तरह से कोर्ट ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दे क्योंकि जिस विषय को लेकर बहस चल रही थी वह कमलनाथ सरकार के द्वारा दिया गया ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण था प्रदेश के स्थानीय भाजपा सरकार यह नहीं चाहती थी कि किसी प्रकार का श्रेय कांग्रेस या कमलनाथ सरकार को मिले जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री ओबीसी वर्ग से आते हैं और उन्होंने कहा था कि डंके की चोट में हम ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देंगे परंतु न्यायालय में कुछ इस प्रकार का प्रस्तुतिकरण किया गया कि सरकार की तरफ से लगभग 300 करोड रुपए अधिवक्ताओं को देने के बाद भी ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण वर्तमान भाजपा सरकार नहीं दिलवा पाई उनकी नियत पर शंका है।

घटस्थापना से विराजी महारानी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। श्री सिद्ध सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बड़ी खैरी अपने 55वें स्थापना वर्ष पर भक्तों के लिए भक्ति का अनोखा स्वरूप प्रस्तुत करने जा रहा है। रविवार को नवरात्रि बैठकी से शारदेय नवरात्र प्रारंभ हुआ। नवरात्रि का प्रारंभ घटस्थापना से की प्रथम दिवस माता रानी की स्थापना विधि विधान से की गई। सर्वप्रथम घट स्थापना के साथ पूजन अर्चन करते हुए माता रानी को विराजमान कराया गया। यहां पर वृंदावन से पधारे आचार्य राजेश तिवारी ने माता रानी की स्थापना कराते हुए समिति पदाधिकारियों से संकल्प कराया। बड़ी खैरी में हर साल होने वाला यह दुर्गा उत्सव अपनी अनोखी भक्ति और भव्यता के लिए प्रसिद्ध है। युवा वर्ग बुजुर्ग और मातृशक्ति सभी इस आयोजन में विशेष सहयोग देते हैं।

पेनल्टी शूटआउट में न्यू 11 एफसी बनी चैंपियन न्यू स्टार एफसी को 4-3 से हराया

नैनपुर (स्वतंत्र मत) नगर के जेआरसी मैदान में आयोजित न्यू 11 चैंपियंस कप 2026 फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। खिताबी भिड़ंत में न्यू 11 एफसी और न्यू स्टार एफसी की टीमें आमने-सामने थीं। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी, लेकिन निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें न्यू 11 एफसी ने न्यू स्टार एफसी को 4-3 से पराजित कर चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर ली।फाइनल मुकाबले से पहले न्यू 11 एफसी के कप्तान देवेन्द्र राज ने टीम की जीत का भरोसा जताया था। मैदान पर खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इस विश्वास को सार्थक कर दिखाया। वहीं, न्यू स्टार एफसी के कप्तान अनुज ठाकुर के नेतृत्व में टीम ने भी पूरे मुकाबले में कड़ा संघर्ष किया। निर्धारित समय में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। अंततः पेनल्टी शूटआउट में न्यू 11 एफसी ने संयम और सटीकता का परिचय देते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले के दौरान नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे। इनमें पार्षद नितिन ठाकुर, मोहित कांत झरिया, प्रदीप समृद्, संदीप दुबे, महेंद्र सोनी, नीलेश रसिक, संजीव पाण्डे, सत्येंद्र तिवारी, शंकर दयाल बाजपेई, विनय नामदेव, रेवा भलावी एवं अमर सिंह राज सहित अन्य नागरिक शामिल रहे। उपस्थित लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता के आयोजन की सराहना की।न्यू 11 चैंपियंस कप 2026 के सफल आयोजन एवं संचालन में पवन नंदा, आनंद नंदा, शिवानंद नंदा, विकास बरकड़े, संदीप ठाकुर एवं अनुज ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

80 हजार रुपये के सोने-चांदी के जेवर बरामद

रेलवे स्टेशन पिंडरई से पकड़े गए तीनों आरोपी

छह घंटे में नकबजनी का खुलासा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर थाना अंतर्गत चौकी पिंडरई पुलिस ने नकबजनी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सूचना मिलने के महज छह घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए चोरी किए गए करीब 80 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को रेलवे स्टेशन पिंडरई से हिरासत में ले लिया। पुलिस की इस कार्रवाई को संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

घर का ताला तोड़कर जेवरात किए थे चोरी-पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम जामगांव निवासी धनराज अहिरवार पिता स्व. विश्राम अहिरवार 59 वर्ष ने 10 अक्टूबर 2026 को चौकी पिंडरई पुलिस में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी के मुताबिक अज्ञात व्यक्ति उनके घर के दरवाजे का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए थे। चोरी गए आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई शिकायत के आधार पर थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 469/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) एवं 305(ए) में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तारी- संपत्ति संबंधी अपराधों में आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गए माल की बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, एसडीओपी नैनपुर मनीष राज तथा थाना प्रभारी नैनपुर निरीक्षक ओ.पी. रावत के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी पिंडरई निरीक्षक अंशुल गुप्ता ने पुलिस टीम गठित कर मामले की जांच तेज की।

जांच के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 10 अक्टूबर को रेलवे स्टेशन पिंडरई में दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संदीप रजक (32 वर्ष), मंजू अहिरवार (30 वर्ष), और विशाल अहिरवार (25 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों ग्राम पोंडी, चौकी पिंडरई, थाना नैनपुर, जिला मंडला के निवासी हैं।

सोने के कान के फूल और चांदी की पायजेब बरामद- पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी गए एक जोड़ी सोने के कान के फूल और एक जोड़ी चांदी की पायजेब बरामद की है। बरामद आभूषणों की कुल कीमत लगभग 80 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें 11 अक्टूबर 2026 को न्यायालय नैनपुर में पेश किया।

नकबजनी के इस मामले का खुलासा करने और चोरी गए आभूषण बरामद करने में चौकी प्रभारी पिंडरई निरीक्षक अंशुल गुप्ता, सहायक उपनिरीक्षक सेवकराम, प्रधान आरक्षक मोहन कुड़ापे (116), प्रधान आरक्षक सचिन रंगारे (560) तथा आरक्षक जयकिशन मात्रे (723) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गए आभूषणों की बरामदगी संभव हो सकी।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 12 अक्टूबर 2026

संपादकीय

युवाओं का टूटता धैर्य

शनिवार-रविवार को देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर नारों, बैरिकेड्स और पुलिस की चौकसी के साये में सिमटी नजर आई। सीजेपी और विभिन्न युवा-छात्र संगठनों द्वारा दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान जो तस्वीरें सामने आईं, वे स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने पर कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। दरअसल, नीट पेपर लीक, परीक्षाओं में धांधली और प्रशासनिक अनियमितताओं जैसे मुद्दों ने देश भर के लाखों युवाओं के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा दिए हैं। जब प्रतियोगी छात्र और युवा अपनी जायज मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे, तो इसे केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मान लिया गया। दिल्ली पुलिस द्वारा सीजेपी के संस्थापकों व प्रमुख नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास, आशुतोष रांका आदि को उड़ान से उतरते ही हिरासत में लेने और शहर भर में हजारों प्रदर्शनकारियों व विपक्षी नेताओं को रोकने के कदम को आलोचकों ने अघोषित आपातकाल का रूप करार दिया। सुरक्षा कारणों से कई मेट्रो स्टेशनों को बंद करने, रास्तों पर भारी बैरिकेडिंग करने और ट्रैफिक डाइवर्ट करने से आम दिल्लीवासियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस बात को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार भी लगाई है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी सहनशीलता और संवाद की क्षमता होती है। जब युवाओं के सवालों को सुनने के बजाय प्रशासनिक ताकत का प्रयोग कर प्रदर्शनों को दबाने का प्रयास किया जाता है, तो आक्रोश खत्म नहीं होता बल्कि और गहरा हो जाता है। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाना, दोषियों पर त्वरित व सख्त कार्रवाई करना और आंदोलनकारियों से सीधी बातचीत की मेज पर आना बेहद जरूरी है। असहमति और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार है। अपनी आवाज को बुलंद करते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है कि प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित रहें। हिंसा या उग्र रवैये से मूल मुद्दे भटक जाते हैं और शासन को दमनकारी कदम उठाने का बहाना मिल जाता है। आज भारत का सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहाँ हर तरफ आंदोलनों की गूंज सुनाई दे रही है। छात्र अपनी शिक्षा और भविष्य के लिए सड़कों पर हैं, किसान अपनी फसलों के वाजिब दामों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, और विभिन्न वर्ग अपने अधिकारों व पहचान की रक्षा के लिए मुखर हैं। लोकतंत्र में आंदोलन को असहमति दर्ज कराने और बदलाव का एक सशक्त माध्यम माना गया है। संविधान ने नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन और अपनी बात रखने का अधिकार दिया है। लेकिन जब ये आंदोलन संवाद के अभाव में उग्र रूप लेने लगते हैं, तब राष्ट्र का मूल ढांचा और सामान्य जनजीवन प्रभावित होने लगता है। हिंसक आंदोलनों, तोड़फोड़ और चक्का-जाम से देश की सार्वजनिक संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचता है, जिसका सीधा असर आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ता है। कई बार जन-समस्याओं के समाधान की बजाय आंदोलनों का राजनीतिकरण होने लगता है, जिससे मूल मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और ध्रुवीकरण बढ़ता है। दिल्ली में सीजेपी के आंदोलन ने यह साफ कर दिया है कि युवाओं के धैर्य की सीमा अब जवाब दे रही है। आक्रोश की इस लहर को दबाने के बजाय, व्यवस्था को संवेदनशील बनकर युवाओं के खोए हुए भरोसे को बहाल करना होगा। यदि नीति-निर्माता समय रहते संवाद का रास्ता नहीं चुनते, तो यह चिंगारी देश की प्रगति और शांतिपूर्ण माहौल को लंबे समय तक प्रभावित करती रहेगी।

प्राकृतिक जीवन का आधार

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

हिमालय केवल पर्वतों की एक श्रृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

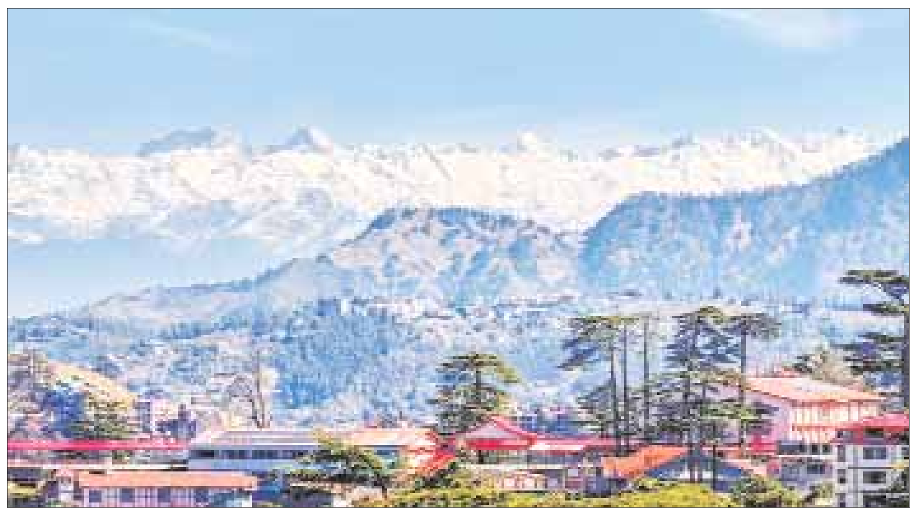

इस संदर्भ में 'कैरी मी बैक' अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुन: उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि 'जितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकास' की सोच को 'जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन' में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।

हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बर्बादी लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं। ऐसे निर्माण में सरकारी स्तर पर सतर्कता की जो उम्मीद की जाती है, उसे नजरअंदाज किया गया।

हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है। आस्था और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। धार्मिक यात्रा का वास्तविक संस्कार तभी पूर्ण होगा जब तीर्थयात्री मंदिर से लौटते समय अपने साथ प्रसाद ही नहीं, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी लेकर लौटे। सरकारें व्यवस्था करें, स्थानीय समुदाय भागीदारी निभाएं और श्रद्धालु अपना कचरा वापस लाने का संकल्प लें-तभी हिमालय की पवित्रता सुरक्षित रह सकेगी। हिमालय को केवल देवभूमि कहने से उसकी रक्षा नहीं होगी, उसे देवभूमि की तरह व्यवहार देकर ही उसकी पवित्रता बचाई जा सकती है। यही सच्ची तीर्थयात्रा है, यही प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है।

एलन मस्क के बयान से उठते गंभीर सवाल- भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि

संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट) ने भारत में कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसका जवाब तलाशना और पूरी गंभीरता से देना बहुत जरूरी हो गया है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि उदारीकरण और भूमंडलीकरण के इस दौर में प्राइवेट कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा होनी ही चाहिए ताकि लोगों को फायदा भी हो और उनके पास चुनने का विकल्प भी हो। इसी तर्क का हवाला देकर भारत के अंदर भी कई लोग एलन मस्क की पीड़ा को सही बताते हुए सरकार को नसीहतें दे रहे हैं। लेकिन भारत की संप्रभुता और वैश्विक कंपनियों को भारत में कारोबार करने की इजाज़त देने के बीच में एक बहुत ही हल्की सी रेखा आती है, जिसे पार करते ही कई तरह की समस्याएं खड़ी हो सकती है।

भारत के अंदर, हर भारतीय को यह स्वतंत्रता है कि वो अपनी सरकार से सवाल पूछ सके, अपनी सरकार पर सवाल उठा सके लेकिन क्या हम यही स्वतंत्रता किसी विदेशी कारोबारी को दे सकते हैं? कतई नहीं, भारत का असली बॉस कौन है, यह तय करने और बताने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ भारतीयों के पास ही रहना चाहिए। एलन मस्क ने 8 अक्टूबर को अपने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, स्टारलिंक को 165 से ज़्यादा देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और कंपनी भारत सरकार के हर नियम और ज़रूरत को पूरा करने में पांच साल से काम कर रही है, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं? जिस अंदाज में और जितनी तेजी से राहुल गांधी ने इस पर कमेंट किया, उसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मस्क के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए राहुल ने लिखा, भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए। राहुल गांधी के जवाब से गदगद मस्क ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा, धन्यवाद राहुल, यह वाकई परेशान करने वाला है।

यहां यह याद रखना भी बहुत जरूरी है कि मस्क पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में इस सेक्टर से जुड़े बड़े कारोबारी स्टारलिंक की एंट्री भारत के बाज़ार में रोककर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जवाब देने के कारण, मामला बहुत गंभीर हो गया है। पिछले कई दिनों से राहुल, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और यह बात स्पष्ट तौर पर नज़र आ रही है केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और विपक्षी दल खासकर राहुल के साथ संवादहीनता की स्थिति आ गई है, जिसे कतई सही नहीं माना जा सकता है। इतने गंभीर मसले पर राहुल की इतनी तेजी से की गई टिप्पणी को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यहां साफ-साफ नजर आ रहा है कि राहुल ने एक बड़ी गलती कर दी है,जिसका जवाब अब उन्हें लगातार देते रहना पड़ेगा।

भारत सरकार ने गुरुवार, 8 अक्टूबर को ही मस्क के आरोपों को खारिज करते हुए यह साफ कर दिया कि, देश में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज के लिए तय नियम सभी के लिए एक जैसे हैं। फिलहाल, तीनों कंपनियों के लिए सुरक्षा समीक्षा की प्रोसेस चल रही है। जैसे ही किसी कंपनी की सुरक्षा जांच पूरी हो जाएगी, वह अगली स्टेप यानी स्पेक्ट्रम आवंटन की मांग करने के लिए आगे बढ़ सकती है। सरकार ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि, यह कहना बिल्कुल गलत है कि नियमों को किसी के साथ भेदभाव करने के लिए लागू किया जा रहा है। मस्क के अलावा एयरटेल के मालिक सुनील भारती मित्तल की कंपनी यूटेलसैट वनवेब और मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो भी लाइसेंस लेने की होड़ में है।

एलन मस्क के आरोप अपनी जगह है लेकिन भारत की कोई भी सरकार देश की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी तरह का समझौता नहीं कर सकती है। इस मामले में भारत के महत्वपूर्ण और बड़े राजनीतिक दलों को एक ही पेज पर होना चाहिए। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह संसद के प्रमुख दलों को इससे जुड़े तथ्यों से अवगत कराएं। सरकार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी मित्र एलन मस्क को भी दो टूक शब्दों में यह बता देना चाहिए कि बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत की सरकार पर कोई दबाव नहीं डाला जा सकता है। यह मामला बहुत बड़ा है और इसे दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों के लिए एक उदाहरण की तरह पेश किया जाना चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि सब कुछ बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए लेकिन ट्रंप प्रशासन जिस तरह से भारत, भारतीय कंपनियों और भारतीयों के खिलाफ लगातार फैसले ले रहा है, उसे भी ध्यान में रखना बहुत जरूरी है।

चुनाव उनके - व्यवस्था हमारी

व्यंग्य

संतोष उत्सुक

दुनिया जानती है, हमारे यहां चुनाव आन, बान और शान से होते हैं। किसी भी स्तर का चुनाव कराने की व्यवस्था करने में हम सिद्धहस्त हैं। हर तरह का चुनाव इतने सौम्य, सरल, सहज, सहयोगी, नैतिक और मानवीय तरीके से होता है कि हमारी व्यवस्था महान मानी जाने लगी है। विश्वगुरुओं की पवित्र धरती के वासी हैं हम। स्वाभाविक है इन वजहों से दुनिया भर में इज्ज़त बढ़ जाती है। विद्वान लोग अपने अपने नजरिए से इसे देखते और समझते हैं। दूसरे देशों के राजनेता और शक्तिशाली शासक हमारी कई व्यवस्थाओं को पसंद करने लगते हैं और चाहते हैं कि उनके देश में ऐसी चुनाव व्यवस्था हो ताकि उनके यहां भी हमारी जैसी आन, बान और शान रहने लगे। पिछले दिनों दुनिया के सबसे ज़्यादा ताक़तवर शासक ने अपनी मानसिक इच्छा ज़ाहिर की कि उनके देश में भी विश्वगुरुओं के देश जैसी चुनाव व्यवस्था होनी चाहिए। 'अपना देश बचाओ' अभियान के अंतर्गत कहा कि मतदान के लिए वैध पहचान पत्र ज़रूरी है। वे हमारी चुनाव व्यवस्था से बहुत खुश हैं लगता है वे हमारी दूसरी विशेषताएं भी समाहित करना चाहते हैं। जैसा शोर शराबा, जुलूस, पोस्टर, बैनर, अपशब्द, मार पिटाई वगैरा यहां होते हैं वैसे ही वहां भी हों। चुनावी उम्मीदवार एक दूसरे पर व्यक्तिगत, पारिवारिक, क्षेत्रीय, धार्मिक और जातीय छींटाकशी करें। ऐसे प्रभावशाली नारों से उदगार प्रकट करें कि खूब सारी भावनाओं को ठेस पहुंचे। वे यह भी चाहते होंगे कि चुनाव में ऐसे वायदे किए जाएं जिनको पूरा करने की उम्मीद न हो। ऐसा लगे रंगीन ख़्वाब दिखाए जा रहे हैं। ऐसे लोग चुनाव लड़ सकें जिनकी कोई सामाजिक, नैतिक और शैक्षिक योग्यता न हो। ऐसे लोगों को उम्मीदवार बना दिया जाए जिनकी जाति, सम्प्रदाय और धर्म के इतने वोटर उनके चुनाव क्षेत्र में हों कि चुनाव हारने की कोई गुंजाइश न हो। अधिकतर उम्मीदवारों का स्वच्छता, पर्यावरण और जन सुविधाओं से कोई नाता न हो। उन पर संजीदा किस्म के दर्जनों मुकदमे दायर हों जिनकी लिस्ट जारी की जाए तो उनके क्षेत्र वासियों को गर्व महसूस हो कि क्या आन, बान और शान वाला उम्मीदवार खड़ा किया है। अगर ऐसा व्यक्ति जीत जाए तो मनमाने काम करे। जनता की पीठ पर अपनी इच्छाओं की कीलें ठोके। सबसे नकली प्यार से बोले और झूठे सहयोग की जप्फियां डालें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उल्लू बन सकें। ऐसी पार्टी टिकट दे जिसे घोड़ों के व्यापार का अच्छा खासा अनुभव हो। चुनावी सभाओं में महिलाओं को टिकट देने की बात जोर शोर से करे लेकिन वास्तव में ऐसा बिलकुल न करे। महिलाओं की वोट हथियाने के लिए जो हो सके करे। अनपढ़ कुबुद्धि लोग चुनाव लड़ें और जीत भी जाएं और पढ़े लिखे प्रशासकों को पढाएं और समझाएं। चुनाव में जितना धन खर्च करें उससे बहुत कम बताया जाए ताकि भ्रष्टाचार जैसी ज़रूरी संस्कृति निरंतर पनपती रहे।

रूस से डीजल खरीदेंगे ट्रंप, जेलेंस्की हुए आग बबूला

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिंडसे ग्राहम को मानो श्रद्धांजलि दे दी है! यह कटाक्ष इसलिए है, क्योंकि भारत रूस से तेल खरीदे तो उस पर सौ फीसदी टैरिफ लगा दिया जाता है, लेकिन अमेरिका वही काम करे तो उसे शानदार फैसला बताया जाता है। यही नहीं, नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, तो ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय पर ही प्रतिबंध लगा दिए। आखिर यह कैसी नीति है? दूसरों को नियमों का पाठ पढ़ाने वाले ट्रंप जब अपने देश के हितों की बात आती है, तो उन्हीं नियमों को भूल जाते हैं। भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव बनाने वाले ट्रंप अब खुद रूस से डीजल खरीद रहे हैं, इस फैसले ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है इसलिए सवाल उठ रहा है कि रूस से तेल खरीदना गलत है, या गलत सिर्फ तब है जब भारत खरीदे? यही है ट्रंप की नीति का दोहरापन और खोखलापन!

देखा जाये तो रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर भारत पर दबाव बनाने वाले ट्रंप का ताजा फैसला उनकी कथनी और करनी के बीच की खाई को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने रूस से तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति के साथ नवंबर में पांच लाख टन, उसके बाद दस लाख टन और फिर कुछ ही समय में तीस लाख टन अतिरिक्त डीजल की आपूर्ति की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल की आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए अस्थायी सामान्य अनुमति भी जारी की है, जिसके अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले कुछ माल पर अप्रैल 2027 तक प्रतिबंधों में छूट का प्रावधान किया गया है।

गौरतलब है कि यह वही प्रशासन है जिसने रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिबंधों को सख्त करने की नीति अपनाई थी। लेकिन जब अमेरिका में ईंधन की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा कारोबारियों पर दबाव बढ़ा, तो रूस से ऊर्जा खरीद अचानक स्वीकार्य हो गई। दरअसल अमेरिका में नवंबर की शुरुआत में मध्यावधि चुनाव होने हैं और ट्रंप की नीतियों के चलते वहां महंगाई अप्रत्याशित रूप से बढ़ गयी है जिसके चलते जनता नाराज है। रिपोर्टों के मुताबिक, सितंबर में अमेरिकी डीजल की कीमत 6.52 डॉलर प्रति गैलन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी थी और शुक्रवार को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन रही। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले महंगाई का सवाल ट्रंप के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुका है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, 78 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने बढ़ती जीवन-यापन लागत के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार माना है। इसलिए जब अमेरिकी मतदाताओं की जेब का सवाल आया, तो रूस से डीजल खरीदना ट्रंप के लिए राष्ट्रीय हित बन गया। लेकिन भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों के अनुसार रूसी तेल खरीदे, तो उसे टैरिफ का सामना करना पड़ता है। इसलिए सवाल उठता है कि यह कैसी निष्पक्षता है? यह कैसी नियम-आधारित व्यवस्था है, जिसमें नियम दूसरों के लिए हैं और छूट अपने लिए?

दूसरी ओर, ट्रंप के इस फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ा दी है। उन्होंने इसे अनुचित और बेईमानी भरा कदम बताते हुए कहा कि इससे पुतिन को जन्मदिन का उपहार मिलने जैसा संदेश जाता है। जेलेंस्की की आपत्ति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि यह घोषणा ऐसे समय हुई, जब ट्रंप के प्रतिनिधि यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ युद्ध समाप्त करने के प्रस्तावों पर बातचीत कर रहे थे।

जेलेंस्की ने यह भी संकेत दिया कि यदि ऊर्जा प्रतिबंधों में ढील दोनों देशों की ओर से सर्दियों में ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने जैसे पारस्परिक समझौते का हिस्सा होती, तो उसका समर्थन किया जा सकता था। लेकिन बिना ऐसी शर्तों के रियायत देना रूस की युद्ध क्षमता को आर्थिक सहारा देने जैसा दिखाई देता है। वहीं अमेरिकी रिपब्लिकन नेता डॉन बेकन ने भी इस फैसले की आलोचना की। उनका तर्क था कि अमेरिकी किसानों और उपभोक्ताओं के लिए डीजल सस्ता करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए रूस से ईंधन खरीदना गलत रास्ता है।

उन्होंने पूछा कि जब अमेरिकी संसद ने रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए कानून पारित किया और ट्रंप ने स्वयं उस पर हस्ताक्षर किए, तो अब उसी दबाव को कमजोर करने का औचित्य क्या है? इसके अलावा, ट्रंप की राजनीति का दूसरा चिंताजनक पहलू अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति उनका रवैया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप प्रशासन ने न्यायालय के विरुद्ध प्रतिबंधों की घोषणा कर दी। नवी पिल्लै को सम्मान ऐसे समय मिला, जब अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव बढ़ने को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही थीं। नोबेल समिति ने युद्ध अपराधियों को जवाबदेह ठहराने और पीड़ितों को न्याय दिलाने वाली अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था को शांतिपूर्ण विश्व की अनिवार्य शर्त बताया। नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलते ही ट्रंप जैसे बौखला गये और कुछ घंटों बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप अमेरिकी नागरिकों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का अभियोजन स्वीकार नहीं करेंगे। अमेरिकी प्रशासन ने न्यायालय के साथ लेन-देन पर रोक लगाने और उसके संसाधनों को बाधित करने की मंशा जाहिर की। वहीं अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने इसे कानून के शासन और अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की बुनियाद पर हमला बताया।

देखा जाये तो यहां भी वही पुराना सवाल सामने आता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून केवल कमजोर देशों और विरोधियों पर लागू होना चाहिए? क्या अमेरिका को अपने नागरिकों और अधिकारियों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही से ऊपर रखने का अधिकार मिल जाना चाहिए? ऐसा लगता है कि वाशिंगटन अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही की सीमाएं अपने हिसाब से तय करना चाहता है। ट्रंप की राजनीति में सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि वे राष्ट्रीय हित का इस्तेमाल कभी प्रतिबंधों को उचित ठहराने के लिए करते हैं, तो कभी उन्हीं प्रतिबंधों को कमजोर करने के लिए। भारत के लिए रूसी तेल आर्थिक और ऊर्जा संबंधी जरूरतों का प्रश्न है, लेकिन अमेरिका के लिए वही रूसी ऊर्जा घरेलू महंगाई घटाने और चुनावी नुकसान रोकने का साधन बन जाती है।इसी तरह, अंतरराष्ट्रीय न्याय की बात तब तक स्वीकार्य दिखाई देती है, जब तक वह अमेरिकी सत्ता और उसके सहयोगियों के हितों से न टकराए। जैसे ही जवाबदेही का सवाल उठता है, स्वतंत्र न्यायिक संस्था को ही निशाना बनाया जाने लगता है। यह केवल नीतिगत असंगति नहीं, बल्कि उस नैतिक दावे की कमजोरी है जिसके आधार पर अमेरिका दुनिया को नियमों, लोकतंत्र और न्याय का उपदेश देता रहा है। ट्रंप ने अपने फैसलों से यह धारणा मजबूत की है कि उनके लिए सिद्धांत स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितियों और राजनीतिक लाभ के अनुसार बदलने वाली चीज हैं।

बहरहाल, ट्रंप चाहे अपने कदमों को अमेरिकी हितों की रक्षा बताएं, लेकिन जब वही कदम दूसरों पर थोपे गए नैतिक मानदंडों को ध्वस्त करते हैं, तो उनकी राजनीति का खोखलापन उजागर होता है। अमेरिका को रूसी डीजल और भारत पर सौ फीसदी टैरिफ, इससे बड़ा दोहरा मापदंड क्या होगा? साथ ही अंतरराष्ट्रीय न्यायालय पर प्रतिबंध लगाकर यदि कोई देश खुद को कानून से ऊपर समझने लगे, तो दुनिया उसे न्याय का संरक्षक नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ का प्रहरी ही मानेगी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में लगी इमरजेंसी इमरान खान की पार्टी की प्रांतीय सरकार बर्खास्त

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को देश के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ते आतंकी हमलों का हवाला देते हुए आपातकाल की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को बर्खास्त कर दिया गया है।

राष्ट्रपति जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 232(1) और 234(1) के तहत यह अधिसूचना जारी की। इसके लागू होते ही मुख्यमंत्री, प्रांतीय मंत्री, सलाहकार, विशेष सहायक और एडवोकेट जनरल को अपने पद तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। आदेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के अधिकार अब पाकिस्तान की संसद या उसके अधीन किसी प्राधिकरण द्वारा चलाए जाएंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार राज्यपाल को प्रांत का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण संभालने का निर्देश दे सकती है।

राष्ट्रपति द्वारा जारी घोषणापत्र के अनुसार, प्रांत में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह विफल हो चुका था। इसमें कहा गया है कि आतंकी घटनाओं की बढ़ती तीव्रता आम नागरिकों की जान और माल के लिए गंभीर खतरा बन गई है। सरकारी संपत्तियों, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा बलों पर लगातार हमले हो रहे हैं। प्रांतीय सरकार आतंकवाद और अराजकता को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने में विफल रही है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई संघीय कैबिनेट की विशेष बैठक में इस फैसले पर मुहर लगाई गई। प्रधानमंत्री ने कैबिनेट से कहा कि प्रांतीय सरकार आतंकवाद के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है और अब कड़ा फैसला लेने का वक्त आ गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में आतंकवाद से लड़ने के लिए प्रांत को 800 अरब पाकिस्तानी रुपये दिए गए, फिर भी स्थिति नहीं सुधरी।यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के नेतृत्व में एक विरोध मार्च निकाला जा रहा था। यह मार्च 4 अक्टूबर को लक्की मरवत से शुरू हुआ था और इसका उद्देश्य इमरान खान की रिहाई और उनके लिए बेहतर इलाज की मांग करना था।

पीटीआई की योजना इस मार्च को इस्लामाबाद ले जाकर धरना देने की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारियों को राजधानी में प्रवेश करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इमरान खान की पार्टी मांग कर रही है कि इमरान खान से तुरंत मिलने दिया जाए, उनके निजी डॉक्टरों को उन तक पहुंच मिले, उनकी पत्नी बुशरा बीबी की मेडिकल जांच कराई जाए और विरोध प्रदर्शन से पहले गिरफ्तार की गईं उनकी बहनों व समर्थकों को रिहा किया जाए। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं और भ्रष्टाचार समेत 100 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

नेपाल : बूढ़ी गंडक में आई अचानक बाढ़ में 10 लापता, 35 से अधिक मकान बहे

काठमांडू, (वार्ता)। नेपाल के उत्तरी गोरखा जिले में रविवार तड़के बूढ़ी गंडक नदी में मलबे से भरी आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। बाढ़ में कम से कम 10 लोग बह गए और 35 से अधिक मकान ध्वस्त हो गए हैं। इस विनाशकारी आपदा में पेइन्यू, बगर, सल्लेरी और घट्टीखोला सहित विभिन्न बस्तियों के लगभग 35 से अधिक मकान, तीन पक्के पुल, चार झूला पुल और एक निर्माणाधीन जलविद्युत परियोजना पूरी तरह बबार्द हो गई है। अचानक आई इस बाढ़ के बाद सैकड़ों भयभीत स्थानीय ग्रामीण अपने घर छोड़कर जान बचाने के लिए ऊंची पहाड़ियों पर शरण लेने को मजबूर हैं। गोरखा के सहायक मुख्य जिला अधिकारी नेत्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि तड़के आई इस भीषण बाढ़ ने आरूघाट, त्रिपुरासुंदरी और सोती-मानबू को जोड़ने वाले पक्का पुलों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा धारचे ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर एक और तीन को जोड़ने वाला बेली ब्रिज, तथा मच्छीखोला-करौजा, ठाडोभार्यांग-जगत और घट्टेखोला-फिलिम को जोड़ने वाले चार झूला पुल भी बाढ़ के तेज बहाव में बह गए हैं। चुमनुबरी ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष निमा लामा और पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ ने चुमनुबरी-3 के पेइन्यू और बगर क्षेत्र में 35 से अधिक घरों को जमींदोज कर दिया। इसके अलावा जगत, सल्लेरी, दोभान और घट्टेखोला की रिहाइशी बस्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। चूरी में हुए भूस्खलन के कारण चुमचेत में स्थित पांच मवेशी शेड भी संपर्क से कट गए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि बूढ़ी गंडक की सहायक नदी %स्यारल खोला% में भूस्खलन के कारण अस्थायी झील बन गई थी, जिसके अचानक फटने से यह जलप्रलय आया है। गोरखा जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस लापता 10 लोगों की तलाश और राहत-बचाव कार्य में जुटी हुई है, जबकि नुकसान का पूरा विवरण जुटाया जा रहा है।

रियाद हवाई अड्डा हमला : मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 12, तीन सौ से अधिक घायल

रियाद, (वार्ता)। सऊदी अरब की राजधानी स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार हुए हूतियों के भयावह हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 पहुंच गई है और घायलों की संख्या 300 पार कर गई है। सऊदी अरब के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (जीएसीए) के अनुसार, मृतकों में चार सऊदी नागरिकों के अलावा बंगलादेश के दो तथा अमेरिका, मिस्र, जोर्डन, सीरिया, फिलिस्तीन और सूडान का एक-एक नागरिक शामिल है। हमले में 309 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने पुष्टि की है कि यह हमला यमन के हूती विद्रोहियों के यात्री टर्मिनल को निशाना बनाकर किया गया था। उन्होंने चेतावनी दी कि गठबंधन सेना इस हमले का निर्णायक जवाब देगी। अल-मालिकी ने यह भी बताया कि गठबंधन सेनाओं ने अल-खर्ज प्रांत में हूतियों की दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल और पूर्वी प्रांत में एक ड्रोन को हवा में ही रोक कर नष्ट कर दिया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अमेरिका हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब के सैन्य अभियानों में शामिल हो सकता है। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री ट्रंप ने कहा, हम इस स्थिति का आकलन कर रहे हैं और जल्द ही कोई फैसला लेंगे।

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाके के समय हवाई अड्डे के पैसेंजर टर्मिनल पर अफरा-तफरी मच गई थी और लोगों को तुरंत बाहर निकाला गया। हमले के बाद सुरक्षा कारणों से रियाद आने-जाने वाली तमाम उड़ानों को रद्द कर दिया गया है या मार्ग बदल दिया गया है। कुवैत एयरवेज सहित कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने अपनी सेवाएं स्थगित कर दी हैं, जबकि एयर इंडिया, फ्लाईदुबई और लुफ्थांसा जैसी कंपनियों ने हूतियों की धमकियों के चलते पहले ही उड़ानें बंद कर दी थीं। अमेरिका, कनाडा, जर्मनी और स्पेन के दूतावासों ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर हवाई अड्डे की ओर न जाने की सलाह दी है।

विकसित भारत के निर्माण में युवा सक्रिय भागीदार बनें: मांडविया

वाराणसी, (वार्ता)

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में भागीदार बनने का आह्वान किया है और कहा है कि युवा स्वयं को विकास यात्रा का केवल लाभार्थी न समझें, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन में शनिवार को खेल मंत्रालय की ओर से मेरा युवा भारत (माई भारत) के माध्यम से यूथ फॉर विकसित भारत सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें युवा प्रतिभाओं, खिलाड़ियों और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने भाग लिया।

डॉ. मांडविया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारतञ्च2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेंगे। विकसित भारत का निर्माण युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए और युवाओं के माध्यम से होना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अनुशासन, सेवा, उत्तरदायित्व और सम्मान जैसे मूल्यों को अपनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि छोटे लेकिन निरंतर प्रयास भी सार्थक बदलाव ला सकते हैं। माई भारत के माध्यम से युवाओं को स्वयंसेवा, नेतृत्व, सामुदायिक सेवा और व्यावहारिक अनुभव के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के युवा कल्याण एवं खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव और भारत सरकार के युवा कार्यक्रम विभाग के सचिव सुनील पालीवाल भी शामिल हुए। इस दौरान भारतीय क्रिकेटर ध्रुव जुरेल और हनुमान अंश के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने भी प्रतिभागियों से संवाद किया।

जेलेंस्की की जगह यूक्रेन को मिले नया राष्ट्रपति, अमेरिकी डीजल संकट के लिए यूक्रेन जिम्मेदार : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेन को अब एक नए राष्ट्रपति की जरूरत है। श्री ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए पर्याप्त प्रयास न करने का आरोप लगाया और अमेरिका में डीजल की बढ़ती कीमतों के लिए भी उन्हें ही जिम्मेदार ठहराया। टेनसी प्रांत के लिए रवाना होने से पहले व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में श्री ट्रंप ने कहा, मेरा सुझाव है कि यूक्रेन को नया नेता चुनना चाहिए, जो समझौता कर सके। श्री जेलेंस्की कई समझौते कर सकते थे, लेकिन न जाने क्यों उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया। रूस ने श्री ट्रंप के इस बयान का स्वागत किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आर्थिक दूत किरिल दिमित्रिव ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप भी अब उन लोगों में शामिल हो गए हैं, जिनका मानना है कि यूक्रेन को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है, जो शांति पर ध्यान केंद्रित करे, न कि जेलेंस्की की तरह युद्ध भड़काने पर। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान श्री जेलेंस्की के अमेरिका-रूस के बीच हुए डीजल समझौते की तीखी आलोचना के बाद आया है। होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले ईंधन की बढ़ती कीमतों पर काबू पाने के लिए अमेरिका ने रूस से डीजल खरीदने का सौदा किया है।

यूरोपीय देशों के अधिकारियों ने भी इस सौदे पर निराशा व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि इससे रूस को युद्ध के लिए वित्तीय मदद मिलेगी। श्री पुतिन से बातचीत के बाद श्री ट्रंप ने घोषणा की थी, रूस अमेरिकी और वैश्विक बाजार में तुरंत तीन लाख टन से अधिक डीजल ईंधन की आपूर्ति करेगा, जबकि नवंबर महीने में पांच लाख टन अतिरिक्त डीजल दिया जाएगा।

इसके जवाब में श्री जेलेंस्की ने इस कदम को %पुतिन के लिए उपहार% करार दिया। उन्होंने कहा कि रूस को पेट्रोलियम उत्पाद बेचने की अनुमति देना उस युद्ध में निवेश करने जैसा है, जिसे खत्म किया जाना चाहिए। अमेरिका-इजरायल के 28 फरवरी को ईरान पर किए गए संयुक्त हमले के बाद से अमेरिका में डीजल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। ईरान और यूक्रेन में जारी संघर्षों ने मिलकर वैश्विक ऊर्जा संकट खड़ा कर दिया है, लेकिन श्री ट्रंप अमेरिका में डीजल की रिकॉर्ड कीमतों के लिए केवल जेलेंस्की को कसूरवार मान रहे हैं।

श्री ट्रंप ने कहा कि उन्होंने श्री जेलेंस्की से रूसी रिफाइनरियों पर हमले रोकने को कहा था, क्योंकि इससे वैश्विक किल्लत हो रही है। उन्होंने कहा, श्री जेलेंस्की दुनिया के लिए मुश्किलें खड़ी करना चाहते हैं। वह हमारे किसानों और पशुपालकों के लिए डीजल को लेकर समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

मक्का-मदीना छोड़ सभी एयरपोर्ट्स निशाने पर, यात्री न करें सफर, सऊदी अरब को हूती लड़ाकों की नई धमकी

रियाद

सऊदी अरब की राजधानी किंग खालिद इंटनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को हुए मिसाइल हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। इस घटना के ठीक एक दिन बाद यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र और हवाई अड्डों के लिए एक नई और गंभीर चेतावनी जारी की है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि पवित्र शहर मक्का और मदीना को छोड़कर पूरे सऊदी अरब के हवाई अड्डे उनकी सेना के लिए ऑपरेशन थिएटर हैं। हूती सैन्य प्रवक्ता ने यात्रियों को सऊदी अरब के हवाई अड्डों से यात्रा न करने की सख्त सलाह दी है। बीते शनिवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बार फिर हमला हुआ। मिसाइल घरेलू उड़ानों के टर्मिनल तीन और चार वाले परिसर से टकराई, जिसमें कई लोग घायल हो गए और 12 लोगों की मौत हो गई। हूतियों ने इस सप्ताह सऊदी हवाई अड्डों, सैन्य ठिकानों और तेल प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। हालांकि, शनिवार के ताजा हमले पर हूतियों की तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। सऊदी अरब में हमलों में तेजी ऐसे समय आई है, जब सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन हूतियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहा है। हाल के हमलों में तीन सऊदी नागरिकों की मौत भी हुई थी। उड़ानों पर भी इसका असर पड़ा है। उड़ान निगरानी वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, रियाद हवाई अड्डे पर पिछले 24 घंटों में 225 उड़ानें रद हुईं। फ्लाईदुबई, लुफ्थांसा समूह पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस सहित कई कंपनियों ने सऊदी अरब के लिए अपनी उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित की हैं। सऊदी अरब में अमेरिका , कनाडा, जर्मनी और स्पेन के दूतावासों ने शनिवार को अपने नागरिकों को रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और उसके आस-पास के इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है।

मौत बनकर आया भालू, तभी अचानक हुआ चमत्कार; एक स्मार्टफोन ने कैसे बचा ली 15 साल के लड़के की जान?

मास्को

रूस के उल्ताई इलाके से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 15 साल के किशोर की जान भालू के खतरनाक हमले के दौरान किसी तरह से बच गई। मेट्रो. यूके की रिपोर्ट के अनुसार, यह डरावनी घटना तब घटी जब वह लड़का और उसका एक दोस्त सुनसान इलाके में गए थे। अचानक एक आक्रामक भालू को अपनी ओर आते देख, दोनों घबरा गए। जान बचाने के लिए किशोर ने पास के पेड़ पर चढ़ने की कोशिश की, लेकिन भालू बेहद तेज था और उसने झपटकर लड़के को पकड़ लिया था और उसे जमीन पर खींचने हुए काटने और नोंचने लगा। भालू के हमले में के बीच वहां मौजूद एक व्यक्ति ने चीख-पुकार सुनकर तुरंत अपने कुत्ते छोड़ दिए, ताकि भालू का ध्यान भटकाया जा सके। हालांकि, असली चमत्कार हाथापाई के बीच में हुआ। भालू ने जब लड़के के कूल्हे पर अपने नुकीले दांत गड़ाए, तो उसका असर उसकी जेब में रखे समार्टफोन पर पड़ा। अत्यधि दबाव और भालू के दांत लगने से फोन की लिथियम-आयन बैटरी में तेज धमाका हुआ और उसमें आग लग गई। इस अचानक हुए धमाके और तेज रोशनी में भालू बुरी तरह घबरा गया और किशोर को छोड़कर तुरंत जंगल की भाग निकला। भले ही स्मार्टफोन के फटने से किशोर की जान बच गई, लेकिन भालू के शुरुआती हमले और फोन की बैटरी फटने के कारण उसे गंभीर चोटें आईं और वह जल भी गय।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कृति खरबंदा ने नारंगी परिधान में साझा की तस्वीर, मां शैलपुत्री के आशीर्वाद के साथ की नवरात्रि की शुरुआत

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने नवरात्रि के पहले दिन अपनी शादी के जश्न की एक खूबसूरत तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। चटक नारंगी रंग के आकर्षक परिधान और हाथों में सजी बारीक मेहंदी में कृति बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं।कृति ने तस्वीर के साथ अपने संदेश में मां शैलपुत्री की कृपा, नई शुरुआत, आंतरिक शक्ति और ऊर्जा के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। अभिनेत्री ने लिखा, नवरात्रि का पहला दिन मां शैलपुत्री की कृपा के साथ नई शुरुआत, आंतरिक शक्ति और ऊर्जा की पवित्र अनुभूति को अपने भीतर समेट रही हूं। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। यह दिन शक्ति, आस्था और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

कृति की यह तस्वीर उनके प्रशंसकों के बीच त्योहार के रंग और उत्साह को दर्शाती है।

84 वर्ष के हुये अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले महानायक अमिताभ बच्चन आज 84 वर्ष के हो गये।11 अक्टूबर 1942 को इलाहाबाद में जन्में अमिताभ बच्चन ने अपने करियर की शुरुआत कोलकत्ता में बतौर सुपरवाइजर की जहां उन्हें 800 रुपये मासिक वेतन मिला करता था।वर्ष 1968 में कलकत्ता की नौकरी छोड़ने के बाद मुंबई आ गये।बचपन से ही अमिताभ बच्चन का झुकाव अभिनय की ओर था और दिलीप कुमार से प्रभावित रहने के कारण वह उन्हीं की तरह अभिनेता बनना चाहते थे ।वर्ष 1969 में अमिताभ बच्चन को पहली बार ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म सात हिंदुस्तानी में काम करने का मौका मिला।लेकिन इस फिल्म के असफल होने के कारण वह दर्शकों के बीच कुछ खास पहचान नहीं बना पाये।वर्ष 1971 में अमिताभ बच्चन को राजेश खन्ना के साथ फिल्म आनंद में काम करने का मौका मिला।राजेश खन्ना जैसे सुपरस्टार के रहते हुये भी अमिताभ बच्चन दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहे।इस फिल्म के लिये उन्हें सहायक अभिनेता का फिल्म फेयर पुरस्कार दिया गया । निर्माता प्रकाश मेहरा की फिल्म..जंजीर .. अमिताभ बच्चन के सिने करियर की महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी।फिल्म की सफलता के बाद बतौर अभिनेता अमिताभ बच्चन फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये।दिलचस्प तथ्य यह है कि फिल्म ..जंजीर ..में अमिताभ बच्चन को काम करने का मौका सौभाग्य से ही मिला ।वर्ष 1973 मे निर्माता -निर्देशक प्रकाश मेहरा अपनी जंजीर फिल्म के लिये अभिनेता की तलाश कर रहे थे।पहले तो उन्होंने इस फिल्म के लिये देवानंद से गुजारिश की और बाद में अभिनेता राजकुमार से काम करने की पेशकश की लेकिन किसी कारणवश दोनों अभिनेताओं ने जंजीर में काम करने से इंकार कर दिया। अभिनेता प्राण ने प्रकाश मेहरा को अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया और उनकी फिल्म ..बांबे टू गोवा ..देखने की सलाह दी।फिल्म को देखकर प्रकाश मेहरा काफी प्रभावित हुये और उन्होंने अमिताभ बच्चन को बतौर अभिनेता चुन लिया ।जंजीर के निर्माण के दौरान एक दिलचस्प वाकया हुआ ..स्टूडियो में फिल्म की शूटिंग के दौरान राजकपूर भी अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे ।उसी दौरान ..राजकपूर ..ने अमिताभ की आवाज सुनी लेकिन तब तक वह नहीं जानते थे कि यह किसकी आवाज है .. उन्होंने कहा कि एक दिन इस दमदार आवाज का मालिक फिल्म इंडस्ट्री का बेताज बादशाह बनेगा। फिल्म जंजीर की सफलता के बाद अमिताभ बच्चन की गिनती अच्छे अभिनेता के रूप मे होने लगी और वह फिल्म उद्योग में ..एंग्री यंग मैन ..कहे जाने लगे। वर्ष 1984 में अपने मित्र राजीव गांधी के आग्रह पर उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया और इलाहाबाद से सांसद का चुनाव लड़ा तथा सांसद के रूप मे चुन लिये गये। अमिताभ बच्चन को अधिक दिनों तक राजनीति रास नहीं आई और तीन वर्ष तक काम करने के बाद उन्होंने सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया ।इसकी मुख्य वजह यह थी कि उनका नाम उस समय बोफोर्स घोटाले में खींचा जा रहा था । सासंद के पद से इस्तीफा देने के बाद अमिताभ बच्चन पुन: फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हो गये ओर उन्होंने फिल्मों में अभिनय करना जारी रखा लेकिन 1990 के दशक के आखिर में उनकी फिल्में असफल होने लगी जिसके बाद अमिताभ बच्चन ने 1997 तक अपने आप को अभिनय से अलग रखा । अमिताभ बच्चन को बतौर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चार बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार,पांच बार फिल्म फेयर पुरस्कार से नवाजा गया। अमिताभ बच्चन को दादा साहब फाल्के पुरस्कार, पद्श्री,पद्मभूषण और पद्मविभूषण समेत कई सम्मान से नवाजा गया है। अमिताभ इन दिनों कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) को होस्ट कर रहे हैं।

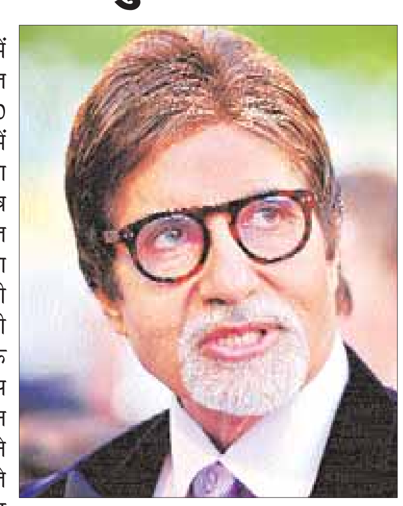

मॉन्स्टर की शूटिंग के अंतिम चरण में पहुंचे सलमान खान, नवंबर में पूरी होगी फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपनी आगामी पैन-इंडिया एक्शन फिल्म मॉन्स्टर की शूटिंग नवंबर तक पूरी करने की तैयारी में हैं। वामशी पैडिपल्ली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के लिए अब हाई-इंटेंसिटी एक्शन दृश्यों की शूटिंग की जा रही है। फिल्म ईद 2027 के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग के अंतिम चरण में सलमान खान मुश्किल हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और क्लोज-क्वार्टर फाइट सीक्वेंस करते नजर आएंगे। इन दृश्यों की शूटिंग के लिए मीरा रोड स्थित एक स्टूडियो में विशेष सेट तैयार किया गया है। फिल्म में भव्य दृश्य प्रभावों के बजाय वास्तविकता के करीब और दमदार एक्शन पर जोर दिया जा रहा है। फिल्म की मुख्य शूटिंग अप्रैल 2026 के मध्य में मुंबई में शुरू हुई थी। इसके बाद गोरेगांव में छह सप्ताह तक चले शेड्यूल में बड़े स्तर के एक्शन दृश्य, भीड़ वाले सीक्वेंस और अफगानिस्तान के एक गांव का सेट तैयार कर फिल्मांकन किया गया। सितंबर में मुंबई में करीब 10 दिनों तक फाइटिंग सीक्वेंस की विशेष तैयारी भी की गई। सलमान खान अपनी फिल्म की शूटिंग के साथ टेलीविजन शो बिग बॉस 20 की प्रतिबद्धताओं को भी संभाल रहे हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह निर्धारित समयसीमा के भीतर फिल्म की शूटिंग पूरी करने में जुटे हैं। शूटिंग समाप्त होने के बाद फिल्म की टीम पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू करेगी। दिल राजू के प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का वर्किंग टाइटल एसवीसी63 है। फिल्म में सलमान खान के साथ नयनतारा, जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, राहुल देव, रोनित रॉय और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

एक सड़क बनाने के लिए दूसरी सड़क कुर्बान!

बिछवा-हीरापुर मार्ग निर्माण के भारी डंपरों ने उजाड़ी पीएमजीएसवाई की सड़क

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाली बहुप्रतीक्षित बिछवा से हीरापुर-चांदाडोह सड़क का निर्माण कार्य एक बार फिर से विवादों के घेरे में आ गया है। 520.32 लाख रुपये की लागत से बनने वाली 5.80 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण कार्य महीनों तक ठप रहने के बाद अब मोतीलाल राय सोनी फर्म द्वारा फिर से शुरू किया गया है, लेकिन इस निर्माण कार्य ने दो गांवों की सड़कों पर ग्रहण लगा दिया है। गौरतलब है कि इस सड़क की स्वीकृति के बाद ठेकेदार ने काम शुरू किया था, लेकिन कुछ ही दिनों में काम को अचानक रोक दिया गया। कार्य रोकने के पीछे कोई आधिकारिक कारण सामने नहीं आया, लेकिन क्षेत्र में चर्चा है कि अधिकारियों और नेताओं के साथ कमीशन का मसला सेट नहीं होने के कारण ठेकेदार ने काम रोक दिया था। इसके साथ ही वन विभाग की आपत्ति भी एक बड़ी वजह बताई जा रही थी, क्योंकि यह सड़क वन क्षेत्र से गुजरती है। महीनों की खींचतान के बाद अब वन विभाग भी खामोश हो गया है और ठेकेदार ने फिर से मशीनें लगा दी हैं, लेकिन इस बार विवाद का कारण कुछ और ही है। बिछवा-हीरापुर मुख्य सड़क तक निर्माण सामग्री पहुंचाने के लिए ठेकेदार कंपनी द्वारा बिछवा और लिंगापौनार गांव की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनी सड़कों का बेतहाशा इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पीएमजीएसवाई से बनी ये सड़कें अधिकतम 12 टन भार क्षमता के लिए डिजाइन की गई हैं, जो हल्के वाहनों और ग्रामीण यातायात के लिए पर्याप्त हैं। लेकिन निर्माण कंपनी 40 से 50 टन वजनी गिट्टी से लदे विशाल डंपरों को दिन-रात इन्हीं कमजोर सड़कों से दौड़ा रही है। नतीजा, गांव की चमचमाती सड़कें जगह-जगह से धंस गई हैं, किनारे टूट गए हैं और डामर उखड़ने लगा है और सीसी सड़क में भी दरारें आ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि एक सड़क बनाने के लिए दूसरी बनी-बनाई सड़क को बर्बाद किया जा रहा है।

भारी वाहनों की आवाजाही से टूटी सड़क, समस्या के संबंध में जानकारी देते ग्रामीण

तंग गलियों में मौत बनकर दौड़ रहे डंपर

समस्या सिर्फ सड़क टूटने की नहीं, बल्कि जान के खतरे की भी है। बिछवा और लिंगापौनार की सड़कें काफी तंग हैं, दोनों तरफ घर हैं, बच्चे खेलते हैं, महिलाएं और बुजुर्ग पैदल चलते हैं। इन संकरी गलियों से जब 50 टन के डंपर सरपट दौड़ते हैं, तो पूरा गांव दहल जाता है। धूल का गुबार और कंपन से घरों की दीवारों में दरारें तक पड़ने लगी हैं।

किसी भी वक्त बड़े हादसे की आशंका से ग्रामीण दहशत में हैं। ग्रामीण चैनलाल पटले ने कहा, रोड बनना हमारे लिए भी जरूरी है, विकास होना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमारे गांव की सड़क को बर्बाद करके बनाया जाए। ठेकेदार को चाहिए कि निर्धारित कम क्षमता वाले छोटे वाहनों से माल ढुलाई करे। भारी वाहनों की आवाजाही तत्काल बंद की जाए। युवा ग्रामीण शुभम वारके ने रोष जताते हुए कहा, प्रधानमंत्री सड़क योजना से बनी सड़क हमारे गांव की लाइफलाइन है। हमने वर्षों इंतजार के बाद यह सड़क पाई थी। अब ठेकेदार की मनमानी से यह सड़क महीनों में ही खत्म हो जाएगी। यह सरकारी पैसे की सीधी बर्बादी है। वहीं गिरधारी सहारे ने बताया, भारी वाहनों के कारण सड़क तो टूट ही रही है, साथ ही स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

अफसरों की बेरुखी से बढ़ा आक्रोश

सबसे ज्यादा आक्रोश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के रवैये को लेकर है। ग्रामीणों का आरोप है कि जब उन्होंने इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अधिकारियों को फोन लगाकर शिकायत करनी चाही, तो अधिकारियों ने कॉल रिसीव करना तक मुनासिब नहीं समझा। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यपालन यंत्रियों से मांग की है कि वे तत्काल मौके का निरीक्षण करें, भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाएं और यदि ठेकेदार ने गांव की सड़क को क्षतिग्रस्त किया है तो उसकी मरम्मत उसी के खर्चे पर कराई जाए। साथ ही ठेकेदार को वैकल्पिक मार्ग से या कम क्षमता वाले वाहनों से सामग्री परिवहन का निर्देश दिया जाए। फिलहाल, बिछवा-लिंगापौनार के ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह चक्का जाम और आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बालाघाट में 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जिला स्तरीय वॉलीबॉल स्पर्धा

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। नगर में लगभग आठ वर्ष के लंबे अंतराल के बाद वॉलीबॉल खेल को पुनः नई पहचान और मंच देने की तैयारी शुरू हो गई है। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी बालाघाट एवं नगर के युवा व्यवसायियों के संयुक्त प्रयास से आगामी 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक उत्कृष्ट खेल मैदान में जिला स्तरीय वॉलीबॉल स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग की लगभग 25 टीमें हिस्सा लेंगी। खास बात यह है कि स्पर्धा का आयोजन दिन और रात दोनों समय किया जाएगा तथा इसका समापन 1 नवंबर, मध्यप्रदेश स्थापना दिवस को समर्पित रहेगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को नगर के सर्किट हाउस में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन किया गया। समाजसेवी राजेश पाठक को आयोजन समिति का अध्यक्ष, युवा व्यवसायी श्रेयांश वैद्य एवं अजय मिश्रा को उपाध्यक्ष, गुलमोहर फाउंडेशन प्रमुख अनुराग चतुरमोहता को सचिव तथा रमेश रंगलानी एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष व चेंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष अभय सेठिया को संरक्षक बनाया गया। वहीं कैलाश चौरडिया को सहसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।समिति में डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी, सचिव अभिषेक पांडे, कोषाध्यक्ष आशीष मिश्रा सहित वॉलीबॉल खिलाड़ी सुधीर तोमर, शैलेश शुक्ला, अतीक खान, बंटी तिवारी समेत अन्य सदस्यों को शामिल किया गया है।बैठक में प्रतियोगिता की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा करते हुए एकेडमी अध्यक्ष तपेश असाटी ने कहा कि बालाघाट जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कबड्डी के बाद वॉलीबॉल सबसे लोकप्रिय खेलों में शामिल है। किरनापुर, मेंहदीवाड़ा और कायदी सहित अनेक क्षेत्रों में वॉलीबॉल की बड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित होती रही हैं। इसके बावजूद नगर मुख्यालय में पिछले करीब आठ वर्षों से इस खेल की बड़ी प्रतियोगिता नहीं हुई। इसी कारण युवाओं और आम नागरिकों में वॉलीबॉल के प्रति पुनः रुचि पैदा करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका का भी सहयोग अपेक्षित है।

विधायक ने कटेदरा में की बैठक

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

क्षेत्र के किसानों को खरीफ फसल के लिए पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधायक गौरव सिंह पारधी ने कटेदरा में सिंचाई विभाग के अधिकारियों और टेल में आने वाले गांवों के किसानों के साथ ग्राम पंचायत भवन में बैठक कर विस्तृत चर्चा की। बैठक में नहलेसरा जलाशय की नहरों की वर्तमान सिंचाई व्यवस्था और अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने को लेकर गहन चर्चा की गई। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि नहरों में सिल्ट सफाई, टूटी नहरों की मरम्मत और गेटों की व्यवस्था दुरुस्त की जाए ताकि किसानों को टेल तक पूरा पानी मिल सके। विधायक पारधी ने कहा, हमारा प्रयास है कि खरीफ की फसल के लिए किसानों को नहरों के माध्यम से अंतिम छोर तक सिंचाई का पानी उपलब्ध हो। इस दिशा में सिंचाई विभाग के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। किसान की समृद्धि ही हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर तिरोड़ी जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सुरेश ठाकुर, ग्राम पंचायत कटेदरा, कोहका सहित अन्य पंचायतों के सरपंचगण और भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार में 100 साल बाद जंगली भैंसों की वापसी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़े बाड़े में किया स्थानांतरित

काजीरंगा से लाए गए आठ जंगली भैंसों को क्यूरंटाइन के बाद 17 हेक्टेयर के बाड़े में छोड़ा, अगले तीन वर्षों में 50 भैंसों को बसाने का लक्ष्य

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में विलुप्त हो चुके जंगली भैंसों को उनके प्राकृतिक आवास में पुनः स्थापित करने की दिशा में रविवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार परिक्षेत्र में जंगली भैंसा पुनर्स्थापना कार्यक्रम के अंतर्गत क्वारंटाइन अवधि पूरी कर चुके आठ जंगली भैंसों को एक हेक्टेयर के छोटे बाड़े से 17 हेक्टेयर क्षेत्रफल में निर्मित बड़े बाड़े में स्थानांतरित कर मुक्त किया। इस पहल का उद्देश्य जंगली भैंसों को क्षेत्र की आबोहवा और पर्यावरण के अनुकूल बनाकर उनके प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापित करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है। लगभग 100 वर्षों बाद कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार परिक्षेत्र में जंगली भैंसों की पुनर्स्थापना का दूसरा चरण प्रारंभ हो रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के सहयोग से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 2200 किलोमीटर की दूरी तय कर आठ जंगली भैंसों को मध्यप्रदेश लाया गया है। वर्षाकाल समाप्त होने के बाद इन्हें प्राकृतिक आवास में बसाने की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा।

दो चरणों में काजीरंगा से लाए गए आठ जंगली भैंसे- जंगली भैंसा पुनर्स्थापना परियोजना के तहत असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से दो चरणों में आठ जंगली भैंसों को कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार परिक्षेत्र में लाया गया था। प्रथम चरण में 28 अप्रैल 2026 को तीन मादा और एक नर जंगली भैंसे को विशेष रूप से निर्मित एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के बाड़े में छोड़ा गया। इसके बाद 9 मई 2026 को तीन मादा और एक नर जंगली भैंसे को इसी बाड़े में रखा गया।

कुल छह मादा और दो नर जंगली भैंसों को छोटे बाड़े में क्वारंटाइन कर रखा गया, ताकि वे यहां के वातावरण और जलवायु के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। क्वारंटाइन अवधि पूरी होने के बाद 11 अक्टूबर को मुख्यमंत्री ने सभी आठ जंगली भैंसों को 17 हेक्टेयर के बड़े बाड़े में स्थानांतरित कर मुक्त किया।

तीन वर्षों में 50 जंगली भैंसों को बसाने का लक्ष्य-मध्यप्रदेश के वन क्षेत्रों से जंगली भैंसे लगभग 150 वर्ष पहले विलुप्त हो चुके थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से वन विभाग ने इस प्रजाति को पुनः स्थापित करने के लिए विशेष योजना तैयार की है। सूपखार क्षेत्र में पूर्व में जंगली भैंसों की उपस्थिति के प्रमाण मिलने के आधार पर यहां पुनर्स्थापना परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत आगामी तीन वर्षों में कुल 50 जंगली भैंसों को पुनः स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह पहल मध्यप्रदेश में जैव विविधता के संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को मजबूत बनाने और विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वन्यजीव संरक्षण के साथ क्षेत्र के विकास पर जोर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार विलुप्त हो चुके वन्यजीवों को पुनः स्थापित कर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को नौरादेही में रानी दुर्गावती के नाम पर अभयारण्य बनाकर चीतों के लिए तीसरा ठिकाना विकसित करने की पहल की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश से नक्सलवाद के खात्मे के बाद इस क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खात्मे और लाल सलाम को अंतिम सलाम के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के क्रम में वे पांच माह में चौथी बार बालाघाट जिले में आए हैं।

वन विभाग के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित- कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्रीमती समिता राजोरा, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगतसिंह नेताम, बालाघाट के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री विनीत जैन, कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, पूर्व मंत्री रामकिशोर कांवरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनुपमा नेताम, श्री रविंद्र मणि त्रिपाठी, कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक श्री प्रकाश वर्मा, उप संचालक (कोर) सुश्री अमिथा के.बी., उप संचालक (बफर), समस्त सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी तथा स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा। जंगली भैंसों की यह पुनर्स्थापना परियोजना कान्हा टाइगर रिजर्व की जैव विविधता को समृद्ध करने के साथ ही मध्यप्रदेश में वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों को नई दिशा देने वाली पहल है।

सिवनी की बेटी अरुणिमा राय, आल इंडिया राइफल शूटिंग (दोनो वर्गों) में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित

सिवनी (स्वतंत्र मत)। विगत दिनों मोहाली पंजाब मे आल इंडिया जी.व्ही मालवंकर राइफल शूटिंग की प्री-नेशनल स्तर की जूनियर वर्ग की 10.मीटर राइफल चैंपियनशिप संपन्न हुई जिसमें मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अरुणिमा राय ने प्रतियोगिता में भाग लिया और देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतियोगियो के बीच 10 मी.राइफल शूटिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुई । इसी तरह भोपाल में आयोजित हुई आल इंडिया ओपन चैपियनशिप मे भाग लिया जिसमें जूनियर वर्ग में 20 वीं एवं सीनियर वर्ग मे 31 रैंक प्राप्त किया और आगामी होने वाली राष्ट्रीय स्तर की 10 मीटर राइफल शूटिंग चैपियनशिप के लिए चयनित हुई जिस हेतु अरुणिमा राय को आगामी माह में आयोजित होने वाली आल इंडिया राइफल शूटिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेडल जीतने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की गयी ।

ज्ञात होवे कि कु.अरुणिमा राय पूर्व बीआरसी श्री अरुण राय एवं श्रीमती अंजना राय वरिष्ठ अध्यापक की बेटी हैं। वतादें कि अरुणिमा राय वर्तमान में इंदौर से पढाई के साथ साथ एयरफोर्स पायलट बनने की तैयारी कर रही है।

मेरी उम्र 36 वर्ष है...अंतिम शब्द कहकर दुनिया से विदा हुए आरक्षक सूर्य बघेल

सिवनी (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पुलिस में 16 वर्षों तक सेवा देने वाले आरक्षक सूर्य बघेल के असामयिक निधन से पुलिस विभाग, मित्रों और परिचितों में शोक की लहर है। वे सिवनी के झूलेलाल कॉलोनी, महामाया वार्ड निवासी थे। चांद थाने में पदस्थापना के दौरान उन्होंने अपनी कार्यशैली से अलग पहचान बनाई थी। आरक्षक सूर्य बघेल के निधन की खबर से उनके परिवार और शुभचिंतकों को गहरा आघात पहुंचा है। उनके सहयोगी उन्हें एक कर्तव्यनिष्ठ, मिलनसार और मददगार पुलिसकर्मी के रूप में याद कर रहे हैं। अस्पताल में उपचार के दौरान उन्होंने कहा था, मेरी उम्र 36 वर्ष है उनके ये अंतिम शब्द अब परिवार और साथियों की यादों में हमेशा जीवित रहेंगे।

हृदय की बीमारी से जूझ रही मुस्कान को मिला उपचार, फिर लौट आई खुशियां

आरबीएसके के माध्यम से निःशुल्क उपचार से स्वस्थ हुई मासूम मुस्कान

सिवनी (स्वतंत्र मत)

साल की मुस्कान यादव के लिए बचपन के दिन उतने सहज नहीं थे, जितने होने चाहिए थे। हृदय से जुड़ी समस्या के कारण उसकी सेहत को लेकर परिवार हमेशा चिंतित रहता था। बेटी के उपचार की जरूरत थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि महंगे इलाज का खर्च आसानी से उठा सके। इसी बीच राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के माध्यम से मुस्कान की बीमारी की पहचान हुई और उसके उपचार की राह आसान हुई। गोपालगंज के सापापार निवासी मुस्कान की आरबीएसके के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच की गई। जांच में उसके हृदय से संबंधित समस्या की पहचान हुई। इसके बाद आवश्यक उपचार के लिए उसे जबलपुर स्थित बडेरिया मेट्रोप्राइम मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल भेजा गया। यहां चिकित्सकीय उपचार के बाद मुस्कान के स्वास्थ्य में सुधार हुआ और अब वह स्वस्थ है। मुस्कान के स्वस्थ होने के साथ ही परिवार की सबसे बड़ी चिंता भी दूर हो गई। जिस बीमारी को लेकर माता-पिता परेशान थे, उसका उपचार संभव होने से अब मुस्कान अपने भविष्य के सपनों की ओर आगे बढ़ रही है। उसके लिए यह सिर्फ बीमारी से राहत नहीं, बल्कि सामान्य और खुशहाल जीवन की ओर लौटने का अवसर है।

मुस्कान की माता ललिता यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण बेटी का उपचार कराना परिवार के लिए बड़ी चुनौती था। आरबीएसके के माध्यम से बीमारी की पहचान होने और उपचार की सुविधा मिलने से उनकी बेटी को स्वस्थ होने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल ने उनके परिवार की बड़ी चिंता दूर कर दी। आज मुस्कान के चेहरे पर लौटी मुस्कान इस बात की कहानी कहती है कि समय पर बीमारी की पहचान और उपचार किसी बच्चे का पूरा भविष्य बदल सकता है। आरबीएसके का उद्देश्य भी यही है कि स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण किसी बच्चे के सपने न रुकें और प्रत्येक बच्चे को समय पर जांच, उपचार एवं बेहतर स्वास्थ्य का अवसर मिले।

बाजार में गुमे 4 वर्षीय मासूम को परिजनों से मिलाया

सिवनी (स्वतंत्र मत)। बरघाट के साप्ताहिक बाजार के दौरान एक करीब 04 वर्षीय बच्चा बाजार में अकेला घूमता हुआ मिला। भीड़-भाड़ होने से बच्चा अपने परिजनों से बिछड़ गया था। सूचना मिलते ही बरघाट थाना पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए बच्चे को सुरक्षित थाना लाया गया। बच्चे की पहचान एवं परिजनों का पता लगाने हेतु सोशल मीडिया एवं आस-पास के ग्रामों में तत्काल सूचना प्रसारित की गई। थाना स्टाफ द्वारा बच्चे से प्रेमपूर्वक पूछताछ करने पर बच्चे ने अपना नाम शिवांश परते एवं पिता का नाम विनोद परते बताया।

अरहर की फसल में पत्ती लपेटक कीट के प्रकोप से बचाव के लिए किसानों को सलाह

सिवनी (स्वतंत्र मत)। वर्तमान में अरहर की फसल में पत्ती लपेटक कीट (लीफ वेबर) का प्रकोप देखा जा रहा है। इस कीट की सूंडियां पत्तियों को आपस में मोड़कर जाला बना लेती हैं तथा जाले के अंदर रहकर पत्तियों एवं कलियों को नुकसान पहुंचाती हैं। इससे फसल की वृद्धि प्रभावित होने के साथ उत्पादन में भी कमी आ सकती है। किसानों को फसल की नियमित निगरानी करते हुए प्रारंभिक अवस्था में ही कीट नियंत्रण के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। प्रकोप प्रारंभ होने पर खेत में दिखाई देने वाले जालों एवं प्रभावित पत्तियों को तोड़कर खेत से बाहर ले जाकर नष्ट करें अथवा मिट्टी में दबा दें। जैविक नियंत्रण के लिए नीम अर्क (हृस्यश्व 5 प्रतिशत) अथवा नीम ऑयल 3000 पीपीएम का 2 से 3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव किया जा सकता है। अधिक प्रकोप की स्थिति में निम्न में से किसी एक अनुशंसित कीटनाशक का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें-

एमामेक्टिन बेंजोएट 5 प्रतिशत स्त्र - 80 से 100 ग्राम प्रति एकड़। क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 प्रतिशत स्ष्ट - 60 मिलीलीटर प्रति एकड़। फ्लूबेंडियामाइड 39.35 प्रतिशत स्ष्ट - 40 मिलीलीटर प्रति एकड़। इंडोक्साकार्ब 15.8 प्रतिशत श्श्ष्ट - 135 मिलीलीटर प्रति एकड़। किसानों को सलाह दी गई है कि कीटनाशक का छिड़काव साफ मौसम में करें तथा मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकारी कीटों को होने वाले संभावित नुकसान को कम करने के लिए शाम के समय छिड़काव करना उचित रहेगा। पत्ती लपेटक कीट द्वारा बनाए गए जालों के कारण दवा का सूंडी तक पहुंचना कठिन हो सकता है, इसलिए छिड़काव के दौरान पौधों को अच्छी तरह से भिगोना सुनिश्चित करें।

कार्यालय जनपद पंचायत परसवाड़ा, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/1943/श.का.ज.पं./2026 दिनांक 09.10.2026

॥ निविदा सूचना ॥

कार्यालय जनपद पंचायत परसवाड़ा अंतर्गत बाजार चौक स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स दुकानों के अंतरण किये जाने निविदा की सूचना पत्र क्रमांक/1867/श.का.ज.पं./2026 परसवाड़ा, दिनांक 30.09.2026 के तहत कुल 19 दुकानों की पुनः निविदा निकाली गई है, जो दिनांक 05.10.2026 को प्रातः 10:00 बजे से ऑनलाइन वेबसाइट https://mptenders.gov.in मे उपलब्ध है, जो कि 26.10.2026 शाम 06:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। जिसमें निविदा दिनांक 28.11.2025 को टेक्निकल एवं 29.10.2026 को वित्तीय निविदा 11 बजे से कार्यालय के सभा कक्ष में खोली जानी है।

दुकानों के आरक्षण एवं नीलामी से संबंधित शर्तें जनपद पंचायत परसवाड़ा, तहसील कार्यालय परसवाड़ा एवं सर्व ग्राम पंचायतें .... जनपद पंचायत परसवाड़ा के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत परसवाड़ा

आत्मजागृति का महापर्व हरेमाधव वर्सी पर्व

सतगुरु की शरण में उमड़ा जनसागर

कटनी (स्वतंत्रमत)।

माधव नगर 10 अक्टूबर को हरेमाधव धाम में श्रद्धा और भक्ति का अनोखा दृश्य देखने को मिला। हजारों श्रद्धालु जो 9 अक्टूबर को नहीं पहुंच पाए थे, वे प्रातःकाल से ही हजारों संगतें हरेमाधव धाम में सतगुरु दर्शन एवं सत्संग का लाभ प्राप्त करने पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत अरदास मेरे सतगुरां हम शरण तेरी आए से हुई, जिसके पश्चात भजन-राग संकीर्तन और हरे माधव सद्ग्रंथ वाणियों का गायन हुआ। पूरे परिसर में भक्ति और आनन्द छाया रहा हरेमाधव की गूंज वातावरण को पवित्र बना रही थी।

करुण लीलाओं के चलचित्र से भाव विभोर श्रद्धालु

कार्यक्रम में एलईडी स्क्रीन पर सतगुरु बाबा माधवशाह जी और सतगुरु बाबा नारायणशाह साहिब जी की परम उपकारी लीलाओं का चलचित्र प्रस्तुत किया गया। इसमें दर्शाया गया कि सतगुरु सदैव अपने भक्तों के साथ हैं- अदृश्य रूप में भी वे हर क्षण हमारी रक्षा करते हैं। जब हम सतगुरु द्वारा दिए गए अमृत नाम का सिमरन ध्यान का अभ्यास नित्य नियम से करते हैं, तब हमें जीवन की वास्तविक उद्देश्य का बोध होता है। जब जब भक्त पुकारते हैं सतगुरु दौड़े आते हैं शिष्य संगतों का संरक्षण करते हैं। अनादि युगों से समस्त लोक-मंडलों में जीवों के आत्म-उद्धार और कल्याण का मार्ग केवल परम कृपालु, जीवनमुक्त सतगुरु की असीम करुणा से ही प्रकाशित हुआ है। पूर्ण कमाई वाले जीवनमुक्त सतगुरु जब अपनी अगम, अगाध और जीव-उद्धारी लीलाओं का विस्तार करते हैं, तब जीवों पर कृपा और मेहर का ऐसा अनवरत प्रवाह बहता है, जिसका मोल कोई जन्म, कोई संचित पुण्य या संसार का कोई भी वैभव नहीं चुका सकता। उनके दिव्य श्रीवचन हरे माधव और पावन श्रीदर्शन अंतरघट के समस्त संताप मिटाकर उसे पूर्णतः शीतल और निर्मल कर देते हैं। उनकी अपार महिमा हृदय में निश्छल, शुद्ध भगति जगाती है और उनकी दया जीव को समस्त विकारों से मुक्त कर श्रीचरणों की शरण में ला बिठाती है। हरे माधव ऐसे दयालु सतगुरु की पावन लीलाओं को निहारते हुए उनके श्रीचरणों में दासत्व भाव से टिकना, प्रेमा-भगति में अपना सर्वस्व अर्पित करना और उनकी पवित्र चरण-रज को जीवन का परम प्रसाद स्वीकार करना ही जीवात्मा के लिए सबसे बड़ा परम सौभाग्य है। भक्त वत्सल जीवनमुक्त सतगुरु की विराट लीलाओं के श्री दर्शन चल चित्र के माध्यम से सतगुरु जी संगतों को आत्मबोध करा वास्तविकता का परिचय कराते हैं- जैसे दर्पण में हम अपना चेहरा देखते हैं, वैसे ही सतगुरु हमें हमारा असली स्वरूप दिखाते हैं। वे हमें हमारी आत्मा को स्वपहचान कराते हैं। जीवनमुक्त सतगुरु के प्रत्येक कार्य का उद्देश्य केवल जीवों का कल्याण होता है। जो उनकी महिमा को समझ लेता हैए वही उस असीम रहमत का अधिकारी बनता है। जैसा कि कहा गया है- गोविंद भाव भगत का भूखा। रहमत की बारिश और अमृत नाम का वरदान। हरे माधव वर्सी पर्व वह अवसर है जब सतगुरु साहिबान की रहमत की वर्षा हर हृदय को भिगो देती है। यह पर्व आत्मिक जागरण और रूहानी मिलन का प्रतीक है। सतगुरु जीवों पर अमृत नाम की संजीवनी बूटी का वरदान बरसाते हैंए जो जीवन में सच्चा सुख और आत्मिक प्रकाश प्रदान करती है।

सतगुरु से जुड़ाव ही सच्ची रोशनी

जैसे बिना तार जोड़े बल्ब नहीं जलता, वैसे ही जब तक हम अपनी जीवन-तार सतगुरु से नहीं जोड़ते, तब तक जीवन में रोशनी नहीं आती। नाम, भक्ति और सेवा ही वह साधन हैं जो हमें उस दिव्य शक्ति से जोड़ते हैं। सतगुरु बताते हैं कि परम हरेमाधव धाम की भाषा शब्दों की नहीं, बल्कि सेवा, सिमरन, ध्यान और भजन-बंदगी की भाषा है- यही आत्मा की सच्ची जुबान है। 9 और 10 अक्टूबर.... ये केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं हैं। इन दो दिवसीय पर्व की प्रतीक्षा की अनुभूति तो उन जीवात्माओं से पूछिए, जो महीनों पहले से ही अपने प्यारे सतगुरु के श्री दर्शन दीदार पाने, पावन लीलाओं देखने और उनके पावन सानिध्य में कुछ पल बिताने के लिए दीवानी-सी होने लगती हैं। सतगुरु की पावन सान्निध्य में बैठना, उनके पावन श्रीदर्शन करना और उनकी मेहर कृपाओं की अनुभूति करना अपने आप में कितना बड़ा सौभाग्य है, इस धरती पर सतगुरु के पावन श्रीचरणों सानिध्य में बैठकर उनकी मेहर कृपाओं और उनके दिव्य दर्शन का अवसर मिलना विरले अदभुत आनन्द सुअवसर है।

संगत, समर्पण और आत्म जागृति

जब हम संगत में बैठते हैं, सतगुरु की शरण में जाते हैं, तो हमारी चेतना जागती है। समर्पण भाव से जुड़े श्रद्धालु मन की अशांति से मुक्त होकर आत्मिक शांति का अनुभव करते हैं। सतगुरु की महिमा और उनकी रहमत के प्रति हर दिल में गहरा कृतज्ञता भाव उमड़ता है।

सेवा और चिकित्सा, प्रेमभाव का प्रतीक

9-10 अक्टूबर को बाबा माधव शाह चिकित्सालय में दो दिवसीय निरूशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें कटनी, जबलपुर, नागपुर और रायपुर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने हजारों जरूरतमंदों को चिकित्सा सेवा प्रदान की। अस्पताल द्वारा निरूशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं, जो सेवा-भाव और मानवीयता का सुंदर उदाहरण रही।

अपार कृपा की बरसात में डूबा माधव नगर

9 और 10 अक्टूबर को माधव नगर भक्ति, सेवा और प्रेमभाव की ऊर्जा से आलोकित रहा। हजारों श्रद्धालुओं ने सच्चे प्रेम और विश्वास से हरे माधव वरसी पर्व का आनंदमय लाभ उठाया। पूरे नगर में एक ही भाव गूंज रहा था।

कटनी महिला कांग्रेस ने मनाया काला दिवस

कटनी (स्वतंत्रमत)।

आज कटनी शहर महिला कांग्रेस द्वारा महिला जिला अध्यक्ष रजनी वर्मा के नेतृत्व में महिला कांग्रेस एवं वरिष्ठ कांग्रेस जनों ने मिलकर काला दिवस मनाया, यह काला दिवस दिल्ली में राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी सहित इंडिया ब्लॉक के सांसदों के साथ किए गए दुर्व्यवहार एवं निर्वाचन आयोग से जवाब देही की मांग को लेकर देश भर में कांग्रेस जनों द्वारा मनाया गया, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना जवाब मांगना और जनता के मत की पारदर्शिता की मांग करना हमारा संवैधानिक अधिकार है जिसका भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगातार हनन किया जा रहा है और इसके विरोध में पूरे मध्य प्रदेश में महिला कांग्रेस सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही है, वरिष्ठ कांग्रेसी प्रियदर्शन गौर ने कहा कि सत्ता पक्ष के द्वारा लगातार भ्रष्टाचार और तानाशाही पूरे देश भर में की जा रही है और वोट चोरी के माध्यम से जनता का संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है जिसका विरोध पूरी कांग्रेस पार्टी देश भर में कर रही है। वरिष्ठ कांग्रेसी राकेश जैन काका ने कहा की मत देने का अधिकार जनता का संवैधानिक और मूलभूत अधिकार है असवैधानिक रूप से वोटर लिस्ट से बिना बताए वोटरों के नाम काटना और नए नाम को ना जोड़ना लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ा खतरा है कांग्रेस के संगठन मंत्री प्रेम बत्रा ने कहा कि देश में अब तक कीमती सामानों की चोरी सुनी थी वोट की चोरी भाजपा सरकार में पहली बार देखी और सुनी जा रही है जिसका विरोध पूरी जनता को मिलकर करना चाहिए। सेवा दल अध्यक्ष मंगल सिंह ने कार्यक्रम का समापन और आभार व्यक्त करते हुए कहा की जनता के हित के लिए कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के साथ खड़ी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुमन रजक, दुर्गावती कोल, रुक्मणी पांडे, रूपा तिवारी, अर्चना जायसवाल, सुनीता सोनी, कल्पना पाठक, किरण सोनी, मंजू रजक, वरिष्ठ कांग्रेसी प्रियदर्शन गौर, राकेश जैन कक्का, प्रेम बत्रा, आनंद पटेल, अशफाक अहमद, चोखे भाईजान अजय जैसवानी श्याम पाहुजा, मंगल सिंह, दिलदार सिंह, रमेश सोनी, दिग्विजय सिंह, संजू गुप्ता, अभय गौतम, ब्रजेश मौय, इमरान खान, उदय सिंह, ओमप्रकाश सकतेल, साहिल नामदेव, मोहम्मद फरीद, अशफाक चिस्ती, हर्षित मिश्रा आदि कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

अब कसेगा विकास शुल्क का शिकंजा

87 अवैध कॉलोनियां नगर निगम के राडार पर

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर की अवैध कॉलोनियों में अब विकास शुल्क वसूली को लेकर नगर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। 87 चिन्हित कॉलोनियों के अभिन्यास का अंतिम प्रकाशन होने के बाद निगम ने संबंधित लोगों को डिमांड नोटिस बांटने शुरू किए हैं। नोटिस मिलने के बाद आपत्ति दर्ज कराने वालों को एक सप्ताह के भीतर रजिस्ट्री, खसरा, भवन अनुज्ञा जैसे वैध दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष रखना होगा। इसके लिए निगम ने छह विशेष दल मैदान में उतारे हैं। कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह के मुताबिक, तिलक कॉलेज के पास नियमित की गई कॉलोनी में राजकुमार जैन के खसरा नंबर 652 और 653 सहित निर्धारित वार्डों में नोटिस वितरित किए गए हैं। आपत्ति मिलने पर संबंधित अभिलेखों के आधार पर उसका निराकरण किया जाएगा। यानी केवल आपत्ति दर्ज कराना पर्याप्त नहीं होगा, उसके समर्थन में दस्तावेज भी देने होंगे। यह कार्रवाई मध्य प्रदेश

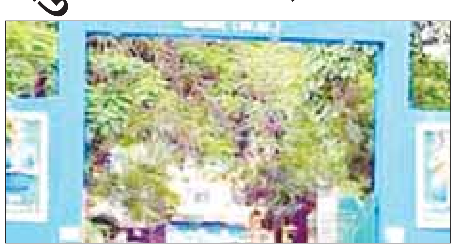

नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम, 2021 के तहत की जा रही है। 31 दिसंबर 2016 से पहले की चिन्हित 87 अनधिकृत कॉलोनियों के अभिन्यास का अंतिम प्रकाशन कर विकास शुल्क निर्धारित किया गया है। कार्यपालन यंत्री, भवन अनुज्ञा और कॉलोनी सेल के निर्देशन में गठित छह दल अब नोटिस वितरण, शुल्क निर्धारण और वसूली की प्रक्रिया संभाल रहे हैं। नगर निगम की कार्रवाई के सामने अब सवाल यह है कि तय विकास शुल्क जमा कराने के बाद इन कॉलोनियों में सड़क, नाली और दूसरी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति कितनी सुधरेगी। शुल्क वसूली की प्रक्रिया के साथ नागरिक सुविधाओं का विकास भी जरूरी है।

नवरात्र शुरू, मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता

नौ दिन होगी मां जगदम्बे के विविध स्वरूपों की उपासना

कटनी (स्वतंत्रमत)।

आदिशक्ति जगतजननी मां दुर्गा की शक्ति उपासना का महापर्व शारदेय नवरात्रि आज से शुरू हो गया। नौ दिनों तक मां जगदम्बे के नौ स्वरूपों की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। आज से मां के उपासकों का नौ दिनी व्रत भी शुरू हो गया। भोर होते ही देवी मंदिरों में जल ढारने का सिलसिला शुरू हो गया। सबसे ज्यादा भीड़ जालपा मढ़िया में नजर आई। यहां जवारे बोए गये और हर रोज माता का आकर्षक श्रृंगार करते हुए धार्मिक अनुष्ठान का सिलसिला चलेगा। नवरात्र का समापन नवमी के दिन होगा। इस दिन जवारा विसर्जन किया जाएगा। मंदिरों में

भीड़ के मद्देनजर पुलिस की ओर से सुरक्षा के इंतजाम भी किये गए हैं। शारेदय नवरात्र पर आज से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। शहर के प्रमुख आस्था के केन्द्र जालपा वार्ड स्थित जालपा माई की मढ़िया में सबसे ज्यादा भीड़ रही। इसके अलावा जालपा वार्ड स्थित काली मंदिर, आजाद चौक स्थित आदिशक्ति जगत जननी दुर्गा मंदिर, बाबली टोला स्थित मरही माता मंदिर, झंडा बाजार स्थित खेरमाई मंदिर, बरगवां स्थित भूमि प्रकट मां शारदा मंदिर, घंटाघर स्थित काली मंदिर, अशोक कालोनी स्थित मां शेरावाली मंदिर, तिलक कालेज रोड स्थित खेरमाई मंदिर, आयुध निर्माणी स्थित खेरमाई माता मंदिर, खिरहनी फाटक स्थित दखिन माता मढ़िया, आयुध निर्माणी स्थित काली मंदिर, एसीसी स्थित दुर्गा मंदिर, चंडिका नगर स्थित मां चंडिका मंदिर, नई बस्ती शहीद द्वार स्थित माता मंदिर, विवेकानंद वार्ड स्थित खेरमाई मढ़िया, छपरवाह स्थित देवी मंदिर, शांतिनगर स्थित दुर्गा मंदिर सहित उपनगरीय क्षेत्रों में स्थित देवी मंदिरों में भी पूजा अर्चना का सिलसिला दिन भर चलता रहा। मंदिरों में नौ दिन व्रत, अनुष्ठान, यज्ञ और हवन का सिलसिला चलता रहेगा। नवरात्र की नवमी को पर्व का समापन होगा। अष्टमी एवं नवमी पर कन्या भोज और विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा।

दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला शुरू

नवरात्र की बैठकी पर मां जगदकम्बे की प्रतिमाओं की स्थापना भी कई स्थानों पर कर दी गई है। शहर के ज्यादातर स्थापना स्थलों पर पंचमी और षष्ठी को स्थापना की जाती है, लेकिन कुछ वर्षों से शहर तथा उपनगरीय क्षेत्रों में कई जगह पूरे नौ दिन देवी विराजमान होती है। दुर्गा पूजा पर्व को भव्यतम स्वरूप देने दुर्गा समितियां जुट चुकी है। पंडाल के साथ आकर्षक साज सजावट भी होगी। साज सज्जा में कुछ नए प्रयोग भी इस बार देखने मिलेंगे।

कोयले के दस्तावेज नहीं मिले गिट्टी वाहन पर नंबर प्लेट गायब

कटनी (स्वतंत्रमत)। बाईपास पर खनिज परिवहन की जांच में नियमों की अनदेखी के तीन मामले सामने आए हैं। खनिज विभाग की टीम ने बिना वैध दस्तावेज कोयला ले जा रहे वाहन, बिना नंबर प्लेट गिट्टी परिवहन करने वाले वाहन और ओवरलोड रेत से लदे वाहन को जप्त किया। विभाग के अनुसार, विशेष अभियान के तहत पिछले एक सप्ताह में आधा दर्जन से अधिक वाहनों पर कार्रवाई की जा चुकी है। उपसंचालक खनिज रत्नेश दीक्षित ने बताया कि पीर बाबा बाईपास पर जांच के दौरान कोयले से भरे वाहन के पास खनिज परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज नहीं मिले। वाहन को जप्त कर सलीमनाबाद थाने में खड़ा

कराया गया। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट गिट्टी ले जा रहा दूसरा वाहन पकड़ा गया। चालक ने गलत नंबर बताकर जांच दल को गुमराह करने का प्रयास किया, जिसके बाद वाहन जप्त कर यातायात पुलिस चौकी के सुपुर्द किया गया। रात में शहर के मध्य बाईपास पर जांच के दौरान ओवरलोड रेत से भरा तीसरा वाहन भी पकड़ा गया। तीनों वाहनों के विरुद्ध अवैध परिवहन के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। संबंधित मामलों में नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा।

बिना दस्तावेज खनिज परिवहन, नंबर प्लेट के बिना वाहन संचालन और ओवरलोडिंग जैसे मामलों पर विभाग की कार्रवाई जारी है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में उपसंचालक खनिज रत्नेश दीक्षित, सहायक खनिज अधिकारी पवन कुशवाहा एवं कमल प्रस्ते, नवपदस्थ खनिज निरीक्षक अखंड प्रताप सिंह और अनूप पाठक शामिल रहे। जांच के दौरान होमगार्ड के जवान भी तैनात थे। विभाग ने अवैध खनिज परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

मुख्य बाजारों में बेहतर व्यवस्था की पहल, निगमायुक्त ने लिया जायजा

कटनी (स्वतंत्रमत)। त्योहारों के दौरान बाजारों में सुगम आवाजाही और बेहतर नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए निगमायुक्त तपस्या परिहार ने देर शाम मिशन चौक से सुभाष चौक तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण में दुकानों के बाहर फैली सामग्री, फुटपाथों पर अतिक्रमण, सफाई और प्रकाश व्यवस्था की स्थिति देखी गई। कार्रवाई के दौरान पांच दुकानदारों पर 3200 रुपये का जुर्माना लगाया गया। निरीक्षण के दौरान मामा स्वीट्स, कृष्ण फर्नीचर, घूंघट विनय जनरल स्टोर और हरिओम फ्रूट एंड जूस सहित कई दुकानों के बाहर सामग्री रखी मिली।

निगमायुक्त ने दुकानदारों से सामान दुकान की सीमा में रखने को कहा, ताकि राहगीरों को परेशानी न हो और बाजारों में आवागमन सुचारु बना रहे। उन्होंने व्यापारियों से व्यवस्थाएं सुधारने में सहयोग की अपेक्षा की। मिशन चौक, मुड़वारा स्टेशन मार्ग और नगीना मस्जिद के सामने यातायात बाधित करने वालों तथा फुटपाथों पर ठेलाटपरा लगाने वालों के विरुद्ध नियमित कार्रवाई करने को कहा गया।

सिटी कोतवाली के सामने सड़क क्षतिग्रस्त कर टेंट लगाने पर संचालक को नोटिस जारी करने और मिशन चौक, थाना तिराहा व जगन्नाथ चौक से अनधिकृत बैनरपोस्टर हटाने के निर्देश भी दिए गए। निगमायुक्त ने पैदल चलने वालों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नालों के ऊपर बने फुटपाथ दुरुस्त करने और पोस्ट ऑफिस गली के पास खुले नाले को ढकने को कहा। निगम कार्यालय के बाहर अनधिकृत पार्किंग रोकने, दुकानों में डस्टबिन रखने और मुख्य मार्गों की नियमित सफाई पर भी जोर दिया। केंद्रीय विद्यालय झिंझरी के पास तथा चर्च के आसपास अतिरित स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लगाने के निर्देश दिए गए, ताकि प्रमुख मार्गों पर रोशनी की व्यवस्था बेहतर हो सके।

50 फीसदी छूट की समय-सीमा खत्म अब तक जलकर में 35 लाख जमा

अंतिम दिन घर-घर पहुंचे निगमकर्मी, 238 उपभोक्ताओं ने जमा की बकाया राशि

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जलकर में 50 प्रतिशत छूट पाने के लिए अंतिम दिन शनिवार को बकायेदारों की हलचल रही। नगर निगम के राजस्व अमले ने घर-घर पहुंचकर उपभोताओं से संपर्क किया। शाम 6:30 बजे तक 238 उपभोताओं ने 35 लाख रुपये से अधिक जमा कर योजना का लाभ लिया। योजना के तहत मार्च 2026 तक के बकाया जलकर का एकमुश्त भुगतान करने पर 50 प्रतिशत छूट दी जा रही थी।

भुगतान के लिए निगम कार्यालय, जोन कार्यालयों और सुभाष चौक स्थित शिविर में व्यवस्था की गई थी। समय-सीमा समाप्त होने के बाद अब यह छूट नहीं मिलेगी। निगम ने नागरिकों से नियमित जलकर जमा करने की अपील की है।

शिकायतों पर रोजाना नजर रखेंगे निगम के अधिकारी

100 दिन से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों पर निगमायुक्त सख्त, पुराने संकल्पों का हिसाब भी देना होगा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर निगम में शिकायतों के निराकरण में देरी रोकने के लिए अब अधिकारियों को हर दिन सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का फॉलोअप करना होगा। 100 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर विशेष सख्ती दिखाते हुए निगमायुक्त तपस्या परिहार ने स्पष्ट किया कि शिकायतों की अनदेखी या कार्रवाई में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की

जवाबदेही तय की जाएगी। सवाल केवल शिकायत बंद करने का नहीं, बल्कि नागरिक को संतुष्टिपूर्ण समाधान देने का है। समीक्षा बैठक में लोक निर्माण, भवन अनुज्ञा, जल प्रदाय, साफ-सफाई और अतिक्रमण सहित विभिन्न शाखाओं की 50 और 100 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने अधिकारियों को प्रत्येक मामले में जरूरत के मुताबिक स्थल निरीक्षण करने, की गई कार्रवाई का विवरण दर्ज करने और समय पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित निगरानी को लंबित प्रकरणों में कमी लाने का जरूरी उपाय बताया। बैठक में 14 अक्टूबर को प्रस्तावित निगम समिलन भी समीक्षा के दायरे में रहा। निगमायुक्त ने आगामी बैठक के विषयों के साथ पूर्व में पारित संकल्पों पर हुई कार्रवाई का ब्योरा मांगा। संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण की अद्यतन स्थिति और कार्रवाई का स्पष्ट विवरण तैयार रखने को कहा गया।

बैठक में कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक, सहायक यंत्री सुनील सिंह, आदेश जैन, मोना करेरा, मृदुल श्रीवास्तव, उपयंत्री संजय मिश्रा, शैलेंद्र प्यासी, रवि हनोते, हिमांशु गौतम, राज ललित गुमास्ता, स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, अतिक्रमण प्रभारी संजय सोनी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 12 अक्टूबर 2026

रणजी ट्रॉफी के पहले दिन शमी ने लिए 4 विकेट, रिंकू सिंह का नाबाद शतक

जडेजा की फिफ्टी, अरुणाचल-नागालैंड का मैच रद्द

नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के पहले दिन मोहम्मद शमी ने 4 विकेट लिए। उनके प्रदर्शन के दम पर बंगाल ने दिल्ली को 240 रन पर ऑलआउट कर दिया। वहीं उत्तर प्रदेश के लिए खेल रहे रिंकू सिंह ने बिहार के खिलाफ नाबाद शतक लगाया। सौराष्ट्र के रवींद्र जडेजा नाबाद 72 रन बनाकर खेल रहे हैं। वहीं कर्नाटक के कप्तान स्मरण रविचंद्रन ने भी आंध्र के खिलाफ 126 रन बनाकर बनाए।मोहम्मद शमी ने दिल्ली के खिलाफ 4 विकेट लिए। उन्होंने 17.3 ओवर में 30 रन दिए और 9 ओवर मेडन डाले। उनके अलावा आकाशदीप सिहं ने 2 और आमिर गनी ने भी 3 विकेट लिए। दिल्ली की ओर से ऋतिक शौकीन ने 56 रन बनाए।

रिंकू सिंह और माधव कौशिक के शतक

उत्तर प्रदेश ने बिहार के खिलाफ पहले दिन मजबूत स्थिति हासिल की। टीम ने 85 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। फिर वापसी करते हुए 3 विकेट पर 287 रन बना लिए। रिंकू सिंह 109 और माधव कौशिक 124 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 202 रन की अटूट साझेदारी की।

जडेजा ने नाबाद 72 रन बनाए

सौराष्ट्र ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ पहले दिन 4 विकेट पर 308 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 72 रन बनाकर नाबाद हैं। वहीं प्रेरक मांकड़ 92 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। दोनों ने मिलकर छठे विकेट के लिए नाबाद 157 रन की साझेदारी की। इससे पहले ओपनिंग करते हुए चिराग जानी ने 83 रन बनाए।

स्मरण ने 126 रन बनाकर कर्नाटक को संभाला

कर्नाटक के कप्तान स्मरण रविचंद्रन ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ 126 रन की पारी खेली। कर्नाटक की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 9 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। इसके बाद स्कोर 22 रन पर 4 विकेट हो गया। स्मरण ने केएल श्रीजीत के साथ पांचवें विकेट के लिए 111 रन जोड़े। श्रीजीत ने 58 रन बनाए। इसके बाद माधव बजाज ने आठवें विकेट के लिए स्मरण के साथ 59 रन की साझेदारी की। कर्नाटक की टीम पहली पारी में 274 रन पर ऑलआउट हुई। दिन का खेल खत्म होने तक आंध्र ने भी 2 विकेट गंवा दिए।

मध्य प्रदेश को 196 रन पर समेटा

डिफेंडिंग चैंपियन जम्मू-कश्मीर ने मध्य प्रदेश को पहली पारी में 196 रन पर ऑलआउट कर दिया। सुनील कुमार ने 5 विकेट लिए, जबकि रोहित शर्मा ने 4 विकेट चटकाए। दिन का खेल खत्म होने तक जम्मू-कश्मीर ने भी शुभम खजूरिया का विकेट गंवा दिया, जो बिना खाता खोले आउट हुए।

झेंग किनवेन ने चाइना ओपन में जीता अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब

बीजिंग

चीन की झेंग किनवेन ने रविवार को फाइनल में नंबर 4 सीड रूस की मिरा एंड्रीवा को 7-5, 6-4 से हराकर 2026 चाइना ओपन में महिला सिंगल्स का खिताब जीता। अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए, पेरिस ओलंपिक चैंपियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ झेंग चाइना ओपन में सिंगल्स खिताब जीतने वाली पहली चीनी खिलाड़ी भी बन गईं। झेंग ने कड़े मुकाबले वाले पहले सेट में तीन सेट पॉइंट बचाए और फिर लगातार 11 पॉइंट जीतकर सेट 7-5 से अपने नाम किया। लोकल वाइल्डकार्ड खिलाड़ी ने दूसरे सेट में देर से ब्रेक हासिल किया और 1 घंटे 43 मिनट में 7-5, 6-4 से जीत पक्की की। यह झेंग का पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब था और डब्ल्यूटीए टूर पर उनका कुल मिलाकर छठा खिताब था। साथ ही, 2024 के आखिर में टोक्यो में जीत के बाद यह उनका पहला खिताब था। आंद्रीवा पर यह जीत झेंग के करियर की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ 14वीं और इस सीज़न की तीसरी जीत थी।

उदयवीर सिद्धू ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण पदक

काहिरा

निशानेबाज उदयवीर सिद्धू ने रविवार को आईएसएसएफ वर्ल्ड कप काहिरा 2026 में पुरुषों के 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए पदक का खाता खोला। आज यहां इंटरनेशनल ओलंपिक सिटी शूटिंग रेंज में 24 साल के उदयवीर सिद्धू ने पुरुषों के 10 मीटर एयर पिस्टल फ़ाइनल में 240.6 का स्कोर किया। उन्होंने जर्मनी के ओलंपिक पदक विजेता क्रिश्चियन रीट्ज़ (240.1 - रजत पदक) और इटली के पाओलो मोना (219.8 - कांस्य पदक) को पीछे छोड़ा। इससे पहले, उदयवीर सिद्धू ने क्वालिफ़ायर में 585-193 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल करके फ़ाइनल के लिए जगह बनाई थी। 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यह उदयवीर की पहली बड़ी इंटरनेशनल सफलता थी। इससे पहले उनकी ज़्यादातर कामयाबियां 25 मीटर पिस्टल जूनियर सर्किट में रही थीं। सीनियर सर्किट पर इस भारतीय निशानेबाजी की पिछली इकलौती व्यक्तिगत सफलता 2019 में एशियन चैंपियनशिप में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में रजत पदक जीतना थी। क्वालिफ़िकेशन में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय शूटर जोनाथन गैविन एंटनी थे, जो सिर्फ़ रैंकिंग पॉइंट्स के लिए मुक़ाबला कर रहे थे; उन्होंने 586-253 के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। अजेंद्र सिंह चौहान क्वालिफ़िकेशन में 580-233 के स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रहे, जबकि ओलंपिक मेडलिस्ट सरबजोत सिंह 574-153 के स्कोर के साथ 31वें स्थान पर रहे। योगेश कुमार, जो आरपीओ के लिए भी मुक़ाबला कर रहे थे, ने 573-243 का स्कोर किया और 33वें स्थान पर रहे।

वैभव सूर्यवंशी में मेरी सोच दिखती है :सहवाग

पहली गेंद पर शॉट लगाना चाहते हैं, उम्र नहीं, प्रदर्शन तय करे भारतीय टीम में जगह

दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- च्सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लिए खेलने का मौका मिलने पर सूर्यवंशी उसका पूरा फायदा उठा सकते हैं। सहवाग ने यह भी कहा कि भारतीय क्रिकेट में उनकी जगह उम्र से नहीं, प्रदर्शन से तय होनी चाहिए।सहवाग ने सूर्यवंशी की उम्र को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उम्र की सीमा केवल उम्र-आधारित प्रतियोगिताओं में मायने रखती है।

सहवाग ने कहा- च्अगर आप किसी उम्र-आधारित प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो यह बात सही है। अगर अंडर-19 है, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए।ज्सूर्यवंशी ने एशियन गेम्स के सेमीफाइनल और फाइनल में हिस्सा लिया। उन्होंने सेमीफाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 38 रन बनाए। वहीं फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 15 रन की पारी खेली।

सूर्यवंशी ने अब तक टी-20 मैच खेले हैं। इसमें उन्होने 30.75 की औसत और 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 81 रन है।

भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया को 49 रनों से दी शिकस्त

पुड्डुचेरी। सूर्यांश शेडगे (66), प्रियांश आर्य (49), विप्रज निगम (40) और प्रभसिमरन सिंह (39) की शानदार पारियों के बाद गुरजपतीन सिंह (तीन विकेट) सहित गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ए ने रविवार को तीसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ए टीम को 49 रनों से शिकस्त दी। 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ए टीम भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे 46.2 ओवरों में 226 रन के स्कोर पर सिमट गई। जॉश फिलिपे और लियम स्कॉट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 82 रन जोड़े। 15वें ओवर में विप्रज निगम ने जॉश फिलिपे (56) रन को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 16वें ओवर में निशांत सिंधु ने लियम स्कॉट (26) रन को आउट कर ऑस्ट्रेलिया ए को दूसरा झटका दिया। नेथन मैकस्वीनी (39), मिचेल ओवन (29) को गुरजपनीत सिंह ने आउट किया। लॉक्सन शॉ (31) को अनुकूल रॉय ने अपना शिकार बनाया। निखिल चौधरी (29) रनआउट हुये। 47वें ओवर में यश ठाकुर ने कप्तान टॉड मर्फी (छह) रन को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत कर अपनी टीम को जीत दिला दी।

ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 से यह सीरीज जीत चुका है। भारत ए के लिए गुरजपनीत सिंह ने तीन विकेट लिये। यश ठाकुर और निशांत सिंधु को दो-दो विकेट मिले। विप्रज निगम और अनुकूल रॉय ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े। 11वें ओवर में लियम स्कॉट ने प्रभसिमरन सिंह को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंदों में छह चौकों की मदद से 39 रन बनाये। इसके बाद 13वें ओवर में लियम स्कॉट ने देवदत्त पड़िक्कल (दो) का भी शिकार कर लिया। 16वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप में प्रियांश आर्य आउट हुए। उन्होंने 45 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए (49) रनों की पारी खेली। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (33) और विप्रज निगम (40) रन बनाकर आउट हुये। सूर्यांश शेडगे ने भारत ए के लिए सर्वाधिक (66) रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 60 गेंदों का सामना किया और सात चौके और दो छक्के उड़ाये। ऑस्ट्रेलिया ए के गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारत ए की पूरी टीम 47.3 ओवरों में 275 रन के स्कोर पर सिमट गई। अनुकूल रॉय (13) रन बनाकर नाबाद रहे।

शंघाई ओपनः आर्थर गेआ से बेन शेल्टन को हराया

शंघाई। खराब फॉर्म में चल रहे अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन को रविवार को शंघाई मास्टर्स 2026 के तीसरे राउंड में फ्रांस के आर्थर गेआ के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। आज यहां खेले गये तीसरे रांउड के मुकाबले में युवा फ्रांसीसी टेनिस खिलाड़ी आर्थर गेआ ने बेन शेल्टन को दो टाई-ब्रेक के बाद 7-6(5), 7-6(3) से मैच जीत दर्ज की। दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी शेल्टन, यूएस ओपन 2026 में अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल के बाद सीज़न के दूसरे आखिरी एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में आए थे, लेकिन तब से वह वैसी फॉर्म नहीं दिखा पाए हैं।

मैच के बाद शेल्टन ने कहा, आज मैं बेहतर नहीं खेल पाया। उन्होंने मेरी सर्विस का बहुत अच्छे से सामना किया। मुझे लगा कि आज उन्होंने शुरू से आखिर तक रिटर्न पर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने गेंद को काफी बार खेल में बनाए रखा। वह गेंद को बेसलाइन के पास गहराई में डाल रहे थे। अटैक करना मुश्किल था। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, शायद ही कोई ऐसा पॉइंट आया हो जहाँ मुझे आसानी से फ्री पॉइंट मिले हों या अटैक करने और नेट पर आने के लिए पहली गेंद मिली हो, इसलिए इसका बहुत सारा श्रेय उन्हें जाता है।

कंपनियों के तिमाही परिणामों, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों और महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, विप्रो, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम इसी सप्ताह जारी होने हैं। इसके अलावा खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी इस सप्ताह आएंगे। इनके साथ-साथ वैश्विक कारक, विशेषकर पश्चिम एशिया की स्थिति और कच्चे तेल की कीमत, मिलकर बाजार की निवेश धारणा तय करेंगे। गत सप्ताह सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को बाजार में तेजी रही जबकि बुधवार और गुरुवार को गिरावट देखी गई। सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 562.63 अंक (0.78 प्रतिशत) चढ़कर शुक्रवार को 72,472.33 अंक पर बंद हुआ।

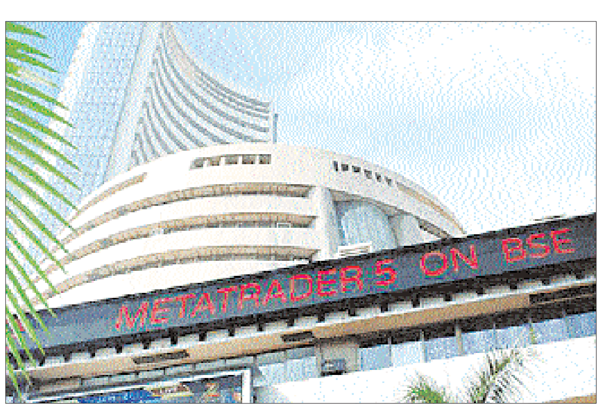

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 98.50 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में 22,520.45 अंक पर रहा। मझौली कंपनियों के सूचकांक निफ्टी मिडकैप-50 में 0.32 प्रतिशत की गिरावट रही। छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.5 प्रतिशत मजबूत हुआ। आलोच्य सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 15 कंपनियों में तेजी और अन्य 15 में गिरावट रही। अच्छे तिमाही आंकड़ों से टाटा समूह की फैशन एवं लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा कंपनी ट्रेंट का शेयर 12.42 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 4.84 प्रतिशत, टीसीएस का 4.03, भारती एयरटेल का 3.77, आईसीआईसीआई बैंक का 3.72, एक्सिस बैंक का 3.71, आईटीसी का 3.58 और इटरनल का 3.14 प्रतिशत मजबूत हुआ। अडानी पोर्ट्स में 1.27 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.09 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस में 0.93 प्रतिशत की तेजी रही। भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फिनसर्व दोनों के शेयर 0.43 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 0.41 फीसदी और एलएंडटी का 0.37 फीसदी ऊपर रहा। बीईएल में सबसे अधिक 3.91 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट देखी गई। टाटा स्टील का शेयर 3.07 प्रतिशत, सन फार्मा का 2.93, टाइटन का 2.84, एशियन पेंट्स का 2.55, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.07 और पावरग्रिड का 2.02 प्रतिशत टूट गया।

आर्थिक विकास एवं सामाजिक विकास को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता

नयी दिल्ली। कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि आर्थिक विकास एवं सामाजिक विकास को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता, विशेष तौर पर प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय समुदायों के साथ नजदीकी से जुड़े क्षेत्रों में। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय अंतर्गत यहां 6-7 अक्टूबर को भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी के उद्घाटन के मौके पर श्री दुबे ने राष्ट्रीय आर्थिक विकास, क्षेत्रीय विकास, संसाधन-समृद्ध क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के कल्याण के बीच घनिष्ठ संबंध पर जोर दिया। आर्थिक प्रगति का वास्तविक अर्थ तभी पूर्ण होता है, जब इसके लाभ सशक्त समुदायों, व्यापक अवसरों और अधिक सुदृढ़ क्षेत्रों के रूप में दिखायी दें। प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय समुदायों से निकटता से जुड़े क्षेत्रों में आर्थिक विकास और सामाजिक विकास को अलग-अलग उद्देश्यों के रूप में नहीं देखा जा सकता।

भारत में स्टारलिंक के सस्ते प्लान लाएंगे : मस्क

मुकाबले से अंबानी का मुनाफा घटेगा, लेकिन कारोबार बंद नहीं होगा

नई दिल्ली। इलॉन मस्क भारत में स्टारलिंक की लॉन्चिंग में हो रही देरी को लेकर पिछले कुछ दिनों से नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इस देरी के लिए वो रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को जिम्मेदारी बता रहे हैं और उनके खिलाफ लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। हाल ही में मस्क ने अपने एक पोस्ट में मुकेश अंबानी पर तंज कसते हुए उन्हें प्राइम मिनिस्टर अंबानी लिखा था। इस पोस्ट में उन्होंने अंबानी को भारत का रियल बॉस बताया था।

उनका तर्क था कि स्टारलिंक भारत के बिना इंटरनेट वाले इलाकों में कनेक्टिविटी पहुंचा सकता है। इससे दूरदराज के वंचित बच्चों को शिक्षा और छोटे कारोबारियों को ग्लोबल मार्केट तक पहुंच मिलेगी। मस्क के इस पोस्ट के बाद कुछ लोगों ने कहा कि भारत में दुनिया का सबसे सस्ता और तेज इंटरनेट मौजूद है। यहां सिर्फ 300-400 महीने में 60 जीबी डेटा मिल जाता है, जो दूरदराज के गांवों में भी बेहतरीन काम करता है। ऐसे में यह सवाल उठना वाजिब है कि जब स्टारलिंक अन्य देशों में करीब ?2,200 महीने चार्ज करता है, तो भारत में इसे कौन खरीदेगा। इस तर्क का जवाब देते गुए मस्क ने कहा कि एक तरफ वे दावा करते हैं कि स्टारलिंक भारत में जियो के सस्ते प्लान्स का मुकाबला नहीं कर पाएगी। दूसरी तरफ वे यह भी कहते हैं कि स्टारलिंक के आने से कॉम्पिटिशन बढ़ जाएगा। ये दोनों बातें एक साथ सही नहीं हो सकतीं।

सच्चाई यह है कि मार्केट में कॉम्पिटिशन बढ़ने से हमेशा आम ग्राहकों को ही फायदा मिलता है। स्टारलिंक के आने से अंबानी की कंपनी का मुनाफा थोड़ा घट सकता है, लेकिन उनका कारोबार बंद नहीं होगा। जाहिर है, अगर स्टारलिंक भारत में बहुत महंगी होगी तो उसे कोई नहीं खरीदेगा, इसलिए स्पेसएक्स को यहां टिकने के लिए अपनी कीमतें सस्ती रखनी ही पड़ेंगी।

चावल नरम, खाद्य तेलों में घटबढ़

चीनी और दालों के दामों में आया उछाल

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 51 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। चीनी के साथ दालों में भी तेजी रही जबकि चावल के भाव टूट गए। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।

त्योहारी मांग आने से चीनी में एक बार फिर तेजी आने लगी है। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 51 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 5,151 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। वहीं, गुड़ का भाव तीन रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। खुदरा बाजार में भी चीनी में 13 पैसे प्रति क्विंटल की औसत बढ़त रही। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 27 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 4,124 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। पिछले सप्ताह भी इसमें गिरावट रही थी। गेहूं की कीमत 2,886 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। आटा भी 3,364 रुपये प्रति क्विंटल पर कमोबेश अपरिवर्तित रहा। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 191 रुपये और चना दाल की 102 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंग दाल 43 रुपये और उड़द दाल 42 रुपये महंगी हो गई। मसूर दाल का भाव भी 13 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। बीते सप्ताह मूंगफली तेल औसतन 72 रुपये और वनस्पति 22 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल में 160 रुपये और पाम ऑयल में आठ रुपये की गिरावट रही।

एफपीआई ने अक्टूबर में अबतक पूंजी बाजार से निकाले 41,562 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अबतक भारतीय पूंजी बाजार में 41,562 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। शुद्ध बिकवाली उनके द्वारा बाजार में लगाई पूंजी और निकाली गई पूंजी का अंतर है। इससे पहले सितंबर में भी उन्होंने 58,442 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। अक्टूबर में इक्विटी और हाइब्रिड उपकरणों में एफपीआई का निवेश कम हुआ है जबकि डेट और म्यूचुअल फंड में उनका निवेश सकारात्मक रहा है। इक्विटी में उन्होंने 44,166 करोड़ रुपये और हाइब्रिड उपकरणों में 160 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। डेट में जेनरल लिमिट के रास्ते एफपीआई ने अपना निवेश बढ़ाया है जबकि वीआरआर और एफएआर के रास्ते निवेश में कमी आई है। कुल मिलाकर डेट में उनका शुद्ध निवेश इस महीने 2,574 करोड़ रुपये रहा है।

रुपए की गिरावट रोकने के लिए आरबीआई का प्लान

सरकारी तेल कंपनियों के लिए स्पेशल डॉलर विंडो खोली, फॉरेक्स डेरिवेटिव ट्रेडिंग के नियम सख्त किए

मुंबई। डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होते भारतीय रुपए को संभालने और मनी मार्केट में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए आरबीआई ने दो फैसले किए हैं। आरबीआई ने सरकारी तेल कंपनियों की डॉलर की डेली जरूरतों को पूरा करने के लिए एक स्पेशल डॉलर विंडो शुरू की है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फॉरेक्स डेरिवेटिव ट्रेडिंग से जुड़े नियमों में भी सख्ती कर दी है। बाजार के जानकारों का मानना है कि इन फैसलों से रुपए को तुरंत थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन गिरावट के लंबे ट्रेंड को पूरी तरह पलटना मुश्किल होगा। शुक्रवार, 9 अक्टूबर को डॉलर के मुकाबले रुपया 96.73 के स्तर पर बंद हुआ था, जो मई में दर्ज इसके 96.96 के ऑल-टाइम-लो के काफी करीब है कैलेंडर ईयर 2026 में अब तक रुपया 7 प्रतिशत से ज्यादा और चालू वित्त वर्ष में करीब 3.5 प्रतिशत गिर चुका है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और विदेशी निवेश के सुस्त होने से रुपए पर लगातार दबाव बनाया हुआ है।

आरबीआई रुपए को 97-प्रति-डॉलर के स्तर से ऊपर जाने से रोकना चाहता है। अगर रुपया इस स्तर को पार करता है तो कंपनियों की घबराहट में डॉलर की खरीदारी और सट्टेबाजी (स्पेकुलेटिव शॉर्ट पोजीशंस) तेजी से बढ़ सकती है। इसे देखते हुए जब भी रुपया 96.80 के पार जाता है, सरकारी बैंकों के जरिए डॉलर बेचे जा रहे हैं। भारत के कुल आयात यानी इंपोर्ट में कच्चे तेल की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है। अब तेल कंपनियों की डॉलर की डेली जरूरतों को सीधे आरबीआई के फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व से स्पेशल विंडो के जरिए पूरा किया जाएगा। इससे स्पॉट फॉरेक्स मार्केट में डॉलर की सीधी डिमांड का दबाव घटेगा।

राज्य सरकार किसानों के विकास के लिये प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने देवास में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के सर्वांगीण विकास के लिये प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी समिति प्रांगण, देवास में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव एवं जिला स्तरीय किसान मेले का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों एवं अन्नदाताओं को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां चामुंडा और मां तुलजा भवानी की पावन धरा पर कृषि विभाग द्वारा किसानों के हित में आयोजित यह महाअभियान अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि माताजी की कृपा और शासन के कड़े निर्णयों से प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्ति मिली है। देवास के किसानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिले के अन्नदाता उन्नत तकनीकों और प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में कई उत्कृष्ट नवाचार कर रहे हैं, जिससे देवास पूरे प्रदेश में कृषि क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल बनकर उभर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपेक्स बैंक प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए देवास प्रदेश का 45वां जिला है, जहां बलराम कृषि महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है। विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों और देवास मंडी व्यवस्था को अभूतपूर्व संबल प्रदान किया है। किसान मेले का मुख्य उद्देश्य कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, प्राकृतिक व जैविक खेती तथा श्रीअन्न (मिलेट मिशन) को बढ़ावा देना रहा। मेले में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा रबी सीजन के दृष्टिगत कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों जैसे गेहूं, चना, मसूर एवं सरसों की प्रमाणित किस्मों पर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया।

किसानों ने नवाचारों के अनुभव किए साझा

मंडी प्रांगण में आधुनिक कृषि यंत्रों, ड्रिप-स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों एवं कृषि नवाचारों की भव्य प्रदर्शनी भी लगाई गई। समारोह के दौरान देवास जिले के प्रगतिशील किसानों ने अपने नवाचारों के अनुभव भी साझा किए। इसमें देवास विकासखण्ड के ग्राम छोटी चुरलाय निवासी कृषक धर्मेन्द्र सिंह राजपूत ने प्राकृतिक और आधुनिक खेती के समन्वय से मॉडल फार्मिंग और आय वृद्धि के बारे में बताया, ग्राम कनोरिया की श्रीमती पवित्रा नागर ने प्राकृतिक खेती के तरीकों और उसके परिणामों पर चर्चा की, सोनकच्छ के ग्राम अरनिया कला निवासी नारायण सिंह सेंधव ने शेडनेट व पॉलीहाउस के जरिए उद्यानिकी फसलों के प्रबंधन की जानकारी दी, ग्राम पोलाय जागीर के लक्ष्मीनारायण ने किसान उत्पादक संगठन के जरिए उत्पादों की मार्केटिंग व्यवस्था पर प्रकाश डाला तथा टोंकखुर्द के ग्राम चौबारधीरा की श्रीमती संगीता कुशवाह ने प्राकृतिक खेती के सफल क्रियान्वयन के व्यावहारिक अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

शिक्षक देश के भविष्य निर्माता हैं : जयंत मलैया

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों को वितरित की पाठ्य सामग्री

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत दमोह स्थित जैन पुत्री शाला में विद्यार्थियों को आवश्यक पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक जयंत मलैया, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे जिला महामंत्री महेश पटेल एवं जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया, रमाकांत बाजपेई मंचासीन रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक जयंत मलैया एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में पूछा। विद्यार्थियों ने सैनिक डॉक्टरए शिक्षक सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बनाने की इच्छा व्यक्त की। अतिथियों ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी विधायक जयंत मलैया ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षक देश के भविष्य निर्माता हैं।

विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने और उन्हें योग्य नागरिक बनाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जीवन में कितने भी ऊंचे पद पर पहुंच जाएं लेकिन अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान सदैव बनाए रखना चाहिए।

शिक्षक का सम्मान करना हमारी संस्कृति और संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सेवा संकल्प अभियान समाज के विभिन्न वर्गों तक सेवा और सहयोग पहुंचाने का माध्यम है। विद्यार्थियों को आवश्यक पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना उनके शिक्षा के सफर में सहयोग देने का एक सार्थक प्रयास है। शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

जागेश्वरनाथधाम में नवरात्रि पर हो रही शतचंडी साधना

प्रत्येक नवरात्रि में होते हैं दुर्गा सप्तशती के 200 पाठ

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्रीदेव जागेश्वरनाथ मंदिर ट्रस्ट बांदकपुर में लगभग 275 वर्षों से चैत्र नवरात्रि एवं आश्विन नवरात्रि के पावन अवसर पर मां भगवती की उपासना की प्राचीन एवं अखंड परंपरा चली आ रही है। नवरात्रि के दोनों पर्वों में मंदिर परिसर में विधिविधानपूर्वक दुर्गा सप्तशती के पाठ एवं शतचंडी अनुष्ठान का आयोजन किया जाता है। संपूर्ण धार्मिक आयोजन मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक आचार्य रामकृपाल पाठक के मार्गदर्शन में किया जाता है। मंदिर ट्रस्ट के प्रवक्ता रवि शास्त्री ने बताया कि प्रत्येक नवरात्रि में एक साथ दो शतचंडी पाठात्मक अनुष्ठान संपन्न होते हैं जिनमें दुर्गा सप्तशती के कुल 200 पाठ किए जाते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि जागेश्वरनाथ धाम की सनातन आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है। सनातन धर्म में नवरात्रि को आदिशक्ति भगवती की आराधना का अत्यंत पुण्यदायी पर्व माना गया है।

नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की उपासना के माध्यम से साधक शक्ति, ज्ञान, आरोग्य, ऐश्वर्य और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करता है देवी उपासना में श्रीमद् देवीभागवत, मार्कण्डेय पुराण के देवी माहात्म्य अर्थात दुर्गा सप्तशती का विशेष महत्व है। दुर्गा सप्तशती में मां भगवती के महिषासुरमर्दिनी, चंड मुंड संहार तथा शुंभ निशुंभ वध सहित देवी के दिव्य चरित्रों का वर्णन मिलता है इसमें देवी को समस्त जगत की आधारभूत शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। दुर्गा सप्तशती के पाठ में कवचए अर्गलाए कीलक तथा सप्तशती के मंत्रों का विधिपूर्वक पाठ किया जाता है। शास्त्रीय परंपरा में देवी के इन मंत्रों को श्रद्धा, नियम और शुद्ध उच्चारण के साथ करने का विशेष महत्व बताया गया है। शतचंडी अनुष्ठान इसी देवी माहात्म्य की व्यापक उपासना परंपरा है, जिसमें निश्चित संकल्प एवं विधि के अनुसार सप्तशती के अनेक पाठ संपन्न किए जाते हैं।

जयकारों के साथ हुआ मासिक महाआरती का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

भगवती मानव कल्याण संगठन के संयुक्त तत्वाधान में दमोह जिले की कृषि उपज मंडी सागर नाका दमोह में हर माह की भांति इस माह के दूसरे रविवार को दोपहर 11 बजे मासिक महाआरती जयकारों एवं शंख ध्वनि के साथ संपन्न की गई। समापन की बेला में भगवती मानव कल्याण संगठन की संभागीय उप संगठन मंत्री पुष्पलता सेन ने कहा कि आज हम सब बड़े सौभाग्यशाली हैं कि नवरात्रि जैसे महापर्व पर मासिक महाआरती में एक साथ बैठकर मां एवं गुरुवर का गुणगान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जहां मां का मंच लगता है मां की स्थापना होती है वहां पर 33 करोड़ देवी देवता एक साथ उपस्थित होकर के हम सभी मां भक्तों के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जिला अध्यक्ष मुकेश तोमर ने कहा कि आज सोशल मीडिया का प्रभाव चल रहा है जिसमें हमारे छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल की लत में फंसते जा रहे हैं धर्म आध्यात्मिक से कहीं ना कहीं दूरियां बना रहे हैं तो आज हम सबको अपने बच्चों को संस्कारवान बनाना है ताकि हमारे बच्चे भटकना पाएं। भगवती मानव कल्याण संगठन की टीम प्रमुख मीना राजपूत ने कहा की पंच ज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम धाम में त्रिशक्ति साधना शिविर 19, 20, 21 अक्टूबर को होने जा रहा है जिसमें समस्त जाति धर्म संप्रदाय के लोगों को सादर आमंत्रित किया है कि उस शिविर में पहुंच करके मां की तीन दिव्या की आरती प्राप्त कर अपने आप में परिवर्तन करें और शिविर में पहुंच करके इन तीन दिव्या की आरतियों का लाभ जरूर प्राप्त करें जिससे वह पूर्ण रूप से नशेमांस से मुक्त होकर चरित्रवणों का जीवन जी सके। संचालन संभागीय सचिव संजय पटेल ने किया।

हटा उप जेल में गौ माता की भव्य महाआरती

दमोह (स्वतंत्र मत)। विशाल हिंदू गौ सेवा रक्षा समिति के तत्वाधान में हटा उप जेल में गौ माता की महाआरती एवं गौ पूजन का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर जेल प्रशासन, समिति के पदाधिकारी एवं जेल में बंद हवालाती बंदी भाइयों ने एक साथ मिलकर गौ माता का पूजन अर्चन किया और गौ सेवा व गौ रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जेलर नगेंद्र सिंह चौधरी की उपस्थिति रही। उनके सहयोग से जेल परिसर में यह धार्मिक आयोजन बड़े ही श्रद्धा भाव से संपन्न हुआ। विशाल हिंदू गौ सेवा रक्षा समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र अवस्थी के नेतृत्व में यह आयोजन हुआ। इस अवसर पर समिति के प्रमुख कार्यकर्ता हर्षित सोनी, अनुराग सिंह परिहार, राज महाकाल, राजा सिंह राजपूत, राज यादव, विकास श्रीवास्तव, गोविंद राजपूत, राजा प्रजापति, रोहित लोधी, जितेंद्र अवस्थी, मुकेश पंड्या सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बंदी भाइयों ने भी बढ़-चढ़कर आरती में भाग लिया और गौ माता की सेवा का संकल्प लिया। समिति ने जेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

बागेश्वर धाम की यात्रा के स्वागत में दुल्हन की तरह सजेगा हटा

आज शाम 7 बजे पहुंचेगी सनातन हिंदू एकता यात्रा

हटा (स्वतंत्र मत)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता यात्रा के आगमन को लेकर हटा में तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। आज शाम करीब 7 बजे यात्रा पन्ना नाका पहुंचेगी। यहां से गौरीशंकर मंदिर में दर्शन.पूजन के बाद यात्रा दद्दा कला मंच पहुंचेगी। जिले में यात्रा का सबसे लंबा प्रवास हटा उपकाशी में रहेगा। इस दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ बुंदेली परंपरा के अनुसार स्वागत किया जाएगा। यात्रा के स्वागत, कार्यक्रमों और व्यवस्थाओं की जानकारी रविवार को पन्ना रोड स्थित ग्रीन वैली रिसॉर्ट में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजक मंडल ने दी। आयोजक अनुराग वर्धन हजारी ने बताया कि पन्ना नाका पर श्रद्धालु यात्रा का स्वागत करेंगे। इसके बाद धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री गौरीशंकर मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन करेंगे और दद्दा कला मंच पहुंचेंगे। यहां तिलक वंदन और पुष्पमालाओं से बुंदेली परंपरा के अनुसार अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद सर्वजन कल्याण और कष्ट निवारण की कामना से हनुमान चालीसा यज्ञ तथा दिव्य दरबार का आयोजन प्रस्तावित है। इसमें श्रद्धालु अपनी समस्याओं और मनोकामनाओं से संबंधित अर्जी प्रस्तुत कर सकेंगे। 13 अक्टूबर की सुबह यात्रा के अगले चरण के तहत दद्दा कला मंच पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान होगा और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री श्रद्धालुओं को सात संकल्प दिलाएंगे। इसके बाद यात्रा चंडी जी मंदिर पहुंचेगी जहां दर्शन पूजन किया जाएगा। साथ ही पुष्पेंद्र हजारी द्वारा आयोजित मां चंडी यज्ञ में शामिल होने के बाद यात्रा पटेरा, हिंडोरिया होते हुए दमोह की ओर प्रस्थान करेगी। यात्रा की विदाई के लिए नगर में भव्य स्वागत द्वार बनाए जाएंगे और शहर को दुल्हन की तरह सजाने की तैयारी है।

रामगोपाल जी मंदिर के महंत श्यामदास महाराज ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से धार्मिक आयोजन में शामिल होने की अपील की है। आयोजकों के अनुसार नगर में जगह-जगह स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं। प्रेस वार्ता में महंत श्यामदास महाराज, पुष्पेंद्र हजारी, विवेक असाटी सहित आयोजक मंडल के सदस्य मौजूद रहे।

मप्र अग्रवाल महासभा के प्रदेशाध्यक्ष का दमोह आगमन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मप्र अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल का मैहर प्रवास से भोपाल दौरा के समय दमोह में अल्प समय के लिए आगमन हुआ यहां उन्होंने मध्य प्रदेश अग्रवाल महिला महासभाए अग्रवाल महासभा एवं युवा महासभा के साथ बैठक ली। महिला महासभा दमोह की महामंत्री श्रीमती सुमित्रा अग्रवाल के पति शिव अग्रवाल एडवोकेट का देवलोक गमन हो जाने पर उनके यहां सांत्वना देने पहुंचे। इस अवसर पर प्रदेश महिला महासभा के कार्यवाहक अध्यक्ष श्रीमती रमा अग्रवाल अग्रवाल महासभा के जिला अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, जिला महामंत्री डॉ. अशोक अग्रवाल संभागीय युवा अध्यक्ष विकास अग्रवाल जिला युवा अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, अग्रवाल डॉ. अग्रवाल स्कूल के संचालक अनंत अग्रवाल, महिला महासभा की उपाध्यक्ष अंजलि अग्रवाल उप मंत्री गीता अग्रवाल उपस्थित रहीं।

पंडालों में देवी स्थापना के साथ शारदेय नवरात्र शुरू

मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, ढोल नगाड़ों के साथ पहुंचे प्रतिमा जुलूस

हटा (स्वतंत्र मत)। शारदेय नवरात्र की शुरुआत के साथ ही नगर में भक्ति और उत्साह का माहौल बन गया। रविवार को देवी मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, वहीं देर शाम देवी पंडालों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ घट स्थापना और मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। सुनार नदी के तट पर स्थित शीतला माता मंदिर में सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। चंडी जी मंदिर, पीतांबर देवी, गायत्री शक्तिपीठ और कलेही माता मंदिर में भी दिनभर भक्तों की आवाजाही बनी रही। नगर में इस बार 50 से अधिक देवी पंडाल सजाए गए हैं। पंडालों में प्रतिमाएं लाने का सिलसिला नवरात्र के पहले दिन से एक दिन पूर्व शनिवार से ही शुरू हो गया था।

नवरात्रि पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

पुलिस अधीक्षक ने शक्ति मोबाइल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दमोह (स्वतंत्र मत)।

पवित्र शारदीय नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत शहर में शांति, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा गरबा पंडालों एवं मंदिरों में आने वाली महिलाओं, बच्चों और श्रद्धालुओं की पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जिला पुलिस द्वारा विशेष पहल की गई है। इसी क्रम में रविवार को पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगि ने कोतवाली थाना परिसर से महिला सुरक्षा विशेष गश्ती दल शक्ति मोबाइल का शुभारंभ कर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर शहर भ्रमण हेतु रवाना किया। शक्ति मोबाइल दल शहर के प्रमुख दुर्गा पूजा पंडालों, गरबा स्थलों, देवी मंदिरों और भीड़भाड़ वाले संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर पेट्रोलिंग करेगा। पर्व के दौरान छेड़छाड़, फब्तियां कसने तथा असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए महिला पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है। किसी भी आपात स्थिति या सूचना पर शक्ति मोबाइल दल तत्काल मौके पर पहुंचकर सहायता उपलब्ध कराएगा। नवरात्रि पर्व के दौरान श्रद्धालु और विशेषकर महिलाएं व बच्चे पूरी तरह भयमुक्त वातावरण में उत्सव मना सकें, इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से तैनात है। हुड़दंगियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आम नागरिक किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। इस अवसर पर सीएसपी एचआर पांडे, कोतवाली थाना प्रभारी निरी. मनीष कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं पुलिस बल उपस्थित रहा।

राज्य स्तरीय हाकी प्रतियोगिता में सागर संभाग ने शहडोल टीम को हराया

दमोह (स्वतंत्र मत)। राज्य स्तरीय हाकी प्रतियोगिता सागर मंदसौर में संपन्न हुई एसजीएफआई राज्य स्तरीय हाकी प्रतियोगिता 2026 के अंडर 14 बालक वर्ग में सागर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में सागर संभाग टीम ने शहडोल टीम को 5-0 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। टीम के खिलाड़ियों ने पूरे प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। टीम की इस उपलब्धि से दमोह जिले का गौरव बढ़ा है। स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की सूची बाली आयु वर्ग 14 वर्ष बालक में सागर संभाग से सागर, टीकमगढ़, दमोह दिए गए सभी संयुक्त खिलाड़ियों में से सागर संभाग में दमोह से खिलाड़ी राम कुशवाहा पिता हीरामणि कुशवाहा, राजवर्धन पाठक पिता संजय पाठक पुलिस, जैद अब्दुल रहमान पिता मोहम्मद असलम खान, शैलेन्द्र पटेल पिता छात्रसाल पटेल, अब्दुल अफजल खान पिता आमिर खान पत्रकार, साहिल खान पिता वाहिद खान, मोहम्मद अयान खान पिता शाहिद खान, मुहम्मद उबेश पिता शेख नदीम, साहिल बाल्मिक पिता विनोद बाल्मिक, अलीशान खान पठान पिता कादर खान पठान, मोहम्मद उमर रायेन पिता इकबाल रायेन, तौफीक मोहम्मद पिता रईस खान, मोहम्मद फरहान पिता मोहम्मद युसुफ, आर्यन राय पिता बाबूलाल राय टीकमगढ़, रेहान अहमद पिता जुबेर अहमद, बालाजी नारायण पिता नारायण, मोहम्मद अब्दुल्ला खान पिता मोहम्मद आसिफ खान, नुबैद खान पिता जावेद खान सागर, अक्षय सेन पिता राहुल सेन, श्रीयांश यादव पिता किशन लाल यादव, वहीं दमोह से खेल विभाग से अधिकारी सैफुल्लाह ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की व मो. रियाजउद्दीन व्दारा दमोह के इन खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया गया और मंदसौर के लिए हिंडोरिया से खेल शिक्षा विभाग के प्रीतम सिंह लोधी कोच बनकर साथ रहे हैं।

त्यौहार में कानून व्यवस्था बनाए रखने सड़क पर उतरी पुलिस

संवेदनशील इलाकों से पुलिस ने निकाला पैदल फ्लैग मार्च

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दुर्गोत्सव पर्व पर साम्प्रदायिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन में एएसपी बी.एस. गोठरिया के नेतृत्व में एक फ्लैग मार्च पुलिस कन्ट्रोलरूम से निकाला गया। फ्लैग मार्च पुलिस कन्ट्रोलरूम से प्रारम्भ होकर घंटाघर, बड़ी ओमती, भरतीपुर, गलगला, फूटाताल, सराफा चौक, कोतवाली थाने के सामने से मिलौनीगंज, मछली मार्केट होते हुए गोहलपुर तिराहा पर समाप्त हुआ।

सर्वसम्मति से हुई घोषणा, निर्विरोध हुआ चयन

नरेन्द्र त्रिपाठी बने ब्राम्हण समाज सिहोरा के अध्यक्ष

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। शिक्षक नरेन्द्र त्रिपाठी को ब्राम्हण समाज सिहोरा का निर्विरोध नवीन अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया हैं। इस अवसर पर निर्वाचन अधिकारी राज किशोर तिवारी, अनिरूद्ध त्रिवेदी, संरक्षक नंदकिशोर परौहा, अश्वनी कुमार पाठक, अशोक तिवारी, दिनेश गौतम, रवि दुबे, नारायण तिवारी, अरविंद उपाध्याय, सुनील तिवारी आदि ने बधाइयां प्रेषित की हैं ।

मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने दिए टिप्स

कृषि अधिकारियों ने किया पाटन विकासखंड का भ्रमण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों ने विकासखंड शहपुरा के ग्राम सालीवाड़ा, बेलखेड़ा, बेलखेड़ी, झुराई पिपरिया एवं इमलिया तथा विकास खंड पाटन के ग्राम धमनी, कटरा बेलखेड़ा एवं जमुनिया का भ्रमण कर किसानों से सीधा संवाद किया।

करंट फैलते ही बंद हो जाएगी दुर्गा पंडालों की बिजली, टाली जा सकेगी बड़ी दुर्घटना

दुर्गा पंडालों में ईएलसीबी और आरसीसीबी लगाने की अपील, विद्युत विभाग ने दिखाया लाइव टेस्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नवरात्र के दौरान दुर्गा पंडालों में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय अपनाए जा रहे हैं। बिजली विभाग द्वारा सभी दुर्गा समितियों से अपने-अपने पंडालों में अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर (ईएलसीबी) और रेसिडुअल करंट सर्किट ब्रेकर (आरसीसीबी) लगाने की अपील की गई है। यह उपकरण बिजली के रिसाव के होते ही पूरी बिजली को ही बंद कर देता है। अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा ने यह उपकरण संभावित हादसों को रोकने के लिए मददगार वस्तु है। उन्होंने बताया कि रविवार को होम साइंस कॉलेज रोड स्थित शिव पूजन दुर्गा समिति के पंडाल में बिजली से सुरक्षा के लिए अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर (ईएलसीबी) और रेसिडुअल करंट सर्किट ब्रेकर (आरसीसीबी) लगाए गए हैं। साथ ही इन उपकरणों का लाइव टेस्ट भी करके दिखाया गया है।

पंडाल में फैले करंट से किशोर की हुई थी मौत

हाल ही में धनवंतरी नगर के जसूजा सिटी फेज-3 में गणेश पंडाल में करंट की चपेट में आने से 16 वर्षीय शौर्य नामक किशोर की मौत हो गई थी। हादसा उस समय हुआ, जब वह महाआरती में शामिल होने के बाद दोस्तों के साथ घर लौट रहा था। पंडाल के पास लगे एक खंभे में करंट आ रहा था। किशोर के संपर्क में आते ही वह जमीन पर गिर गया। मौके पर मौजूद लोग उसे नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी ।

सभी समितियों से उपकरण लगाने की अपील

अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा ने बताया कि ये उपकरण बिजली के रिसाव से होने वाले संभावित हादसों को रोकने में मदद करते हैं। पंडाल में शॉर्ट सर्किट होने या बिजली का करंट रिसने की स्थिति में सुरक्षा उपकरण निर्धारित स्थिति में स्वत: ट्रिप होकर बिजली आपूर्ति बंद कर सकते हैं। इससे करंट लगने और बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं का खतरा कम करने में मदद मिलती है। उन्होंने दुर्गा समितियों से पंडालों में बिजली की सुरक्षित व्यवस्था करने और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने पर जोर दिया, ताकि नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल मिल सके।

दंगाइयों को खदेड़ने चली टीयर गैस पानी की बौछार से किया तितर-बितर

आगामी त्यौहारों के मद्देनजर पुलिस ने की बलवा ड्रिल की रिहर्सल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर एवं पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में रविवार को पुलिस ग्राउंड में सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं शहर मे पदस्थ थाना प्रभारियों, तथा थाने के बल तथा रक्षित निरीक्षक जय प्रकाश आर्य के नेतृत्व में पुलिस लाईन के बल के द्वारा बलवा ड्रिल रिहर्सल की परेड कराई गई। रिहर्सल में दंगाई बने पुलिस कर्मचारियों को तितर-बितर करने के लिये टीयर गैस पार्टी एवं वज्र वाहन से टीयर गैस चलाकर, एवं पानी की बैछार से दंगाईयो को नियंत्रित किया गया।

पुलिस कर्मचारियों को दी समझाइश

इस दौरान एएसपी शहर डॉ आयुष जाखड़ ने विस्तार से समझाइश देते हुये कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखना है, हमें इस बात का ध्यान रखना है कि आम नागरिक को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। प्रत्येक कार्यवाही नियमों के अंन्तर्गत पूरी तरह निष्पक्षता से करें। उन्होंने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कानून व्यवस्था स्थिति के दौरान, बाडीगार्ड हैल्मेट, एवं जाली अवश्य धारण करें ताकि भीड द्वारा हमला एवं पथराव होने की स्थिति मे घायल होने की नौबत न आये।

दशहरा महोत्सव मेला का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहीद स्मारक प्रांगण, गोलबाजार में 10 दिवसीय मनोरंजन मेला दशहरा महोत्सव का शुभारंभ रविवार को महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, विधायक अभिलाष पांडे, रिकुंज विज , पूर्व विधायक पं. नित्यनिरंजन खंपरिया, पार्षद अयोध्या तिवारी एवं निशा राठौर ने फीता काट कर किया । इस अवसर पर आरके टहनगुरिया, जादूगर एसके निगम, उपस्थित रहे। अतिथियों ने फोटो जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से नवरात्रि पर आयोजित इस मेले को नगर के लिए स्वस्थ मनोरंजन स्थल बताया। विजय जायसवाल ने मेले के आयोजन पर प्रकाश डाला। अतिथियों का स्वागत संजय राठौर, अनिल तिवारी, रविन्द्र विश्वकर्मा, हरि मेहता, बबलू रजक, राजेन्द्र दुबे, अमित पटेल आदि ने किया । संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने एवं आभार प्रतुल श्रीवास्तव ने व्यक्त किया ।

पखावज और सितार वादन से श्रोता हुए मंत्र मुग्ध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहीद स्मारक सभा गृह में शनिवार को वनमाली सप्रे स्मृति समारोह भव्यता के संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ वरिष्ठ संगीत प्रेमी सुरेश तोफखानेवाले, असीम चौधरी, कृष्णा सालुंके द्वारा दीप प्रज्वलन कर हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कृष्णा सालुंके के एकल पखावज वादन से प्रारंभ हुआ। कोलकाता के सितार वादक असीम चौधरी का सितार वादन प्रस्तुत हुआ। कार्यक्रम का समापन आपने भैरवी राग में परंपरागत ठुमरी से किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक करमहे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में संयोजक प्रो. अखिलेश सप्रे द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में प्रो. सदानंद सप्रे, माधवी गोरे, विवेक करमहे, संजय सोनी आदि उपस्थित रहे।

गोकलपुर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोकलपुर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन राकेश सैनी के मुख्यातिथ में किया गया। बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संघर्ष, वोट चोर गद्दी छोड़ की मुहिम को मजबूती प्रदान करने के लिए चर्चा की गई। साथ ही कांग्रेस के संगठन को बूथ, वार्ड, ब्लॉक एवं विधानसभा स्तर तक मजबूत करने की बात कही गई। इस बैठक में मुख्य रूप से अमरचंद बाबरिया, संजय सिंह, रोहित सैनी, मुकेश श्रीवास्तव, मोहम्मद आजाद, मनोज वर्मा, मनीष केसरवानी, रज्जन रैकवार, दयाल चौधरी, रोहित रैकवार, गुलशेर, सिकंदर, मुकेश कोल, निखिल कोल, आदेश यादव, अभिषेक ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

कैट की बैठक में व्यापारियों की एकजुटता पर हुआ मंथन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। न्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा नरसिंहपुर में आयोजित व्यापारिक बैठक में विभिन्न व्यवसायों से जुड़े व्यापारियों ने सहभागिता की। बैठक में उपस्थित व्यापारियों ने अपने-अपने विचार रखे तथा व्यापार जगत की समस्याओं, चुनौतियों और विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

भव्यता और उल्लास के साथ निकली भगवान श्रीराम की बारात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। श्री रामलीला समिति गढ़ा द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव के अंतर्गत भगवान श्रीराम की भव्य बारात सिद्ध मंच से धूमधाम से निकाली गई। 21 कलशों, अश्वारोही दल, दुलदुल घोड़ी नृत्य, धमाल, शहनाई, ढोल-नगाड़ों, विशाल बैंड की मधुर धुनों और आतिशबाजी के बीच निकली राम बारात ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। मार्ग में जगह-जगह भगवान श्रीराम की बारात के स्वागत, पूजन-अर्चन और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बारात में ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश सहित अनेक देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इस अवसर पर समिति के संचालक अशोक मनोध्याय, लेखराज सिंह, प्रणय गुप्ता, पार्षद प्रिया संजय तिवारी, केदारनाथ शर्मा, शिवहरे, भोलाराम खत्री, विद्या केवट, आनंद मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

अनेक संकीर्तन मंडलों की सहभागिता से निकली भव्य प्रभात फेरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सार्वजनिक श्री दुर्गा हनुमान मंदिर समिति (सरस्वती कॉलोनी,चेरीताल) के संयोजकत्व में प्रतिपदा की शुभ तिथि शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस बैठकी की प्रात:बेला में, श्री चैतन्य महाप्रभु, राधा नाम संकीर्तन मंडल, सनातनी ग्रुप, मानस संकीर्तन मण्डल, नर्मदा सेवा मिशन आदि अनेक मण्डलों की सहभागिता से पं. वासुदेव शास्त्री, पं. मनमोहन दुबे, पं. देवेंद्र त्रिपाठी, संतोष अग्रहरि के सानिध्य एवं अध्यक्ष देवेंद्र नेमा के मार्गदर्शन में श्री दुर्गा मंदिर प्रांगण से विशाल संकीर्तन यात्रा, प्रभात फेरी निकाली गयी। प्रभातफेरी का समापन भगवान श्री हनुमान की मंगल महाआरती व महाप्रसाद वितरण उपरांत संकीर्तन यात्रा का समापन हुआ। जय मातादी जयघोष के साथ लगभग 2 कि.मी.लम्बी संकीर्तन यात्रा पूर्ण सुव्यवस्थित और अनुशासित थी। इस अवसर पर अध्यक्ष देवेंद्र नेमा, राजेश शर्मा, नरेंद्र साहू, देवव्रत सोनी, मोहित तिवारी, सुरेन्द्र गिरी, केएल दीक्षित, सत्यप्रकाश नामदेव, अमित विश्नोई आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

बाल विद्या संस्कार शिविर का हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संत शिरोमणी आचार्य भगवंत श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के अवतरण दिवस (तारीख अनुसार) के अवसर पर विद्या कुल शिरोमणी आचार्य भगवन श्री 108 समय सागरजी महाराज के शुभाशीष से उनके ही पथानुगामी आर्यिका रत्न श्री 105 दृढमति माता, आर्यिका श्री पावन मति माता आदि के सानिध्य में विद्या वाटिका परिसर शिवनगर में बाल विद्या संस्कार शिविर आयोजित किया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति एवं चातुर्मास धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में लगभग 200 बालक बालिकाओं को उज्वल भविष्य की कामना के साथ संस्कारित किया गया और अपनी संस्कृति को सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई गई। नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा आर्यिका संघ के कर कमलों में जिनवाणी समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

संस्कारधानी पहुंचे जल योद्धा विकास कार्यों को देख की सराहना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देशभर में पानी के पहरेदार और जल योद्धा के नाम से विख्यात पद्मश्री सम्मान से सम्मानित उमा शंकर पाण्डेय जबलपुर प्रवास के दौरान जबलपुर नगर निगम द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के नेतृत्व में शहर में चल रहे पर्यावरण और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की सराहना की। निरीक्षण के अपने इस क्रम में, पद्मश्री विभूषित उमा शंकर पाण्डेय ने सबसे पहले डुमना नेचर पार्क का दौरा किया, जहां उन्होंने मियांवकी पद्धति से लगाए जा रहे सघन पौधों के कार्यों का जायजा लिया। इस आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल वृक्षारोपण तकनीक की उन्होंने भरपूर प्रशंसा की। इसके उपरांत, उन्होंने कठोंदा स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और वेस्ट टू एनर्जी प्लांट सहित कई अन्य प्रमुख विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। पद्मश्री पाण्डेय ने कहा कि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू संस्कारधानी के नागरिकों को देवतुल्य मानकर पूरी निष्ठा और समर्पित भाव से बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

भेड़ाघाट पहुंची 300 लाइफ जैकेट आज से शुरू होगा नौका विहार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भेड़ाघाट में 24 और 25 अक्टूबर को होने वाले नर्मदा उत्सव की तैयारियां चल रही हैं। नगर परिषद नौकाओं, साफ-सफाई और अन्य जरूरी सुविधाओं के इंतजाम कर रही है। नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी ने बताया कि आयोजन स्थल पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसी बीच बरसात के कारण पंचवटी में बंद नौका विहार सोमवार, 11 अक्टूबर से फिर शुरू हो जाएगा। नगर परिषद ने लोगों से भेड़ाघाट आकर नौका विहार और उत्सव का आनंद लेने की अपील की है। सुरक्षा से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सैलानियों की सुरक्षा के लिए 300 लाइफ जैकेट उपलब्ध कराई गई हैं। पंचकोशी यात्रा और नर्मदा परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त लाइफ जैकेट भी मंगाई गई हैं। पंचकोशी यात्रा के दौरान पंचवटी से भेड़ाघाट के बीच नौकाएं चलती हैं। इन नौकाओं में गोताखोरों की टीम भी तैनात रहती है। नगर परिषद अध्यक्ष

चतुर सिंह लोधी ने कहा कि प्रशासन श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सबसे ऊपर रखता है।

गौवंश की देखभाल के लिए गौशाला का होगा विस्तार

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। विद्यासागर गौशाला सेवा संस्था समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गौशाला में रह रहे करीब 800 पशुओं की देखभाल, उनके संरक्षण और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार को लेकर चर्चा की गई। पशुओं की संख्या को देखते हुए गौशाला परिसर में शेड निर्माण सहित अन्य आवश्यक निर्माण कार्य कराने पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में पशुओं के लिए बेहतर आश्रय और गौशाला की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने पर जोर दिया गया। बैठक में सेड निर्माण के साथ गौशाला परिसर में आवश्यक सुविधाओं के विकास और पशुओं के रखरखाव को बेहतर बनाने के संबंध में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। समिति का मानना है कि गौशाला में बड़ी संख्या में पशुधन होने के कारण उनके लिए पर्याप्त स्थान और सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों की रूपरेखा तैयार करने और आवश्यक व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने पर विचार किया गया। इस दौरान विद्यासागर सेवाश्रम गौशाला सेवा समिति में संरक्षक के रूप में अंकुर जैन एवं अरुण जैन, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल जैन, उपाध्यक्ष राकेश जैन, महामंत्री सुनील जैन आदि मौजूद रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**